हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • मंगलवार • 05.08.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 15 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

जन्म- 11 जनवरी 1944

मृत्यु- 04 अगस्त 2025

विनम्र श्रद्धांजलि

दिशोम गुरु शिबू सोरेन

समस्त राज्यवासियों की तरफ से

हूल जोहार

प्रात: 9.00 बजे विधानसभा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी

अंतिम संस्कार - पैतृक गाँव नेमरा, रामगढ़ में

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 358880 (IPRD) 25-26

एक नजर

केरेडारी के पेटो में डायरिया से एक महिला की हुई मौत

केरेडारी : केरेडारी प्रखण्ड के पेटो पंचायत के चट्टी पेटो गांव में डायरिया फैलने से सुरेश साव पत्नी के सीता देवी उम्र लगभग 55 बर्ष की मौत रविवार की मध्य रात्रि सदर अस्पताल में इलाज के दौरान ही हो गई है। वही कई लोग ग्रसित हैं। सभी ग्रसित व्यक्तियों को हजारीबाग में इलाज किया जा रहा हैं। ग्रसित में सुरेश साव उम्र लगभग 60 बर्ष ,पोता बालबीर कुमार 9 बर्ष, कोल्हा साव उम्र 65 वर्ष ,पत्नी केशो देवी 60 बर्ष, पोता गणेश कुमार 10, मीना देवी 32 , पति बाल्मिकी साव, बिष्णु कुमार 10 बर्ष, सूरज कुमार साव 25 बर्ष, छोटन साव आदि ग्रसित है।ग्रसित कुछ लोगो को सदर अस्पताल हजारीबाग में और कुछ लोगो को रानी हॉस्पिटल हजारीबाग में और छोटन और सूरज को रांची में इलाज किया जा रहा है। इस घटना को लेकर विधायक रौशनलाल चौधरी ने संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को जानकारी दिया।

बच्छई मुखिया बीरेंद्र रजक ने खिलाड़ियों के बीच किया फुटबॉल वितरण

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत बच्छई पंचायत भवन डुमरी में सोमवार को पंचायत के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से फुटबॉल का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम मुखिया बिरेन्द्र रजक एवं पंचायत समिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव की संयुक्त पहल पर आयोजित हुआ। फुटबॉल वितरण ग्राम सेवई, डुमरी, चक व बच्छई के चयनित युवा खिलाड़ियों के बीच किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी देवल यादव, सुरेन्द्र यादव समेत कई स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुखिया बिरेन्द्र रजक ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंचायत के सभी छह गांवों के बीच फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुखिया ने कहा, पंचायत क्षेत्र के खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है। आवश्यकता है उन्हें सही दिशा और मंच देने की। पंचायत स्तर से जो भी सहयोग संभव होगा, वह हर हाल में उपलब्ध कराया जाएगा। पंचायत समिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव ने भी खेलों को ग्रामीण युवाओं के जीवन में अनुशासन और ऊर्जा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से गांव में खेल की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और युवा नशा, अपराध जैसे गलत रास्तों से दूर रहेंगे।

शिबू सोरेन सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि संघर्ष, अस्मिता और अधिकार की लड़ाई के प्रतीक थे : गौरव

विष्णुगढ़ : झारखंड आंदोलन के प्रखर नेतृत्व कर्ता व पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद जे०एम०एम पार्टी के संस्थापक दिशोम गुरु का 81 वर्ष की आयु में सोमवार की सुबह दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में आखिरी सांस ली। शिबू सोरेन किडनी संबंधी समस्या से जूझ रहे थे। उन्हें करीब डेढ़ महीने पहले स्ट्रोक भी आया था। जिसके बाद वे एक महीने से लाइफ सपोर्ट पर थे। गंगाराम अस्पताल में नेफ्रोलॉजी विभाग के चेयरमैन डॉ. एके भल्ला और न्यूरोलॉजी की टीम उनका इलाज कर रहे थे। लंबी बिमारी के बाद सोमवार को उनके निधन का समाचार सुनकर पूरे राज्य में शोक की लहर छा गई।

झारखंड आंदोलन के पुरोधा को विनम्र श्रद्धांजलि

झारखंड में शोक की लहर : रामा सोनी

हजारीबाग : झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता रामा सोनी ने दुख व्यक्त करते हुए बताया झारखंड राज्य के जनक पूर्व मुख्यमंत्री जनआंदोलन के नायक सूदखोरों को उनकी औकात बताने वाले नायक ढिशुम गुरु के निधन की सूचना प्राप्त हुई राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है पूरे राज्य में है शोक के लहर सरकार ने 2 दिन की कार्यालय बंद की घोषणा की गई है तथा स्कूल कॉलेज के अलावा जितने भी सरकारी महकमा है सभी 3 दिन शोक मनाएंगे ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें ।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिता झारखंड आंदोलन के प्रखर नेतृत्व कर्ता व पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु का 81 वर्ष की आयु में सोमवार की सुबह दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में आखिरी सांस ली। शिबू सोरेन किडनी संबंधी समस्या से जूझ रहे थे। उन्हें करीब डेढ़ महीने पहले स्ट्रोक भी आया था। जिसके बाद वे एक महीने से लाइफ सपोर्ट पर थे। गंगाराम अस्पताल में नेफ्रोलॉजी विभाग के चेयरमैन डॉ. एके भल्ला और न्यूरोलॉजी की टीम उनका इलाज कर रही थी।लंबी बिमारी के बाद सोमवार को उनका निधन हो गया निधन की सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ता रौशन कुमार ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। रौशन कुमार ने कहा कि पिता की हत्या ने एक छात्र को आंदोलनकारी बना दिया,जिसने आदिवासियों की पीड़ा को अपनी आवाज बना लिया। पचास के दशक में महाजनों ने शिबू सोरेन के पिता सोबरन सोरेन की हत्या कर दी। जब पिता की हत्या हुई तब शिबू सोरेन स्कूल में पढ़ते थे। शिबू सोरेन ने कसम खाई वो बिरसा मुंडा की धरती से महाजनों और जमींदारों को उखाड़ कर फेंक देंगे। आदिवासी समुदाय को महाजनों के शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए शिबू सोरेन ने बिनोद बिहारी महतो और एके राय के साथ मिलकर 4 फरवरी 1973 को झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की थी। निर्मल महतो के रूप में गुरुजी को बड़ा आंदोलनकारी मिला,जो बाद में जाकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष बने।3 बार के कार्यकाल में सिर्फ 10 महीने सरकार चलाई।तीन बार के कार्यकाल में शिबू सोरेन को 10 महीना 10 दिन ही राज्य की कमान संभालने का मौका मिला। शिबू सोरेन पहली बार सिर्फ 10 दिनों के लिए मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद शिबू सोरेन दूसरी बार 28 अगस्त 2008 को झारखंड के मुख्यमंत्री बने। इस बार उन्हें पांच महीने तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने का मौका मिला। उन्होंने 18 जनवरी 2009 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। फिर तीसरी बार 30 दिसंबर 2009 को शिबू सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बने। इस बार उनका कार्यकाल सिर्फ पांच महीने का रहा। उन्होंने 31 मई 2009 को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।अलग झारखंड राज्य बनाने के लिए संघर्ष किया। दिशोम गुरु ने न केवल झारखंड आंदोलन की नींव रखी, बल्कि उसे एक सशक्त पहचान भी दी। उन्होंने महाजनी व्यवस्था और सत्ताधारी गठजोड़ के खिलाफ लगातार संघर्ष किया। सत्ता में रहे लोगों ने उन्हें कभी स्वीकार नहीं किया, लेकिन जनता ने उन्हें दिल से अपनाया। आज जब दिशोम गुरु हमारे बीच नहीं रहे, उनका विचार, उनका संघर्ष और उनकी लड़ाई हमेशा जीवित रहेगी।

दिशोम गुरु के निधन पर विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष ने किया शोक व्यक्त

रामगढ़ : विश्व हिन्दू परिषद के रामगढ़ जिला अध्यक्ष संतु भाई मानिक और विहिप जिला मंत्री छोटू वर्मा ने प्रेस बयान जारी करते हुए दिशोम गुरु शिबू सोरेन गुरुजी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया। विहिप जिला अध्यक्ष संतु भाई मानिक और विहिप जिला मंत्री छोटू वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड के नेमरा गांव निवासी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, दिशोम गुरु शिबू सोरेन उर्फ गुरुजी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनके निधन से झारखंड ने एक महान नेता और आदिवासी समाज की प्रेरणादायक आवाज खो दी। शिबू सोरेन ने झारखंड आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया और आदिवासी हितों, जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। तीन बार मुख्यमंत्री, आठ बार सांसद और केंद्रीय मंत्री के रूप में उनका योगदान अविस्मरणीय है। आगे संतु भाई मानिक ने कहा शिबू सोरेन की विरासत झारखंड के लिए सदा ही प्रेरणा देती रहेगी। विहिप के कार्यकताओं ने भगवान से पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर पत्रकारों ने की शोक सभा

बड़कागांव : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन हो जाने के बाद बड़कागांव के पत्रकारों द्वारा विकास रंजन के आवास में शोक सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार उग्रसेन गिरि एवं संचालन नरेश कुमार ने किया। अग्रसेन गिरी अपने भाषण में कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने झारखंड के निर्माण एवं संवारने में बड़ी भूमिका निभाई थी। पत्रकार नरेश कुमार ने कहा कि झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता शिबू सोरेन थे। संजय सागर ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड अलग राज्य करने में ही ,नहीं बल्कि सामंत वादियों के खिलाफ संघर्ष कर झारखंड के मूल निवासियों को हक और अधिकार दिलाने का काम किया। मौके पर सदानंद शर्मा,आनंद राज, विकास रंजन चौरसिया, शिवनारायण साहू, रंजीत साव, शिव शंकर कुमार, पिंटू कुशवाह,पंकज ठाकुर आदि उपस्थित थे।

शिबू सोरेन के निधन पर जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में शोक सभा

बड़कागांव : जीडीएम बालिका उच्च बड़कागांव में झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो ने किया। प्रधानाध्यापक ने कहा कि झारखंड राज्य को अलग राज्य बनाने में पूर्व सीएम का बहुत बड़ा योगदान रहा। उन्होंने जो अपना योगदान दिए हैं इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। वरिष्ठ शिक्षिका विमली कुमारी ने कहा की जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में पूर्व सीएम शिबू सोरेन का आगमन सन 2002 ईस्वी में हुआ था। पूर्व सीएम का इस विद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है । उनके इन कृतियों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मौके पर प्रधानाध्यापक राम लखन महतो, वरिष्ठ शिक्षिका विमली कुमारी, अशोक कुमार, अख्तर हुसैन, शोभा कुमारी, कुलदीप कुमार, शंकर कुमार महतो ,शंकर कुमार राणा, कुमारी मीना वर्मा, जितेंद्र कुमार, प्रमिला देवी, अर्जुन सिंह एवं छात्राएं उपस्थित थे।

बचाओ संघर्ष समिति द्वारा सावन के अंतिम सोमवार को कांवरियों के लिए सेवा शिविर का सफल आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सामाजिक संगठन रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में सावन माह के अंतिम सोमवार को रामगढ़ समाहरणालय के समीप, राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर श्रद्धालु कांवरियों के लिए विशेष सेवा शिविर का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं की सेवा और उनकी यात्रा को सरल एवं सुखद बनाने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में फल, शरबत, ठंडा पानी, गुड़ और चना का निःशुल्क वितरण किया गया। हजारों श्रद्धालु कांवरियों ने सेवा शिविर का लाभ उठाया और समिति के इस पुनीत कार्य की सराहना की। समिति के केंद्रीय अध्यक्ष और सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने बताया कि सावन माह में बढ़ती भीड़ और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह सेवा शिविर लगाया गया था। उन्होंने कहा कि ₹समाज सेवा और धार्मिक आस्था का संगम ही समिति का मूल मंत्र है। इस अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, स्थानीय युवा और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और तन, मन, धन से सहयोग प्रदान किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को सुरक्षा, स्वच्छता और सहायता का हर संभव प्रयास किया। रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति ने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के सेवाकार्य जारी रखने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा कुमारी, सुरेंद्र राम, सिकंदर सोनी, पिंटू मालाकार, पवन कुमार,राम कुशवाहा, अजय राम,अमर कुमार बोदरा, रवि कुमार महतो,कैलाश महतो, चंदन सिंह, पीयूष सोनकर,शुभम गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ए'ला एंगलाइज विद्यालय में शोक सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : ए'ला एंगलाइज विद्यालय में शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि शिबू सोरेन एक महान नेता थे जिन्होंने जनजातीय समाज के अधिकारों और उत्थान के लिए लंबा संघर्ष किया। इस शोक सभा में भुरकुंडा जवाहर नगर के भूतपूर्व मुखिया प्रदीप मांझी शामिल हुए और उनके संघर्ष से अवगत कराये। साथ में विद्यालय सचिव डॉक्टर गजाधर महतो प्रभाकर ने उनकी जीवनी प्रस्तुत की। छात्रों ने शिबू सोरेन के जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय में मौन रखा गया और शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई। विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि शिबू सोरेन की विरासत हमेशा याद रखी जाएगी और उनके आदर्शों को अपनाकर हम अपने समाज के लिए बेहतर काम कर सकते हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने दिवंगत आत्मा के छवि पर पुष्पांजलि अर्पित की। शोक सभा के अंत में छात्रों ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा और उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। इस आयोजन में प्राचार्य विजयंत कुमार, प्रशासक संजय कुमार, धर्मेश सोनी जय किशोर प्रसाद महतो तथा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं सहित विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन संजीव बेदिया ने शोक व्यक्त किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड के जननायक सह झामुमो संस्थापक ,झारखंड में तीन बार सीएम एवं वर्तमान में राज्यसभा सदस्य ,दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गय। झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सह जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया मैं गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कहा की गुरु जी हमारे अभिभावक एवं मार्गदर्शक थे। राज्य ने एक अनमोल हीरा खो दिया है ,राज के लिए यह बहुत बड़ा नुकसान है इनकी भरपाई कर पाना असंभव है। झारखंड अलग राज्य दिलाने में शिबू सोरेन की योगदान को हम झारखंडी कभी भी भूल नहीं सकते। गुरुजी बड़कागांव अनेकों बार दौरा किया जिसमें जिसमें 2002 ,2012एवं 2014 के अलावा अन्य कई बार विशेष यादगार रहा है। शोक व्यक्त में जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया जिला सचिव नीलकंठ महतो, केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी, गौरव पटेल, सुनील शर्मा, बसंत ठाकुर रश्मि टुडू के अलावा बड़कागांव प्रखंड और हजारीबाग जिला में कार्यकताओं शोक व्यक्त किया ।

कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने शिबू सोरेन को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बड़कागांव : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके 'बेहतर कार्यों' की सराहना की। कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका पूरा जीवन झारखंड राज्य के निर्माण और यहां के मूल निवासियों, विशेषकर आदिवासियों के अधिकारों के लिए समर्पित रहा।₹गुरुजी ने झारखंड आंदोलन को एक नई दिशा दी। उन्होंने अपने संघर्ष और दूरदर्शिता से एक अलग राज्य के सपने को साकार किया, जिससे यहां के लोगों को उनका हक अधिकार और पहचान मिली। राजनीतिक स्तर के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी लोगों के उत्थान के लिए अथक प्रयास किए। हमेशा जल, जंगल और जमीन के मुद्दों पर आदिवासियों के अधिकारों की वकालत की। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे झारखंड के लाखों लोगों का जीवन बेहतर हुआ।

शिबू सोरेन के गुजर जाने से उनके पैतृक गांव रामगढ़ के नेमरा में है शोक की लहर

रामगढ़ : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद शिबू सोरेन अब नहीं रहे। लंबी बीमारी से जूझने के बाद आज सुबह उनकी मौत दिल्ली में हो गई। उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा में सन्नाटा पसरा हुआ है। एक तरफ उनके गांव से होकर गुजरने वाली सड़क सुनी है तो दूसरी तरफ आदिवासी समाज के लोग सड़क के किनारे बैठकर दुख प्रकट कर रहे है। उनके पैतृक घर के अगल-बगल रामगढ़ जिला प्रशासन के द्वारा कल होने वाले उनके अंत्येष्टि को लेकर तैयारी की जा रही है। मौके पर प्रदेश के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने भी रामगढ़ जिला प्रशासन के साथ आकर स्थल निरीक्षण किया और पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि झारखंड की आत्मा माननीय शिबू सोरेन जी हमारे बीच नहीं रहे आम जनमानस सहित पार्टी के लिए यह अपूरणीय क्षति है। योगेंद्र प्रसाद (मंत्री झारखंड सरकार) मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के रामगढ़ जिला अध्यक्ष विनोद किस्कु ने कहा कि गुरु जी के जाने से बहुत बड़ी क्षति हुई है जिसकी कोई पूर्ति नहीं हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का हुआ आयोजन

रामगढ़ : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर सोमवार को श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में शोकसभा का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने दो मिनट मौन रखकर उनकी आत्मा शांति की प्रार्थना की। शोक सभा के बाद पठन-पाठन कार्य स्थगित कर दिया गया। स्व सोरेन को श्रद्धांजलि देते हुए प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि शिबू सोरेन का जाना एक युग का अंत है। उन्होंने महाजनी प्रथा व नशे के खिलाफ आदिवासियों, मूलवासियों व शोषितों-पीड़ितों के संघर्ष को जिस प्रकार दिशा दी, उसे आनेवाली पीढियां सदैव याद रखेगी। झारखंड आंदोलन में उनके संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उनके विचार हमेशा समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

सावन की अंतिम सोमवार पर चीकोर में भव्य कलश यात्रा, शिव-पार्वती की झांकी और भस्म डांस

भुरकुंडा (चीकोर गांव) : सावन माह की अंतिम सोमवार पर भुरकुंडा के उपर चीकोर गांव में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। ग्रामीणों द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई और शिव-पार्वती की सुंदर झांकियों ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान भस्म डांस का मनमोहक प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे वातावरण में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे गूंज उठे और सावन का पर्व उत्सव में बदल गया। इस भक्तिमय माहौल को और भी यादगार बना दिया भुरकुंडा के स्थानीय कलाकार विनय मिश्रा ने। उनके द्वारा प्रस्त गानों पर झूमते श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस आयोजन को सफल बनाने में उपर चीकोर मंदिर समिति के सदस्य गणेश महतो, गंगाधर महतो, दिलीप दांगी, पिंटू ठाकुर, देवकी महतो, गौरीशंकर महतो, मुनीलाल मेहता, धनराज महतो, गणपत महतो, कृष्णा कुशवाहा (उप मुखिया), देवानंद महतो, योगेश दांगी, पप्पू लाल श्रीवास्तव, प्रकाश कुमार, किशोर महतो और सुजीत कुमार का विशेष योगदान रहा।

आजादी के कई सालो बाद भी आज तक दो किमी की सड़क नहीं

विष्णुगढ : प्रखंड के गोविंद पुर पंचायत के ग्राम चितरामो से गिद्धिनीया, परसातरी, मोसरीतरी इन छोटे छोटे गांवों को जोड़ने वाली कच्ची सड़क को आज तक नहीं बनाया गया न ही किसी को जनप्रतिनिधि और न ही विभागीय अधिकारी ने इस पर कुछ पहल किया है सड़क ना बनने के सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन दो किलोमीटर की दूरी में छोटे-बड़े अनगिनत गड्ढे उभर आए हैं। बारिश की वजह से गड्ढे में पानी भर गया है। अब सड़क पर गड्ढे की गहराई भी समझ से परे है। इन गांवों को चितरामो तक जाने के लिए एक नाले को पार कर के जाना पड़ता है। नाले में पुल_पुलिया नहीं होने के कारण लोगों को नाले में अचानक बाढ़ आने के क्रम में आने_ जाने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ,कई महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो पाते है , गोविंदपुर से विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत गिद्धिनीया की दूरी लगभग 8 किलोमीटर है। इन गांवों के लोगों का मुख्य मार्केट विष्णुगढ़ है। बड़ी तादाद में इस गांव के लोग प्रतिदिन गड्ढानुमा कच्ची रोड के सहारे चलकर भारी परेशानियों के बीच विष्णुगढ़ और ग्राम पंचायत गोविन्द पुर का आवागमन कर रहे हैं। दो किलोमीटर का यह इलाका विष्णुगढ़ प्रखंड की गोविंदपुर पंचायत के अंतर्गत आता है। इसी रास्ते से चल कर लोग हर साल वन भोज मानने आया करते है।

सांसद द्वारा बुढ़वा महादेव परिसर में किया गया खीर वितरण

बड़कागांव (हजारीबाग) : प्रत्येक वर्ष की भांति सावन के अंतिम सोमवार को बड़कागांव महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में हजारों श्रद्धालुओं के बीच खीर का वितरण किया गया। खीर वितरण कांडतरी पंचायत के पूर्व मुखिया सह समाजसेवी पारस महतो के नेतृत्व में किया गया। जिसमें मुख्य रूप से बड़कागांव विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद मंडल प्रतिनिधि रंजीत कुमार, महेन्द्र महतो, मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो,महामंत्री नरसिंह प्रसाद ,महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सेवंती कुमारी, त्रिवेणी महतो, किशोर राणा,पूर्व मुखिया भीखन महतो ,भवानी प्रसाद, सुरेश महतो,प्रेमचंद महतो, बालेश्वर महतो, शशि कुमार मेहता, स्वरूप नारायण महतो, प्रदीप महतो, इंद्र भूषण कुमार, नितेश कुमार समेत दर्जनों लोगो का सराहनीय योगदान रहा।

बुढ़वा महादेव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ 61000 से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया

बड़कागांव : झारखंड में प्रसिद्ध महुदी पहाड़ के 751 फीट ऊंचाई पर स्थित बुढ़वा महादेव में सावन की अंतिम सोमवारी पर पिछले वर्ष 50000 श्रद्धालुओं के द्वारा जलाभिषेक करने की रिकॉर्ड को तोड़ते हुए लगभग 61000 श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। प्रखंड से ही नहीं बल्कि राज्य के कई शहरों से श्रद्धालु पहुंचे थे। इस दौरान कई गांव के 26अखाड़े के द्वारा रामगढ़ जिला के रजरप्पा के भैरवी नदी से जल उठावकर श्रद्धालुओं ने 108 किलोमीटर पैदल यात्रा कर बुढ़वा महादेव मंदिर में जलार्पण किया।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 05.08.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 15 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

अलविदा दिशोम गुरु

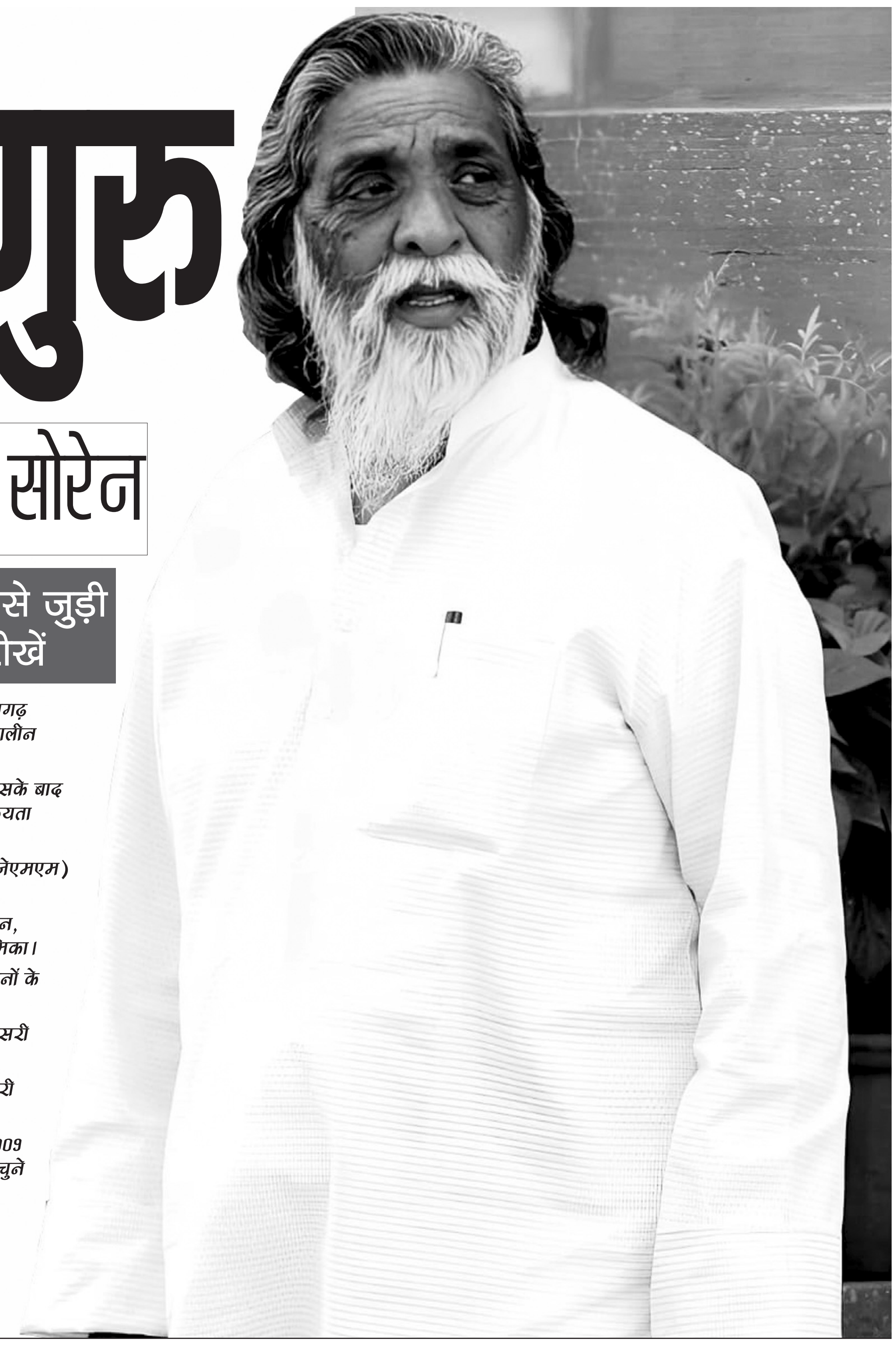

'आज मैं शून्य हो गया... गुरु जी चले गए': हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बिमार चल रहे थे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पिता के निधन की जानकारी दी।

रांची पहुंचने पर गुरुजी के अंतिम दर्शन कर सभी भावुक हो गए। आम से लेकर खास तक सभी ने नम आंखों से गुरुजी को श्रद्धांजलि दी। उनके चाहने वाले के हाथों में तख्तियां थीं, जिस पर लिखा हुआ था कि जब तक सूरज चांद रहेगा, गुरुजी शिबू सोरेन का नाम रहेगा। वहीं पूरा रास्ता वीर शिबू सोरेन अमर रहे का नारों से गूंजता रहा।

वहीं दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आवास के पास काफी संख्या में उनके चाहने वाले अंतिम दर्शन के लिए मौजूद थें। आदिवासी छात्रावास की छात्राएं सड़क के दोनों ओर गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए कतार बद्ध खड़ी थी। यहां भी उनके चाहने वाले उनके दीदार को बेताब दिखे। सभी नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि देने को खड़े दिखे। शिबू सोरेन के आवास पर पहले से मंत्री योगेंद्र प्रसाद और सुदिव्य कुमार सोनू मौजूद थे।

आज 10 बजे अंतिम दर्शन के लिए विधानसभा में रखा जाएगा गुरुजी का पार्थिव शरीर, तीन बजे नेमरा में अंतिम संस्कार

शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर तीन दिन के राजकीय शोक की घोषित की है। झारखंड में इस दौरान कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएंगे। शोक की अवधि तक राष्ट्रीय झंडा आधा झुका रहेगा। चार और पांच अगस्त को राज्य के सभी सरकारी कार्यालय भी बंद रहेंगे। इस संबंध में सोमवार को झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग की ओर से पत्र जारी किया गया है।

शिबू सोरेन की जिंदगी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण तारीखें

- *11 जनवरी 1944 : जन्म, नेमरा गांव, रामगढ़ (तत्कालीन हजारीबाग), झारखंड (तत्कालीन बिहार)।*
- *1957 : पिता सोबरन सोरेन की हत्या, जिसके बाद शिबू ने सामाजिक और राजनीतिक सक्रियता बढ़ाई।*
- *4 फरवरी 1973 : झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना।*
- *15 नवंबर 2000 : झारखंड राज्य का गठन, जिसमें सोरेन के आंदोलन की अहम भूमिका।*
- *2 मार्च से 12 मार्च 2005 : पहली बार 10 दिनों के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री बने।*
- *27 अगस्त 2008 से 11 जनवरी 2009 : दूसरी बार मुख्यमंत्री बने।*
- *30 दिसंबर 2009 से 31 मई 2010 : तीसरी बार मुख्यमंत्री बने।*
- *1980, 1986, 1989, 1991, 1996, 2004, 2009 और 2014 : दुमका से लोकसभा सांसद चुने गए।*
- *2020 : राज्यसभा सांसद बने।*
- *4 अगस्त 2025 : दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।*

रांची पहुंचा दिशोम गुरु का पार्थिव शरीर, अंतिम दर्शन को उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजनीति के पुरोधा और दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर सोमवार को दिल्ली से रांची लाया गया। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उनका पार्थिव शरीर जैसे ही पहुंचा, समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। अंतिम दर्शन के लिए लोग बड़ी संख्या में एयरपोर्ट के बाहर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इस दौरान उनके साथ मौजूद थे। एयरपोर्ट से शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर उनके मोरहाबादी स्थित आवास ले जाया गया है, जहां उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है।

नेमरा में आज होगा अंतिम संस्कार

राज्य सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि का शिड्युल तय कर दिया है। मंत्रिमंडल समन्वय एवं निगरानी विभाग द्वारा गुरुजी के अंतिम संस्कार को लेकर रांची एवं रामगढ़ जिला प्रशासन को आदेश जारी कर दिया गया है। दोनों जिलों के डीसी और एसपी को इसके लिए आवश्यक तैयारी पूरी कर लेने का निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि आज शाम दिल्ली से गुरुजी का पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद सीधे उन्हें मोरहाबादी स्थित आवास ले जाया जाएगा। फिर अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि के लिए गुरुजी के पार्थिव शरीर को पांच अगस्त की सुबह 10 बजे विधानसभा परिसर ले जाया जाएगा। यहां जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

विधानसभा में श्रद्धांजलि कार्यक्रम के समापन के बाद लगभग 12 बजे गुरुजी के पार्थिव शरीर को सड़क मार्ग से उनके पैतृक गांव नेमरा (गोला प्रखंड, जिला रामगढ़) ले जाया जाएगा। वहां उनकी अंतिम अंत्येष्टि की जाएगी। दोनों जिला प्रशासन को गुरुजी के पार्थिव शरीर को मोरहाबादी आवास से विधानसभा और विधानसभा से नेमरा तक सम्मान ले जाने, श्रद्धांजलि कार्यक्रम और अंत्येष्टि को लेकर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। अभी तक गुरुजी के पार्थिव शरीर को झामुमो के पार्टी कार्यालय ले जाने का कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि मोरहाबादी आवास से विधानसभा या विधानसभा से नेमरा के लिए उनके पार्थिव शरीर को ले जाने के क्रम में कुछ समय के लिए झामुमो मुख्यालय भी ले जाया जाएगा।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राहुल गांधी, खरगे सहित कई नेता पहुंचे अस्पताल

शिबू सोरेन के निधन पर राष्ट्रपति और पीएम के साथ कई नेताओं ने जताया शोक

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा कि शिबू सोरेन का निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र की एक बड़ी क्षति है। उन्होंने आदिवासी अस्मिता और झारखंड राज्य बनाने के लिए संघर्ष किया। आदिवासी समुदायों के कल्याण में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने शोक व्यक्त करते हुए लिखा कि शिबू सोरेन जमीनी नेता थे। उनका जनता के प्रति अटूट समर्पण था। वे आदिवासियों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से समर्पित थे। श्री मोदी ने अस्पताल पहुंच कर शिबू सोरेन को श्रद्धासुमन अर्पित किए और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया।

राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासी समुदाय की सशक्त आवाज रहे शिबू सोरेन ने अपना जीवन उनके अधिकारों और हकों के लिए संघर्ष में खपा दिया। श्री खरगे ने लिखा कि उन्होंने अपना जीवन जल, जंगल और जमीन पर लोगों के अधिकारों और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया।

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा शिबू सोरेन जनजातीय अस्मिता व अधिकार के सशक्त स्वर थे। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने उनके ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनके निधन से झारखंड के इतिहास का एक अध्याय समाप्त हो गया। ओडिशा मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि महाप्रभु जगन्नाथ उनकी आत्मा को शांति और शोक संतप्त परिवार को शक्ति प्रदान करें। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लिखा कि जनजातीय समुदाय के उत्थान और झारखंड के विकास में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने शोक संदेश में लिखा प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए उनको हमेशा याद किया जाएगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि उनके निधन से न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र अपूरणीय क्षति हुई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि शिबू सोरेन स्वतंत्र भारत के सबसे प्रभावशाली आदिवासी नेताओं में से एक थे। तेलंगाना मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनका नाम इतिहास में एक ऐसे योद्धा के रूप में अंकित रहेगा जिन्होंने अपना जीवन आदिवासी समुदायों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने कहा कि शिबू सोरेन संघर्ष के दिनों के साथी थे और हमेशा दोनों मिलकर साथ काम करते रहे।

एक नजर

विवेकानंद नगर सतनपुर में मना सावन महोत्सव

बोकारो : विवेकानंद नगर सतनपुर में सोमवार को सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवेकानंद नगर की महिलाओं ने सावन महोत्सव के अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिता समेत मेंहदी लगाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने सावन के विभिन्न गीतों पर सामुहिक नृत्य भी प्रस्तुत किया। सावन महोत्सव पर महिलाएं सजधजकर सोलह श्रंगार कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौके पर काजल देवी, गुडिया कुमारी, रिंकी देवी, संध्या देवी, पलक कुमारी, चंदन, पिंकी देवी, स्वेता देवी, डॉली कुमारी व प्रतिमा देवी समेत अन्य महिलाएं शामिल रहीं।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर सुनते ही समधी के घर में छा गई मायूसी

बोकारो : दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर सुनते ही तुपकाडीह से सटे खुटरी पंचायत के कुशुलमुडु गांव में रहने वाले उनके समधी शशिभूषण हांसदा के घर मायूसी छा गई। आदिवासी बहुल यह गांव दुखी है। आज के दिन किसी के घर में चूल्हा नहीं जला। गुरुजी के समधी शशिभूषण बताते हैं कि उन्होंने मुझ गरीब समधी बनने से पहले और बाद में सदैव स्नेह प्यार दिया। हर दु:ख सुख की खबर मिलने पर घर आते थे। साल 2008 में उन्होंने ने अपने छोटे बेटे दुमका के विधायक बसंत सोरेन का विवाह मेरी बेटी हेमलता के साथ खुशी खुशी करवाया। समधन रूपी सोरेन हेमलता को बेटी के समान मानती हैं। सीएम हेमंत सोरेन उनकी पत्नी कल्पना सोरेन दामाद बसंत का घर आना जाना लगा रहता है। उन्होंने बताया कि हम परिवार , गांव के साथ साथ पूरा झारखंड उन्हें याद करते दुखी और मायूस है। राज्य से लेकर भारत सरकार में मंत्री रहे गुरुजी का शव मंगलवार को आएगा और पुस्तैनी घर गांव रामगढ जिला के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ उनका दाहसंस्कार किया जाएगा।

शिबू सोरेन के निधन पर विधायक नीरा यादव ने जताया शोक

कोडरमा : झामुमो संस्थापक और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव ने गहरा शोक जताया है। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन और जल, जंगल, जमीन के लिए वे संघर्षरत रहे। उन्होंने आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित होकर कार्य किया। साथ ही राज्य की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण योगदान स्मरणीय है। उनके निधन से पूरे झारखंड के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गयी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभागार में झारखंड प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री एवं आदिवासी समाज के सर्वमान्य नेता शिबू सोरेन जी के निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर चेंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी, महामंत्री राजकुमार जायसवाल सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने दिशोम गुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। चेंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि शिबू सोरेन न केवल झारखंड बल्कि उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, असम सहित समस्त भारतवर्ष के आदिवासी समुदाय के नेता के रूप में स्थापित थे। उन्हें दिशोम गुरु के रूप में आदिवासी समाज भगवान का दर्जा देता था। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने अपने वक्तव्य में कहा, शिबू सोरेन झारखंड राज्य के सर्वोच्च नेता थे। उन्होंने राज्य के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई और शोषित-दलित वर्ग के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके नेतृत्व में चले जन आंदोलनों ने झारखंड राज्य के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। उनका निधन पूरे राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है। सभा में सिद्धार्थ पारीख, कुमार अमरदीप, राजकुमार प्रिय, संजय अग्रवाल, राजेश पोद्दार, सुभाष चौरडिया, राजीव कुमार, विनय सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। सभी ने दिशोम गुरु के योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

कोडरमा कोर्ट का फैसला: जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को 10 साल की सजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : एसटी 93/ 2022, जान मारने की नीयत से गोली मारकर गंभीर रूप से घायल करने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने सोमवार को आरोपी सुरेश साव , 50 वर्ष, पिता स्वर्गीय महादेव साव, गाडगी, जयनगर, जिला कोडरमा, निवासी को 307 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए न्यायालय ने 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। मामला 18.9.2021 का करीब 10:30 बजे का है। जब लोचन सब अपने दुकान में बैठे थे। इसी दौरान सुरेश साव एवं चार-पांच अन्य लोगों के साथ वहां पहुंचा और उनके मुंह में जान मारने की नीयत से गोली मार दिया। इसे लेकर घायल लोचन साव के पुत्र लक्ष्मण साव ने जयनगर थाना में मामला दर्ज कराया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक शिव शंकर राम ने किया। इस दौरान सभी 9 गवाहों का परीक्षण कराया गया । कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता मुकेश यादव ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्षयो का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्त को 307 आईपीसी के तहत दोषी पाया और सजा मुकर्रर की और जुमार्ना लगाया।

शिवालय मे उमड़ी श्रदालुओं की भीड़, बोल बम की जयकारा से गूंज उठा मंदिर परिसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : प्रखंड अंतर्गत पौराणिक चेचका धाम में सावन माह की तीसरी सोमवार पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा. कुम्हरी, डुमरदा सहित आसपास के दर्जनों गांवों से सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे श्रद्धालु चेचका धाम पहुंचे. श्रद्धालुओं ने दामोदर नदी में आस्था की डुबकी लगायी और कांवड़ व लोटे में जल भरकर बोल बम के जयकारों के साथ बाबा के दरबार में जलार्पण किया। मंदिर के पुजारी विजय उपाध्याय,सदानंद उपाध्याय, किशोर उपाध्याय, दिलीप पाठक, सुधीर पाठक, अंकिम सरखेल, मनातु सरखेल, विजय उपाध्याय उर्फ बुलबुल, नारायण तिवारी, सनातन गोस्वामी, विष्णु गोस्वामी, कीर्ति चंद्र उपाध्याय, जेपी उपाध्याय, सुशील तिवारी, मृत्युंजय तिवारी और उज्ज्वल तिवारी सहित कई अन्य ने श्रद्धालुओं को संकल्प कराकर पूजा-अर्चना करवायी. मंदिर परिसर में प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया. इधर तलगडिया सिलफोड़ धाम, बाटबिनोर बुढा बाबा, शिव मंदिर, शिव मंदिर अलुवा मांचाटांड, शिवालय बुढिबिनोर, महादेव मंदिर टुधरी, शिव मंदिर अलकुशा, बोदरो, जमगडिया आदि मंदिरों में भी काफी महिला पुरुष व युवक युवती श्रदालु की भीड़ जुटी। पुजारी पंडित भोला नाथ पांडेय काजल पाठक, संतोष उपाध्याय, डाल दुबे, तपन दुवे ने श्रदालुओं को पुजा अर्चना कराया।

जबरदस्ती जमीन पर कब्जा करने एवं जान से मारने के विरुद्ध पीड़ित गया न्यायालय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में बोरियो के मेस पहाड़िया पिता स्वर्गीय गंगू पहाड़िया साकिन गिद्ध कॉल पंचायत बिशनपुर पोस्ट छोटा भवनगामा थाना बोरियो जिला साहिबगंज झारखंड का निवासी है मौज गिद्ध कॉल में हमारा पैतृक जमीन है जिसका जमाबंदी नंबर 9 एवं रकवा 125 बीघा है। हमलोग अपने जमीन पर उपज कर खाते हैं किंतु गंगू पहाड़िया पिता चमरा पहाड़िया मेइसा पहाड़ियां पिता बंगारू पहाड़िया व सूरज पहाड़िया पिता चंद्रा पहाड़िया, चंद्र पहाड़िया पिता बंगारू पहाड़िया, धर्म पहाड़िया पिता चंदू पहाड़िया, चमरा पहाड़िया पिता सूरज पहाड़िया, अरुण पहाड़िया पिता सूरज पहाड़िया, सिलास पहाड़िया पिता चंदू पहाड़िया 8 10 लोग सभी साकिन ग्राम देव गोडा पंचायत बिशनपुर थाना बोरियो जिला साहिबगंज के रहने वाले लोग यह सब मिलकर मेरे जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करना चाहते हैं एवं जान से मार कर फेंक देने की धमकी देते हैं। कुछ सप्ताह से लगातार दूसरे गांव से आकर मेरे गांव एवं जमीन पर कब्जा कर लिया है, बोलने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है और मेरे एवं मेरे परिवार के साथ मारपीट भी किया है, मुझे डर है कि वे सभी मिलकर मेरे पूरे परिवार को जान से मार कर फेंक देंगे इस लिए हम आज न्यायालय आए हुए हैं। इसके बाद हमलोग साहिबगंज पुलिस अधीक्षक के पास भी आवेदन देंगे हम लोगों को डर है की कहीं हमारे परिवार के साथ कोई अनहोनी ना हो जाए। वही महिष पहाड़िया ने बताया कि पूर्व में हमारे मां एवं पिताजी को साजिश के तहत मार दिया गया है और जमीन का कागज एवं खतियान को मेरे फूफा के द्वारा हड़प लिया गया है। मेरे फूफा वह गलत सलत काम करके प्रधान बन गए हैं और उन्हीं के द्वारा हमें डराया और धमकाया जा रहा है और गांव छोड़कर जाने की बात कह रहे हैं।

राज्य के निमार्ता व दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरे झारखंड वासी मर्माहत है : पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान ने गहरा शोक प्रकट के साथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड राज्य को अलग करने में अग्रणी भूमिका निभाया है। यह झारखंड राज्य हम लोगों को ऐसे ही नहीं मिला है इसके लिए दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने दिन-रात संघर्ष किया है जो कभी भी भूलाया नहीं जा सकता है। वह राज्य में तीन बार मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी सेवा दे चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज पूरा झारखंड शिबू सोरेन के निधन के खबर से झारखंड वासी मर्माहत है इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पिछले कई महीनो से वह बीमार चल रहे थे उनका इलाज दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में हो रहा था बीच में उनकी स्थिति स्थिर थी पर इधर कुछ दिनों से उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी आज उन्होंने अंतिम सांस ली। मौके पर 20 सूत्री जिला उपाध्यक्ष लीलावती मेहता, पूर्व जिला अध्यक्ष निर्मल कुमार ओझा, वरीय कांग्रेसी नेता राजेंद्र जयसवाल, वरीय जिला उपाध्यक्ष राम लखन पासवान,जिला उपाध्यक्ष चंद्रभूषण साहू, वरीय कांग्रेस नेता नागेश्वर राम पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज सहाय पिंकू, डोमचांच प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप सिंह, सतगामा प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह,मरकच्चो प्रखंड अध्यक्ष केदार राणा, जयनगर प्रखंड अध्यक्ष मिशवा उद्दिन, चंदवारा प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद बरनवाल, झुमरी तिलिया नगर अध्यक्ष प्रभात राम, कोडरमा प्रखंड अध्यक्ष सरवन सिंह, कोडरमा नगर पंचायत अध्यक्ष राजू सिंह, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष मरकच्चो सह जिला उपाध्यक्ष रवि शंकर सिंह उर्फ रिंकू, नवनीत ओझा, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दशरथ पासवान, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष फैयाज अबू कैसर ,काजल कुमारी, इत्यादि सैकड़ो कांग्रेस जनों ने शोक संवेदना प्रकट किया।

अंतिम सोमवारी को श्री उत्तर वाहिनी शिव मंदिर सतडीहा के नेतृत्व में भव्य कांवर पद यात्रा निकाली गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : सावन के अंतिम सोमवारी को श्री उत्तर वाहिनी शिव मंदिर सतडीहा के नेतृत्व में भव्य कांवर पद यात्रा निकाली गई। कांवर पदयात्रा में सतडीहा योगियाटील्हा,नौवाडीह, सरमाटांड लतवैधवा विभिन्न क्षेत्रों प्रतिनिधियों समाजसेवी सहित 5 हजार महिला एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। कांवर पद यात्रा का शुभारंभ उत्तर वाहिनी शिव मंदिर प्रांगण पंडित अक्षय कुमार पांडेय वाराणसी ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ निकाली गई । वहीं पदयात्रा के दौरान आकर्षक शिव- पार्वती सहित कई भगवान की जिवंत झांकी तथा गाजे-बाजे व जत्था के साथ श्रद्धालुओं ने श्री उत्तर वाहिनी शिव मंदिर से 10 किलोमीटर पैदल चलकर सतडीहाहा,योगियाटील्हा सहित कई गांवों का भ्रमण करते हुए पुनः उत्तरवाहिनी बराकर घाट पहुंचे और वहां से जल उठाकर शिव मंदिर में जलाभिषेक किया गया। पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्री राम, हर-हर महादेव, बोल बम आदि की जयकारे के साथ झूमते हुए नजर आए। वहीं पदयात्रा के दौरान विभिन्न जगहों पर कई जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवी द्वारा शरबत पानी फल की व्यवस्था किया गया था। श्री उत्तर वाहिनी शिव मंदिर में जलाभिषेक के बाद समिति की ओर से भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारा में 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद के रूप में खिचड़ी व खीर को ग्रहण किया। समिति अध्यक्ष महेश यादव तथा सचिव सत्यम पंडित ने बताया कि कांवर पद यात्रा व जलाभिषेक में लगभग 5000 श्रद्धालुओं ने उत्तर वाहिनी शिव मंदिर में जल अभिषेक किया। वहीं समिति की ओर से भव्य भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें जयनगर चलकुशा, बरकट्ठा प्रखंड के सैकड़ो गांव के श्रद्धालुओं ने भंडारा में शामिल होकर महाप्रसाद का ग्रहण किया गया भंडारा दोपहर 1:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक चलाया गया।उन्होंने बताया कि जिन श्रद्धालु चौथे सोमवारी का व्रत किये थे उनके लिए खीर की व्यवस्था किया गया था।वहीं जो श्रद्धालुओं व्रत में नहीं थे उनके लिए खिचड़ी की व्यवस्था किया गया था । भंडारा में शामिल सभी श्रद्धालु के बैठक पूरी तरह से खिलाया गया। उन्होंने बताया कि वही सावन की पूर्णिमा के दिन भी यहां भव्य मेले के अलावा भंडारा किया जाएगा। वही सावन पूर्णिमा को मौके पर मंदिर परगना में भक्ति जागरण कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। मौके पर डॉ रामकृष्ण यादव, देवनारायण यादव,मंटू पंडित, किशोर यादव, बालमुकुंद गोप, प्रेम यादव, उमेश यादव, अजय यादव, प्रमोद यादव सहित दर्जनों लोग मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर सावन के अंतिम सोमवारी के मौके पर पेठियाबागी,पहरीडीह में भी कांवर पर यात्रा निकाला गया। पद यात्रा का शुभारंभ पेठियाबागी स्थित प्रयाग धाम से किया गया। पदयात्रा का उद्घाटन समिति के राकेश कुमार शंकर रजक ने किया।

संक्षिप्त खबरें

वन विहार से कार्यकर्ताओं में उत्साह का सृजन : साध्वी झा

बोकारो : संकल्प सृजन, बोकारो की महिला कार्यकताओं की ओर से एक दिवसीय वन विहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हेतु भोजूडीह स्थित भैरवधाम का चयन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से महासचिव साध्वी झा की उपस्थिति रही। सर्वप्रथम दामोदर नदी की पूजा अर्चना के बाद भैरवधाम परिसर में गुप्तगंगा व भैरव कुंड तथा मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। परिसर भ्रमण एवं संबंधित कथा श्रवण के साथ ज्ञानार्जन कराते हुए स्थानीय पुजारी ने महाभारत काल से इस स्थान का संबंध बताया। संस्था की महिला कार्यकर्ता द्वारा आस पास की बस्ती में सर्वेक्षण करते हुए बालिका व महिला शिक्षा की स्थिति का आकलन किया गया। सामुहिक बैठक में 82 सदस्यीय टोली के साथ स्थानीय बंधु-भगिनी भी उपस्थित हुए। साध्वी झा ने संस्था के क्रियाकलापों से सभी को अवगत कराते हुए सामाजिक कार्य हेतु प्रेरित किया। बैठक संबोधन के क्रम में वन विहार कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन कार्यकताओं के अंदर उत्साह का सृजन करता है। एक तरह से यह रिचार्ज कूपन है। कार्यक्रम पश्चात सामुहिक भोज का आनंद उठाया गया। 82 सदस्यीय महिलाओं की टोली ने पुल लंच की तरह भोजन की व्यवस्था अपने अपने घर लेकर गए थे। कार्यक्रम के अंत में सभी बहनों को हरी चुड़ी, मेंहदी एवं अन्य सुहाग प्रतीक चिह्न भेंट किया गया।

खैराचातर मंदिर के शिवलिंग में कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

कसमार : प्रखंड के खैराचातर पंचायत सोमवार को ग्रामीण कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस संबंध में पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने बताया कि खैराचातर के विद्याहा नदी से शिव मंदिर तक भक्तों द्वारा कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया । जिसमें भरी संख्या में महिला एवं पुरुष ने शिवलिंग में जलार्पण किया गया। उन्होंने बताया कि शिव मंदिर का नवनिर्माण का कार्य चल रहा है। ग्रामीणों के सहयोग से बहुत अच्छे और बहुत भक्तिमय वातावरण में कार्यक्रम को सफल बनाया गया। इस दौरान श्रीकेश जायसवाल, विनय, दे, अमितेज जायसवाल, मनीष गौतम आदि उपस्थित थे।

एमजीएम स्कूल में सीबीएसई इस्ट जोन फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्शन

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में चल रहे सीबीएसई इस्ट जोन बालिका फुटबाल टूनार्मेंट के दूसरे दिन विभिन्न विद्यालयों की टीम की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने प्रतिद्वंदी टीम को पराजित करने के लिए बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया। अंडर 14 बालिका वर्ग में विद्या ज्ञान स्कूल सीतापुर की टीम ने आर्मी पब्लिक स्कूल की टीम को एकतरफा मुकाबले में आठ-शून्य गोल से पराजित कर दिया। वहीं श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल की टीम ने त्रिभुवन स्कूल पटना को एक-शून्य गोल से हरा दिया। अंडर 17 बालिका वर्ग के मैच में संत पाल पब्लिक स्कूल सलेमपुर ने एमजीएम स्कूल बोकारो को नौ-शून्य गोल से हराया। अंडर 19 बालिका वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल लखनऊ की टीम ने दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो को दस-शून्य गोल से पराजित किया। वहीं आर्मी पब्लिक स्कूल लखनऊ की टीम ने सेंट जान्स स्कूल रांची को तीन-शून्य गोल से हरा दिया। स्कूल के प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि टूनार्मेंट के दौरान 23 मैच खेले जाएंगे। दूसरे दिन 14 मैच खेले जा चुके हैं। खिलाड़ियों के लिए आवासन व भोजन की व्यवस्था की गई है। इनकी सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। मैच का संचालन रेफरी रणा विजय ओझा, संजय मोदी, निर्मल मांझी, बीएन देव, विनोद बोदरा, मुरलीधर महतो, मनोज कुमार महतो, पुष्पा मुंडा, गायत्री महतो ने किया। मौके पर सीबीएसई के आब्जर्बर अनिल कुमार सिंह, उप प्रधानाध्यापक राखी बनर्जी, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी, शारीरिक शिक्षा शिक्षक राजेश्वर सिंह, मीनाक्षी कुमारी, राजीव सिंह, वंदना शर्मा, सौरभ कुमार, मोहसिन के अलावा शिक्षक, शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित थे।

ईएसएल स्टील लिमिटेड ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर व्यक्त किया गहरा शोक

बोकारो : ईएसएल स्टील लिमिटेड की ओर से शोक संदेश हम शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। वह एक प्रखर जननेता, जनजातीय अधिकारों के प्रबल पक्षधर और झारखंड राज्य के गठन के पीछे एक प्रेरणादायी शक्ति थे। सामाजिक न्याय, आदिवासी उत्थान और वंचित समुदायों के सशक्तिकरण के लिए उनका जीवन भर का संघर्ष राज्य के इतिहास में अमिट छाप छोड़ गया है। श्री सोरेन जी के दूरदर्शी नेतृत्व ने पीढ़ियों को आवाज दी और झारखंड की पहचान को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईएसएल स्टील लिमिटेड की ओर से, हम उनके परिवारजनों, अनुयायियों और उन सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जो उनके जीवन से प्रेरणा लेते रहे हैं। ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें।

शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड के दिग्गज नेताओं ने जताया शोक

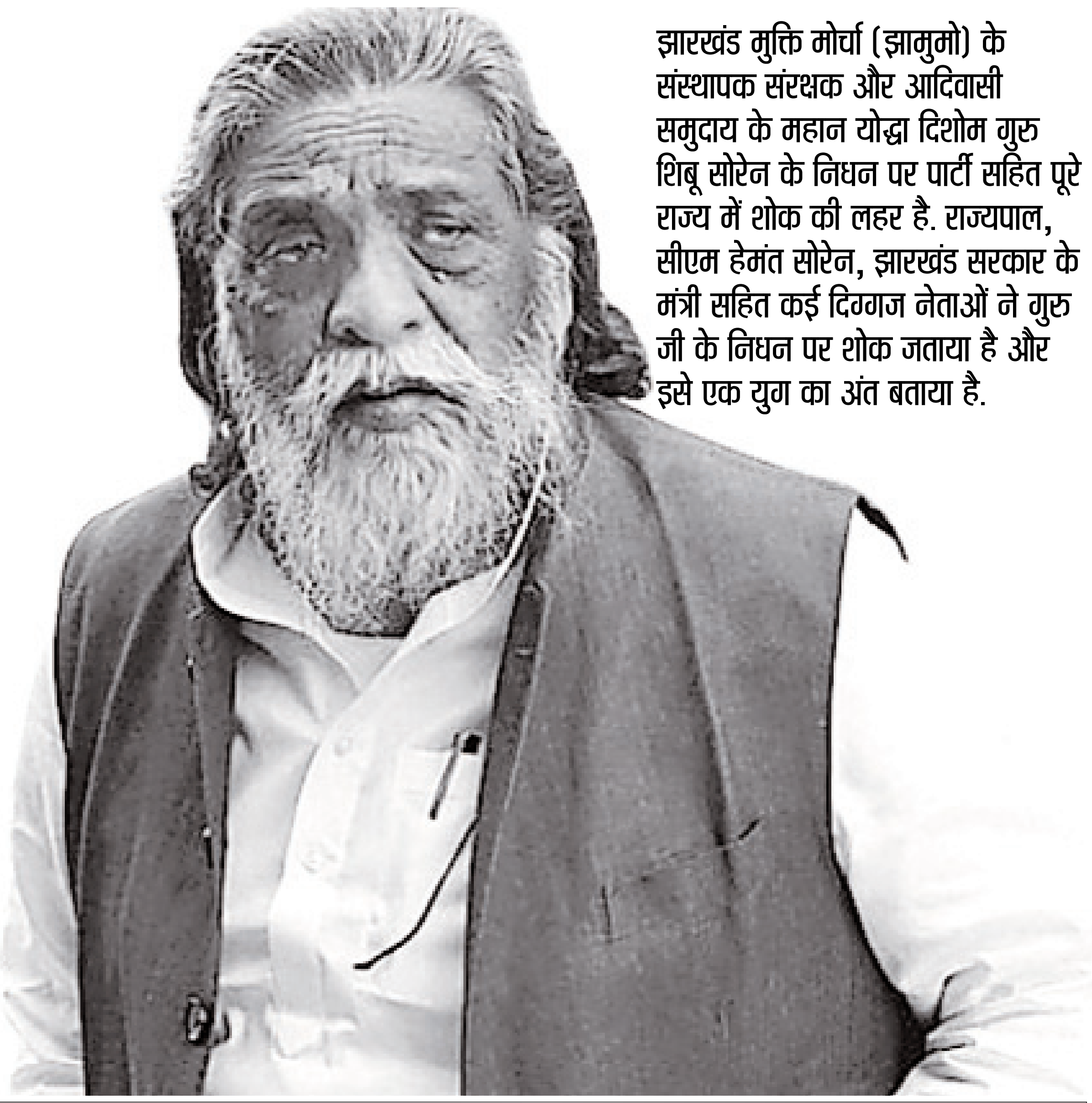

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक और आदिवासी समुदाय के महान योद्धा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पार्टी सहित पूरे राज्य में शोक की लहर है. राज्यपाल, सीएम हेमंत सोरेन, झारखंड सरकार के मंत्री सहित कई दिग्गज नेताओं ने गुरु जी के निधन पर शोक जताया है और इसे एक युग का अंत बताया है.

झारखंड का सूरज सुबह उगने से पहले ही हमेशा के लिए अस्त हो गया : डॉ इरफान

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड के निमार्ता, आदिवासी समाज के पुरोधा और गरीबों के मसीहा श्रद्धेय गुरुजी अब हमारे बीच नहीं रहे। झारखंड का सूरज सोमवार की सुबह उगने से पहले ही हमेशा के लिए अस्त हो गया। गुरुजी ने न सिर्फ झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाया, बल्कि आदिवासी समाज को अंधकार से निकालकर अधिकार और आत्मसम्मान के उजाले की ओर अग्रसर किया। वे हमारे लिए पिता तुल्य थे। उनका यूं अचानक चले जाना, न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति : रघुवर दास

पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा कि झारखंड आंदोलन के अगुआ, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से मर्माहत हूं, स्तब्ध हूं। उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। वह मेरे पितातुल्य रहे हैं। सदैव उनका सानिध्य मुझे मिला। उनके मार्गदर्शन में मुझे उपमुख्यमंत्री के पद पर रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मरांग बूरू पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। मेरे जैसे उनके लाखों प्रशंसकों, उनके समर्थकों, उनके परिजनों को यह पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।

शिबू सोरेन सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि एक आंदोलन है : दीपिका

झारखंड की मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि पूरे राज्य में शोक व्याप्त हो गया है। 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि एक आंदोलन हैं। उनकी विरासत हमारे विचारों और हमारे काम के जरिए हमेशा जिंदा रहेगी। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। आप उनके नाम के बिना झारखंड की कल्पना भी नहीं कर सकते। लेकिन हम समझ सकते हैं कि एक पिता को खोने का क्या मतलब होता है।

आपके साथ बिताये पल याद आ रहे हैं : चम्पाई सोरेन

पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन की दुखद सूचना से शोकाकुल हूं। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। यह एक युग का अंत है। झारखंड आंदोलन के दौरान पहाड़ों, जंगलों एवं सुदूरवर्ती गांवों से लेकर विधानसभा तक, आपके साथ बिताये पल याद आ रहे हैं। चम्पाई ने आगे लिखा कि महाजनी प्रथा एवं नशे के खिलाफ आदिवासियों, मूलवासियों तथा शोषित-पीड़ित जनता के संघर्ष को जिस प्रकार आपने दिशा दी, उसे आने वाली पीढ़ियां सदैव याद रखेंगी। आप हमेशा हमारे दिल में रहेंगे। आपके आदर्श एवं विचार सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। झारखंड की आम जनता के हितों को लेकर जो संघर्ष आपने शुरू किया था, वह जीवनपर्यंत जारी रहेगा।

महाधिवक्ता ने शिबू सोरेन के निधन पर जताया शोक

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम के अध्यक्ष शिबू सोरेन के निधन पर राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। महाधिवक्ता ने गुरूजी के निधन को राज्य और देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन के संघर्ष की वजह से झारखंड अलग राज्य बना और उनके निधन से झारखंड ने एक मार्गदर्शक खो दिया। महाधिवक्ता ने शिबू सोरेन की आत्मा की शांति की कामना करते हुए कहा कि गुरूजी की कमी हमेशा खलेगी। एक स्वर्णीम युग का अंत हो गया।

दिशोम गुरु का जाना अपूरणीय क्षति : सुप्रियो भट्टाचार्य

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने एक शोक संदेश जारी कर इसे पार्टी, झारखंड राज्य एवं देश के आदिवासी-मूलवासी, शोषित-दलित, मजदूर-किसान, महिला एवं जनसमुदाय के लिए हिमालय के स्खलन समान क्षति बताया है। भट्टाचार्य ने कहा कि आदरणीय गुरुजी ने अपने जीवन में सदैव धारा के विपरीत जाकर संघर्ष किया और कभी पराजित नहीं हुए। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर दबे-कुचले समाज ने अपनी पहचान, सम्मान और अधिकार प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने हमेशा अज्ञानता के विरुद्ध शिक्षा, शोषण के विरुद्ध संघर्ष और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का मार्ग दिखाया। आज भले ही वह शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी विचारधारा और शिक्षाएं पार्टी के हर सदस्य को कठिन परिस्थितियों में भी हार न मानने की प्रेरणा देती रहेंगी। झामुमो ने दिवंगत दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि देते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भावुक हुई बहू सीता सोरेन बोलीं- बाबा हमारे घर के मुखिया नहीं, जीवन के प्रकाश थे

झारखंड आंदोलन के प्रणेता और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। वहीं, शोकाकुल परिवार से उनकी बहू और भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि शिबू सोरेन केवल एक राजनीतिक हस्ती नहीं, बल्कि परिवार के लिए जीवनदायी शक्ति थे। सीता सोरेन ने कहा, बाबा सिर्फ हमारे घर के मुखिया नहीं थेङ्ग वे हमारे जीवन के प्रकाश थे। हमारे अपने, हमारे मार्गदर्शक, और हमारे सबसे बड़े सहारे। आज जब वो हमारे बीच नहीं हैं, तो ऐसा लग रहा है जैसे एक पूरा युग समाप्त हो गया हो। उनके बिना ये घर वैसा नहीं रहेगा- उनकी हँसी, उनका स्नेह, उनकी डांट तक, सब कुछ अब यादों में रह गया है। उन्होंने कहा कि झारखंड ने जहां एक महान सपूत को खोया है, वहीं हमने अपना गुरू, पिता और जीवनदाता खो दिया है। बाबा ने हमें जो मूल्य सिखाए, जो परंपराएं स्थापित कीं और जो सम्मान कमाया, हम उसे संजोकर रखेंगे। उनकी विरासत को आगे ले जाना अब हमारा धर्म है, सीता ने कहा। अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, आपकी बड़ी बहू होने के नाते मेरा सिर गर्व से ऊँचा है, लेकिन दिल आज टूट गया है। आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे, बाबा। आपकी यादें, आपकी बातें, आपकी छाया- कभी मिट नहीं सकती। अंत में उन्होंने कहा, ₹आपका आशीर्वाद हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है। हम आपको कभी अलविदा नहीं कह सकते- शिबू सोरेन के निधन से झारखंड की राजनीति और समाज में एक खालीपन पैदा हो गया है जिसे भर पाना मुश्किल होगा।

झारखंड की राजनीति और आदिवासी अधिकारों की लड़ाई का एक बड़ा चेहरा रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में अंतिम सांस ली। 81 वर्षीय शिबू सोरेन ने न सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा (खटट) की नींव रखी, बल्कि राज्य के गठन से लेकर तीन बार मुख्यमंत्री बनने तक का ऐतिहासिक सफर तय किया। आदिवासी समाज की आवाज को राष्ट्रीय पटल तक पहुंचाने वाले इस संघर्षशील नेता की जिंदगी कई अहम पड़ावों से गुजरी, जिसने झारखंड की राजनीति को नई दिशा दी। शिबू सोरेन का जन्म एकीकृत बिहार (वर्तमान झारखंड) के हजारीबाग जिले के नेमरा गांव (अब रामगढ़ जिला) में एक साधारण आदिवासी परिवार में हुआ था। उनके दादा चरण मांझी तत्कालीन रामगढ़ राजा कामाख्या नारायण सिंह के टैक्स तहसीलदार थे, जिसके कारण उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत अच्छी थी। शिबू सोरेन के पिता सोबरन सोरेन एक सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्ति थे, जो अपने समुदाय के लिए कार्य करते थे।

संघर्षशील और जुझारू शख्सियत थे शिबू सोरेन

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का निधन नई दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। गुरूजी ने 81 वर्ष की आयु में अंतिम सांसें ली। झारखंड के मुख्यमंत्री और शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरन ने सोमवार को उनकी मृत्यु की जानकारी दी।

देशभर में 'दिशोम गुरु' और 'गुरुजी' के नाम से पहचान बनाने वाले शिबू सोरेन एक संघर्षशील और जुझारू सख्शियत थे। शिबू सोरेन का जन्म रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में एकीकृत बिहार में 11 जनवरी 1944 को हुआ था। वे संथाल जनजाति से थे। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा रामगढ़ जिले में पूरी की। स्कूली शिक्षा के दौरान उनके पिता की हत्या साहूकारों द्वारा करवा दी गयी थी।

शिबू सोरेन की पत्नी का नाम रूपी सोरेन है। उनके तीन पुत्र दुर्गा सोरेन, हेमन्त सोरेन और बसंत सोरेन और एक पुत्री अंजलि सोरेन हैं। उनके मंझले पुत्र हेमन्त सोरेन वर्तमान में झारखंड के मुख्यमंत्री हैं। गुरूजी के बड़े बेटे दुर्गा सोरेन वर्ष 1995 से 2005 तक जामा विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। दिवंगत दुर्गा सोरेन की पत्नी सीता सोरेन भी जामा से पूर्व विधायक हैं, जो अब भारतीय जनता पार्टी में हैं।

शिबू सोरेन ने 18 वर्ष की आयु में संथाल नवयुवक संघ का गठन किया। वर्ष 1972 में बंगाली मार्क्सिस्ट ट्रेड यूनियन के नेता ए.के. रॉय, कुर्मी-महतो नेता बिनोद बिहारी महतो और संथाल नेता शिबू सोरेन ने मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)का गठन किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा का महासचिव शिबू सोरेन को बनाया गया। झामुमो ने अलग-थलग कर दी गई आदिवासी जमीन को पुनः प्राप्त करने के लिए आंदोलन किया। गुरूजी ने जमीनों पर बोई गयी फसलों की जबरन कटाई शुरू कर दी।

शिबू सोरेन जमींदारों और साहूकारों के खिलाफ संक्षिप्त न्याय देने के लिए जाने जाते थे। कभी-कभी वे स्वयं की अदालतें लगाकर फैसले देते थे। 23 जनवरी 1975 को उन्होंने कथित तौर पर बाहरी और गैर-आदिवासी लोगों को भगाने के लिए एक अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 11 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद शिबू सोरेन सहित अन्य आंदोलनकारियों पर विभिन्न अपराधों का आरोप लगाया गया। शिबू सोरेन तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। पहली बार वर्ष 2005 में 10 दिनों के लिए (दो मार्च से 12 मार्च तक), फिर वर्ष 2008 से 2009 तक और फिर उसके बाद वर्ष 2009 से 2010 तक उन्होंने मुख्यमंत्री का पद संभाला।

वे लगातार चार दशक से भी ज्यादा समय तक झामुमो के अध्यक्ष रहे। इस वर्ष यानी 2025 में खेलगांव में हुए झामुमो के 13वें महाधिवेशन में उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद अपने पुत्र हेमन्त सोरेन को दे दिया और पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष बन गए।

शिबू सोरेन ने वर्ष 1980 से 1984, वर्ष 1989 से 1998 और फिर वर्ष 2002 से 2019 तक दुमका लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने तीन बार वर्ष 2004 में, 2004 से 2005 तक और 2006 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोयला मंत्री के रूप में भी कार्य किया। हालांकि, उन्हें अपने निजी सचिव शशि नाथ झा की वर्ष 1994 में हुई हत्या में शामिल होने के आरोप के बाद दिल्ली की एक जिला अदालत ने दोषी ठहराया।

गुरूजी वर्ष 1977 में अपना पहला लोकसभा चुनाव हार गए थे। वे पहली बार वर्ष 1980 में दुमका से लोकसभा के लिए चुने गए। इसके बाद वे वर्ष 1989, 1991 और 1996 में भी लोकसभा के लिए चुने गए। वर्ष 2002 में वे राज्यसभा के लिए चुने गए। उन्होंने उसी साल दुमका लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत हासिल की और राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। वे वर्ष 2004 में फिर से लोकसभा सदस्य के रूप में चुने गए।

शिबू सोरेन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में केंद्रीय कोयला मंत्री बने, लेकिन तीस साल पुराने चिरुडीह मामले में उनके नाम पर गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया। वे 69 आरोपियों में से एक मुख्य आरोपी थे, जिन पर 23 जनवरी 1975 को आदिवासियों और मुसलमानों के बीच झड़प में 10 लोगों (9 मुस्लिम समुदाय के लोगों सहित) की हत्या का आरोप था।

वारंट जारी होने के बाद गुरूजी शुरू में भूमिगत हो गए। उन्होंने 24 जुलाई 2004 को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। एक महीने से अधिक समय न्यायिक हिरासत में बिताने के बाद उन्हें जमानत मिली और आठ सितंबर को जमानत पर रिहा होने के बाद, उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में फिर से शामिल किया गया और 27 नवंबर 2004 को कोयला मंत्रालय वापस दे दिया गया।

झारखंड में फरवरी-मार्च-2005 में विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस-झामुमो गठबंधन के हिस्से के तौर पर दो मार्च 2005 को उन्हें झारखंड के राज्यपाल की ओर से सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया। लेकिन गुरूजी विधानसभा में विश्वास मत प्राप्त करने में विफल रहे और उन्होंने महज नौ दिनों तक मुख्यमंत्री रहने के बाद 11 मार्च को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

28 नवंबर 2006 को शिबू सोरेन को उनके पूर्व निजी सचिव शशि नाथ झा के अपहरण और हत्या से जुड़े 12 साल पुराने मामले में दोषी पाया गया। यह दावा किया गया था कि शशि नाथ झा को 22 मई 1994 को दिल्ली के धौलाकुआं इलाके से अगवा किया गया था और रांची के पास पिस्का नगडी ले जाकर उनकी हत्या कर दी गई थी।

सीबीआई के आरोपपत्र में कहा गया कि जुलाई 1993 के अविश्वास प्रस्ताव के दौरान पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार को बचाने के लिए कांग्रेस और झामुमो के बीच कथित सौदे के बारे में झा को जानकारी थी। आरोपपत्र में यह भी दावा किया गया था कि झा को अवैध लेन-देन के बारे में पता था और उन्होंने शिबू सोरेन से इस राशि में से एक बड़ा हिस्सा मांगा था।

अदालती फैसले के बाद शिबू सोरेन को केंद्रीय कोयला मंत्री के पद से इस्तीफा इस्तीफा देना पड़ा। यह भारत सरकार के किसी केंद्रीय मंत्री द्वारा हत्या में संलिप्तता का दोषी पाए जाने का पहला मामला है।

पांच दिसंबर 2006 को शिबू सोरेन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। दिल्ली की एक अदालत ने उनकी जमानत याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि हम इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि अपीलकर्ता (शिबू सोरेन) को नवंबर 2006 में ही विस्तृत सुनवाई के बाद दोषी ठहराया गया और दिसंबर 2006 में सजा सुनाई गई। पीठ ने यह भी कहा था कि झारखंड में सामूहिक हत्या के मामले सहित कई अन्य मामलों में भी उन पर मुकदमा चल रहा है। 25 जून 2007 को शिबू सोरेन को झारखंड के दुमका स्थित जेल ले जाया जा रहा था, तभी उनके काफिले पर बम से हमला हुआ, लेकिन उसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

हालांकि, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 23 अगस्त 2007 को जिला न्यायालय के फैसले को खारिज कर दिया और शिबू सोरेन को यह कहते हुए बरी कर दिया कि ट्रायल कोर्ट का विश्लेषण विश्वसनीय और टिकाऊ नहीं है। तीस हजारी कोर्ट की ओर से दोषी ठहराए गए पांच लोगों को मुख्य रूप से झारखंड में मिले शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, खोपड़ी के सुपरइम्पोजिशन टेस्ट और खोपड़ी की चोट की रिपोर्ट और दिए गए फोरेंसिक साक्ष्य के आधार पर आपराधिक साजिश, अपहरण और हत्या का दोषी ठहराया गया था। यह चश्मदीद गवाहों के बयानों और कुछ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के अतिरिक्त था।

बहरहाल, इन सबके बावजूद शिबू सोरेन ने झारखंड की राजनीति में गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने तीन बार मुख्यमंत्री पद संभाला और आदिवासी समुदाय के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किए। उनका जाना झारखंड की राजनीति में एक युग के अंत जैसा है। शिबू सोरेन एक जटिल लेकिन प्रभावशाली राजनीतिक शख्सियत रहे। उनके योगदान और विवाद दोनों ही आने वाले वर्षों तक झारखंड और भारतीय राजनीति में याद किए जाएंगे।

गुरूजी के निधन से पूरा झारखंड शोकाकुल : कैलाश

रांची : दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर राजद के प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शोक प्रकट करते हुए कहा कि राज्य निर्माण के अगुआ संघर्ष और आंदोलन के जीवंत प्रतीक गुरुजी शिबू सोरेन का निधन होने से पूरा झारखंड शोकाकुल है। उन्होंने गुरुजी के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा कर कहा कि उनका गुरुजी से निजी लगाव रहा। यादव ने कहा कि उनके जन्मदिन पर अक्सर हम बधाई देने जाते थे जब वे 2005 में मुख्यमंत्री थे तो मुझे बुलाकर बात किया करते थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर कोड़ा दंपती ने जताया शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके असामयिक निधन पर झारखंड के प्रमुख नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे राज्य और विशेष रूप से आदिवासी समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शिबू सोरेन का जाना केवल झारखंड की राजनीति के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी क्षति है। उन्होंने अपना पूरा जीवन आदिवासी समाज और गरीबों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। उनकी सरलता, संघर्षशीलता और दूरदर्शिता हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

भाजपा के पश्चिमी सिंहभूम जिला अध्यक्ष संजय पांडे ने भी अपने शोक संदेश में कहा कि शिबू सोरेन का राजनीतिक और सामाजिक योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एक आदर्श था। उनके विचार और सेवा भाव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। मैं दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को संबल देने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

दिशोम गुरु के निधन से पूरे झारखंड को हुई है अपूरणीय क्षति : भाकपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाकपा के राज्य कार्यालय में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य सभा सांसद दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन को लेकर सोमवार को पार्टी के मेन रोड स्थित राज्य कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य पीके पांडे, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ नेता बाबूलाल झा, प्रोफेसर अली अंसारी, इम्तियाज खान, मजदूर नेता लालदेव सिंह सहित अन्यन ने

उन्हेंष भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

मौके पर पार्टी नेताओं ने कहा कि शिबू सोरेन ने भाकपा से ही राजनीति की शुरूआत की थी और और फिर बाद में उन्होंने झामुमो का गठन किया था। पार्टी नेताओं ने कहा कि गुरुजी ने अपने राजनैतिक गुरु मजरूल हसन खान और पूर्व रामगढ़ विधायक के नेतृत्व में झारखंड की महाजनी प्रथा के खिलाफ आंदोलन चलाया था। उनके जाने से झारखंड के अमन पसंद, शोषित, पीड़ित और दलित सभी दुखित हैं।

वहीं इसके पूर्व भाकपा कार्यालय में गुरूजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौक पर पार्टी नेताओं ने कहा कि वे गुरूजी के अधूरे सपने जल, जंगल और जमीन की हिफाजत के लिए पार्टी संघर्ष करेगी।

गुरूजी के निधन पर जिला बार एसोसिएशन ने जताया दु:ख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जिला बार एसोसिएशन ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। बार एसोसिएशन की ओर से सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा गया गुरूजी का पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। वे न केवल झारखंड आंदोलन के प्रणेता रहे, बल्कि आदिवासी, वंचित और शोषित वर्गों की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने वाले सशक्त जननायक थे।

एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि गुरूजी की राजनीतिक दृष्टि, सरल जीवनशैली और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी। झारखंड राज्य की स्थापना और अस्मिता की लड़ाई में उनका योगदान अतुलनीय है। उनके निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है और अधिवक्ता समुदाय भी इस क्षति को गहराई से महसूस कर रहा है।

जिला बार एसोसिएशन के महासचिव संजय कुमार विद्रोही ने कहा कि जिला बार एसोसिएशन और राज्य के अधिवक्ता समुदाय की ओर से हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं तथा शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

एक सतत संघर्ष की कहानी

झारखंड की भूमि पर रामगढ़ जिले के नेमरा गांव के पावन भूमि पर एक संथाली आदिवासी परिवार में 11 जनवरी 1944 को एक दिव्यात्मा पुरुष का अवतरण हुआ जो आगे चलकर दिशोम गुरु के रूप में विख्यात हुआ। आज हम सभी को छोड़कर परमात्मा में विलीन हुए शिबू सोरेन जी आजीवंत संघर्ष का एक इतिहास रच गए जो सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

अपने पिता की हत्या के बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़कर राजनीतिक रूप से सक्रिय संघर्ष की शुरूआत की। 18 वर्ष की आयु में उन्होंने संथाल नवयुवक संघ की स्थापना की और उसे समय की महाजनि कुप्रथा के विरुद्ध उनका संघर्ष प्रभावशाली रूप से चलता रहा। 1972 में उन्होंने स्वर्गीय विनोद बिहारी महतो और ए के राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर झारखंड में भूमि अधिकार और झारखंड स्थापना के लिए संघर्ष प्रारंभ किया।

1975 में चिरुड़ीह मामले में 11 लोगों की हत्या का आरोप लगा परंतु इन सबों से विचलित होकर उन्होंने संघर्ष का रास्ता नहीं छोड़ा और 1977 में लोकसभा का चुनाव लड़ा। हालांकि उन्हें विजय नहीं प्राप्त हुआ परंतु 1980 में दुमका लोकसभा सीट जीतकर पहली बार संसद में कदम रखा और उसके बाद से 1989, 1991, 1996, 2002 और 2004 में भी अपना विजय क्रम जारी रखा। वैसे तो 2002 में वे राज्यसभा के लिए चुने गए परंतु इस वर्ष हुए उपचुनाव में फिर से लोकसभा का सीट जीत लिया और राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया।

2004 की यूपीए सरकार में वह कोयला एवं खनन मंत्री बनने के बाद जब उन पर चिरुड़ीह हत्याकांड का आरोप लगा तो उन्होंने इस्तीफा दिया और बेल होने के बाद फिर से मंत्री पद संभाला और अपना कार्यकाल पूरा किया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में भी तीन बार सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ परंतु गठबंधन की अस्थिरता के दुष्परिणाम स्वरूप उनका कार्यकाल बहुत ही अल्पकालिक रहा। 1975 के चिरुड़ीह कांड और 1994 के निजी सचिव शसीनाथ झा की हत्या के मामले में उन्हें माननीय उच्च न्यायालय ने उन्हें बरी कर दिया।

दिशोम गुरु झारखंड में जन चेतना के प्रतीक और लगातार चार दशकों तक झारखंड मुक्ति मोर्चा के सर्वमान्य नेता के रूप में स्थापित रहे। अस्वस्थ होने के कारण उन्होंने 2025 के अप्रैल में झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया और उनके बाद से निवर्तमान मुख्यमंत्री और उनके सुपुत्र हेमंत सोरेन ने पार्टी की बागडोर संभाली।

आखिरकार 4 अगस्त को झारखंड वासियों के दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी ने किडनी की लंबी बीमारी से संघर्ष करते हुए दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में आखरी सांस लिया और उसी के साथ झारखंड वासियों के लिए एक अपूर्णीय क्षति के साथ ही लंबे संघर्ष के युग के समाप्ति हो गई। आज समस्त झारखंड अपने इस महायोद्धा के महाप्रयाण से शोकसंतप्त है परंतु वे एक युग पुरुष के रूप में सदैव याद किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अनेक नेताओं ने उन्हें आदिवासी अधिकारों का दृढ़ समर्थक एवं जननायक बताया है। झारखंड को अपने इस जननायक पर सदैव गर्व की अनुभूति रहेगी।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के अमर नायक का युगांत

अजय कुमार

झारखंड की धरती का वो सूरज, जिसने आदिवासी समाज को शोषण, सूदखोरी और अन्याय के अंधेरे से निकालकर स्वाभिमान और सम्मान की रोशनी दिखाई, आज सदा के लिए अस्त हो गया। दिशोम गुरु शिबू सोरेन, जिन्हें झारखंड का पथ प्रदर्शक कहा जाता था, ने 4 अगस्त 2025 को सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। 81 वर्ष की आयु में उनके निधन ने न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश को एक ऐसी शख्सियत से वंचित कर दिया, जिसने जंगलों से लेकर संसद तक आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ी। शिबू सोरेन एक नेता से कहीं अधिक थे वे एक क्रांति थे, जिन्होंने महाजनों, जमींदारों और शोषक व्यवस्था के खिलाफ उलगुलान की हुंकार भरी। उनकी मशाल ने लाखों आदिवासियों को नई राह दिखाई, और उनकी डुगडुगी की गूंज आज भी झारखंड की माटी में गूंजती है।

11 जनवरी 1944 को रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में एक साधारण आदिवासी परिवार में जन्मे शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और समर्पण की गाथा है। उनके पिता सोबरन सोरेन एक शिक्षक और गांधीवादी विचारों के व्यक्ति थे, जो उस दौर में महाजनों के आतंक के खिलाफ आवाज उठाते थे। उस समय झारखंड में आदिवासियों को कर्ज के जाल में फंसाकर उनकी जमीनें हड़प ली जाती थीं। मेहनत का फल महाजन छीन लेते थे, और आदिवासी समाज गरीबी और शोषण का शिकार था। 27 नवंबर 1957 को सोबरन सोरेन की हत्या ने शिबू के जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया। पढ़ाई छोड़कर उन्होंने शोषण के खिलाफ बगावत का रास्ता चुना। युवा शिबू ने आदिवासी युवाओं को संगठित करना शुरू किया, और यहीं से दिशोम गुरु की यात्रा शुरू हुई, जिसने झारखंड के इतिहास को नया मोड़ दिया।

1970 के दशक में शिबू सोरेन ने धनकटनी आंदोलन की शुरूआत की, जो झारखंड के आदिवासी आंदोलन का स्वर्णिम अध्याय बन गया। इस आंदोलन में आदिवासी युवा तीर-कमान लेकर खेतों की रखवाली करते, और महिलाएं हंसिया लेकर महाजनों की फसल काट लेती थीं। मांदर की थाप पर मुनादी के साथ यह आंदोलन रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, दुमका, टुंडी, पलमा, तोपचांची और बेरमो जैसे इलाकों में फैल गया। शिबू ने एक नैतिक मयार्दा तय की यह लड़ाई केवल खेतों तक सीमित रहेगी, न महाजनों की महिलाओं को निशाना बनाया जाएगा, न उनकी अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाएगा। इस अनुशासन ने उनके आंदोलन को न केवल मजबूती दी, बल्कि आदिवासियों में आत्मविश्वास और एकता का संचार किया। धनकटनी आंदोलन ने शिबू सोरेन को आदिवासियों का नायक बना दिया, जो शोषण और सूदखोरी से मुक्ति का प्रतीक बन गए।

4 फरवरी 1972 को शिबू सोरेन ने बिनोद बिहारी महतो और कॉमरेड एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की। यह संगठन बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी से प्रेरित था, जिसने 1971 में स्वतंत्रता हासिल की थी। झामुमो का लक्ष्य था झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाना और आदिवासी समाज को सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करना। इस संगठन ने न केवल आदिवासियों को एकजुट किया, बल्कि उनकी आवाज को राष्ट्रीय पटल पर बुलंद किया। शिबू की अगुवाई में झामुमो ने झारखंड आंदोलन को नई दिशा दी, और 2000 में झारखंड के गठन में इसकी ऐतिहासिक भूमिका रही। आज झामुमो झारखंड की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति है, जो शिबू के सपनों को जीवित रखती है।

शिबू सोरेन का जीवन आसान नहीं था। पारसनाथ के घने जंगलों में भटकते हुए, पुलिस की गोलियों से बचते हुए, उन्होंने रातें पेड़ों की छांव में गुजारीं। 1975 में आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी ने उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया। धनबाद के तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर केबी सक्सेना ने उन्हें सरेंडर के लिए राजी किया। 1976 में धनबाद जेल में बंद शिबू ने अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया। एक महिला कैदी के छठ गीत सुनकर वे भावुक हो गए और जेल में छठ पूजा का आयोजन करवाया। कैदियों ने एक समय का भोजन त्यागकर इसका खर्च जुटाया, और महिला ने पारंपरिक आस्था के साथ पूजा की। यह घटना उनकी मानवीयता और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है। एक अन्य घटना में, पलमा के जंगल में रात के समय पुलिस ने उन्हें घेर लिया। डुगडुगी की आवाज पर आदिवासियों का हुजूम इकट्ठा हो गया, और पुलिस को पीछे हटना पड़ा। यह था शिबू सोरेन का जनता के साथ अटूट रिश्ता। उनकी डुगडुगी एक संकेत थी, जो आदिवासियों को एकजुट करने की ताकत रखती थी।

शिबू सोरेन सामाजिक न्याय और महिला सम्मान के प्रति बेहद सजग थे। एक बार दुमका से धनबाद लौटते वक्त, छेड़खानी के एक मामले को सुनकर उन्होंने रास्ते में गाड़ी रुकवाई और गांव में कचहरी लगाकर त्वरित न्याय सुनिश्चित किया। शराब के खिलाफ उनकी सख्ती भी उल्लेखनीय थी। एक बार अपने चाचा के शराब पीने पर वे इतने नाराज हुए कि उन्हें पीटने पर उतारू हो गए। उनकी यह नैतिकता और अनुशासन उन्हें एक अलग पहचान देता था। वे न केवल आदिवासियों के नेता थे, बल्कि सामाजिक मूल्यों के रक्षक भी थे।

शिबू सोरेन का राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा। 1980 में वे पहली बार दुमका से लोकसभा सांसद बने। 1989, 1991 और 1996 में भी वे लोकसभा पहुंचे। 2002 में वे राज्यसभा सांसद बने, और उसी साल दुमका से लोकसभा उपचुनाव जीता। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे 2005 में 10 दिन के लिए, 2008-09 और 2009-10 में। केंद्र में कोयला मंत्री के रूप में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। उनकी राजनीति विवादों से भी घिरी रही, लेकिन आदिवासियों के प्रति उनकी निष्ठा कभी कम नहीं हुई। उनकी विरासत उनके बेटे और वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संभाली है, जिनके नेतृत्व में झामुमो झारखंड की सबसे बड़ी पार्टी बनी।

शिबू सोरेन के निधन की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया। उनके बेटे हेमंत सोरेन ने भावुक होकर कहा, आज मैं शून्य हो गया हूँ। मेरे पिता दिशोम गुरु झारखंड के सपनों का प्रतीक थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा, शिबू सोरेन जी का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका योगदान आदिवासी सशक्तिकरण और झारखंड आंदोलन में हमेशा याद रखा जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया, दिशोम गुरु ने शोषितों की आवाज बुलंद की। उनकी कमी कभी पूरी नहीं होगी। झारखंड के विभिन्न हिस्सों में लोग सड़कों पर उतरे, मांदर की थाप पर शोक गीत गाए गए, और उनके सम्मान में श्रद्धांजलि सभाएँ आयोजित की गईं। सोशल मीडिया पर आम जनता, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उन्हें याद किया। एक यूजर ने लिखा, शिबू सोरेन ने हमें सिखाया कि हिम्मत और एकता से कोई भी जंग जीती जा सकती है।

शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक युग का अंत है। लेकिन उनकी मशाल, जो उन्होंने आदिवासियों के हक के लिए जलाई, कभी नहीं बुझेगी। धनकटनी आंदोलन से लेकर झामुमो के गठन और अलग झारखंड के सपने को साकार करने तक, उनका हर कदम एक प्रेरणा है। उनकी डुगडुगी की गूंज और मांदर की थाप झारखंड की माटी में हमेशा गूंजती रहेगी। उनकी विरासत न केवल हेमंत सोरेन, बल्कि हर उस व्यक्ति में जीवित है, जो अन्याय के खिलाफ लड़ने का साहस रखता है। दिशोम गुरु की सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके सपनों का झारखंड शोषणमुक्त, सशक्त और समृद्ध साकार हो। शिबू सोरेन ने न केवल झारखंड को एक नई पहचान दी, बल्कि लाखों आदिवासियों को जीने का हौसला दिया। उनकी लड़ाई, उनका साहस और उनका समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें!

ग्रेटर बांग्लादेश : भारत के लिए बढ़ता वैचारिक खतरा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जब एक राष्ट्र की सीमाएं उसके पड़ोसी मुल्क की कल्पना में मिटाई जाने लगें और यह कल्पना सिर्फ नक्शों तक सीमित न रहकर उसे व्यवहारिक धरातल पर उतारने के लिए जब शैक्षणिक परिसरों, राजनीतिक मंचों और धार्मिक संस्थानों का उपयोग किया जाने लगे, तब यह केवल एक कल्पना तक सीमित रहनेवाला विषय नहीं रहता, बल्कि एक देश की अपनी पड़ोसी देश के प्रति वैचारिक युद्ध की शुरूआत होती है। इस संदर्भ में वर्तमान भारत अनेक मोर्चों पर वैचारिक और आर्थिक युद्ध का सामना करता हुआ दिखता है, जिसमें से एक उभरता हुआ वैचारिक मोर्चा जो सामने आया है, वह है- 'सल्तनत-ए-बांग्ला'। यह कोई साधारण संगठन नहीं, बल्कि एक ऐसी बहुआयामी परियोजना है जो 'ग्रेटर बांग्लादेश' की परिकल्पना को आगे बढ़ा रही है और सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसके पीछे तुर्किये, कतर और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे वैश्विक इस्लामी नेटवर्क की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भूमिका सामने आई है।

अभी इस घटना को बहुत दिन नहीं बीते हैं, वह तारीख 14 अप्रैल 2025 की है, जब ढाका विश्वविद्यालय में एक पोस्टर प्रदर्शित किया गया। इस पोस्टर में एक काल्पनिक "ग्रेटर बांग्लादेश" का नक्शा दशार्या गया था, जिसमें कि भारत के असम, त्रिपुरा, बंगाल, झारखंड, ओडिशा और बिहार के कुछ हिस्सों के अलावा म्यांमार का अराकान क्षेत्र इसमें शामिल किया गया था। वस्तुतः यह केवल एक पोस्टर नहीं था, यह एक ऐसा वैचारिक घोषणापत्र था जो दक्षिण एशिया में इस्लामी राष्ट्रवाद के पुनरुत्थान की कल्पना को जमीनी आधार देने की कोशिश कर रहा है।

इस संबंध में विस्तार से जानकारी अब ओर गहराई से सामने आ सकी है। दरअसल, भारतीय संसद में विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने विस्तार से बताया है कि कैसे यह "ग्रेटर बांग्लादेश" का विचार एक सोची-समझी "आइडियोलॉजिकल इनसर्जेंसी" का हिस्सा है। सल्तनत-ए-बांग्ला को तुर्की के गैर-सरकारी संगठन टर्की यूथ फेडरेशन (टीवायएफ) से मिलने वाले सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है। जिसमें कि ये संगठन ग्रामीण विकास और युवाओं के सशक्तिकरण जैसे उदार कार्यों में लगा दिखाई देता है, लेकिन इसके कामकाज का वास्तविक उद्देश्य "इस्लामी जिहाद" के एजेंडे को विस्तार देना है। यह टीवायएफ "मुस्लिम ब्रदरहुड" से वैचारिक रूप से जुड़ा है और इसकी गतिविधियों में शिक्षा के नाम पर धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देना प्रमुख रणनीति है।

अब आप मुस्लिम ब्रदरहुड के बारे में भी समझ लीजिए; 1928 में मिस्र से इसकी शुरूआत है। संगठन केवल धार्मिक आंदोलन नहीं है, यह राजनीतिक इस्लाम की एक वैश्विक विचारधारा है जो किसी भी लोकतांत्रिक देश में जब पहुंचती है तो वहां के लोकतंत्र के ढांचे में रहकर इस्लामी सोच का पोषण करती है। एक ऐसी स्थिति पैदा करने का प्रयास करती है कि लोकतांत्रिक देश एक समय के बाद पूरी तरह से इस्लाम की सोच में बदल जाए और वहां शरीया कानून लागू हो जाए। वस्तुतः इसी सोच को ये "टर्की यूथ फेडरेशन" के साथ मिलकर भारत और बांग्लादेश में इस्लामिक साम्राज्यवाद के नाम पर आज विस्तारित करता हुआ दिखता है।

बांग्लादेश में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' को "टर्की यूथ फेडरेशन" से विचारधारात्मक मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता दोनों मिल रही है। बांग्लादेश के मदरसे और विश्वविद्यालय इसके प्रभाव में हैं। टर्की यूथ फेडरेशन ने बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों को सशक्त किया है, जो भारत-विरोधी और इस्लामिक स्टेट की अवधारणा के हामी हैं। मार्च 2025 में हिज्ब-उत-तहरीर ने बांग्लादेश में एक "खिलाफत मार्च" निकाला था, जिसमें खुलेआम कहा गया था कि दुनिया में मुस्लिमों की राजनीतिक सीमाएं नहीं होनी चाहिए। सल्तनत-ए-बांग्ला इसी "सीमाहीन इस्लामी राष्ट्र" की अवधारणा को बंगाल की जमीन पर उतारने की कोशिश है। जिसमें कि "टीवायएफ" समन्वय की अहम भूमिका निभाता दिखता है।

ये संगठन "ग्रेटर बांग्लादेश" को केवल एक भौगोलिक विस्तार के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक-धार्मिक राज्य के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इसके एजेंडे में केवल क्षेत्रीय विस्तार नहीं, बल्कि भारत के अंदर धार्मिक ध्रुवीकरण और सामाजिक विखंडन पैदा करना भी शामिल है। इससे अधिक गंभीर बात यह है कि आज यह "टीवाईएफ" भारत के भी कुछ कट्टरपंथी समूहों से संवाद करता हुआ नजर आता है। युरोपीय संसद के दस्तावेजों में यह उल्लेख है कि टर्की यूथ फेडरेशन (टीवायएफ) सहित कई टर्की के एनजीओस जकात (दान) और छात्रवृत्ति की आड़ में भारतीय मुसलमानों को कट्टरपंथी विचारों की ओर प्रेरित करते हैं। छात्रों को पाकिस्तान या अन्य नेटवर्क से जोड़ा जाता है, जहां उन्हें कट्टरतर विचारधारा से प्रभावित किया जाता है।

तुर्किये भारत में आईएसआईएस सदस्यों की गतिविधियों में धन लगा रहा है, जो भारतीय मुसलमानों को कट्टरपंथी बनाने और 'तकनीकी जानकारी के हस्तांतरण' के माध्यम से बड़े पैमाने पर अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक जिन संस्थाओं का प्रमुखता से नाम सामने आया है, उसमें तुर्की सहयोग और समन्वय एजेंसी (टीआईकेए), यूनुस एमरे संस्थान (यूईआई), अंतरराष्ट्रीय मानवीय राहत फाउंडेशन (आईएचएच), तुर्की-पाकिस्तान सांस्कृतिक संघ और तुर्की डायस्पोरा युवा अकादमी (वाईटीबी) के शासी बोर्ड जैसे शैक्षणिक संस्थान और गैर-सरकारी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को सुगम बनाने के लिए भारत के युवाओं को ही अपना हथियार बना रहे है। तुर्की के गैर-सरकारी संगठन भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त संगठनों को जकात दान के रूप में धन मुहैया करा रहे हैं।

रिपोर्टों में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिलाल एर्दोगन के स्वामित्व वाले तुर्की यूथ फाउंडेशन (टीयूजीवीए) के पाकिस्तान स्थित जमात-ए-इस्लामी (जेआई) और उसकी युवा शाखा या स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (एसआईओ) जैसी पार्टियों और संस्थाओं से सीधे संबंध हैं। इसके अलावा, इस्लामी शैली की 'इरास्मस' योजना के तहत, भारतीय मुस्लिम छात्रों को तुर्किये लाया जा रहा है और पाकिस्तानी संगठनों से संपर्क कराया जा रहा है। ताकि वे "ग्रेटर बांग्लादेश" और गजबा-ए-हिंद की सोच के लिए स्लीपर सेल बनकर भारत में रहते हुए काम करें। इन सभी संगठनों का उद्देश्य भारत के मुस्लिम समुदायों में यह भावना पैदा करना है कि उनकी पहचान भारतीय नहीं, इस्लामी है। यह देश की सामाजिक एकता के लिए दीर्घकालिक खतरा है। इस पूरे प्रकरण में सबसे नकारात्मक पक्ष यह है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस भी इनके साथ कहीं न कहीं मिले हुए दिखाई देते हैं, पिछले एक साल से यहां जो गैर मुसलमानों (हिंदू एवं अन्य) के विरोध में हिंसा हो रही है, उससे भी पता चल रहा है कि वे कट्टरपंथी तत्वों के इशारे पर काम कर रहे हैं। उनकी बेटी दीना अफरोज यूनुस का नाम "सल्तनत-ए-बांग्ला" से आर्थिक संबंधों के सिलसिले में सामने आया है।

सूडोकु नवताल- 7512

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7511 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं ट्रंप

अशोक मधुप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को सात दिन के लिए टाल दिया है। ये एक अगस्त से लागू होना था, जो अब सात अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर एक अगस्त से ही 35 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है।

साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था।वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है।

ट्रम्प ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रम्प ने 31 जुलाई तक का समय दिया था।इसके बाद ट्रम्प सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुमार्ना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा। एसबीआई रिसर्च ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय एक्सपोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा बुरा होगा। अमेरिका को कम जीडीपी, ज्यादा महंगाई और डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च ने इस टैरिफ को 'बुरा बिजनेस फैसला' बताया। एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के मुकाबले अमेरिका की डीजीपी , महंगाई और करंसी के नीचे जाने का ज्यादा रिस्क है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा ट्रेड वार के आर्थिक नतीजों को देखें तो यह अचरज की बात नहीं है कि अमेरिका पर भारत के मुकाबले अधिक बुरा असर पड़ेगा। रिसर्च ने बताया कि अमेरिका में फिर से महंगाई का दबाव दिखना शुरू हो गया है।

अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक दो प्रतिशत के तय टारगेट से ऊपर ही रहेगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव की वजह से होगा। एसबीआई रिसर्च ने बताया कि शॉर्ट-टर्म में अमेरिकी टैरिफ की वजह से एक औसत अमेरिकी घर पर करीब 2,400 डॉलर का बोझ पड़ने का अनुमान है। वजह, टैरिफ से बढ़ने वाली महंगाई के कारण कीमतें बढ़ना है। अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है।अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार एजेंडा का असर दिखने लगा है और रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियां कर्मचारियों की नियुक्तियां घटा रही हैं। अमेरिकी श्रम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नियोक्ताओं ने बीते महीने 73 हजार नौकरियां दीं। यह अनुमान के 1,15,000 से काफी कम हैं।मई और जून में 2,58,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई और बेरोजगारी दर बढ़कर 4.2% हो गई ।अमेरिका में बेरोजगारों की संख्या में 2,21,000 की बढ़ोतरी हुई। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अर्थशास्त्री स्कॉट एंडरसन ने कहा, 'अमेरिकी श्रम बाजार की स्थितियों में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। हम टैरिफ और व्यापार युद्ध शुरू होने और अधिक प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीति के बाद से ही अर्थव्यवस्था में मंदी का अनुमान लगा रहे थे। श्रम विभाग की रिपोर्ट श्रम बाजार के लिए एक मुश्किल हालात का सबूत है।'अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है। शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट दिखाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने श्रम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों को खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने श्रम विभाग की निदेशक एरिका मेकएंटरफेर को भी पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। एरिका की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हुई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि टैरिफ से मैन्यफैक्करिंग सेक्टर अमेरिका में फिर से मजबूत होगा। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैरिफ का असर अमेरिकी जनता पर ही सबसे ज्यादा पड़ेगा।

भारत और अमेरिका के बीच लगभग 130 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है वहीं, भारत अमेरिका से मात्र 41.8 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। अब अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, यह सवाल उठ रहा है कि इसका क्या असर होगा। भारत से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक और आईटी सेक्टर में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका भेजा जाता है। पिछले कुछ समय से भारत में बने स्मार्टफोन्स से लेकर लैपटॉप, सर्वर और टैबलेट्स की डिमांड अमेरिका में बढ़ी थी। ऐसे में सात अगस्त से लागू होने वाले अमेरिकी टैरिफ का सबसे ज्यादा असर इसी सेक्टर पर पड़ने की संभावना है।

दैनिक पंचांग

5 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

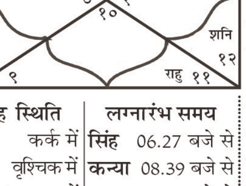

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.27 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	08.39 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.50 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.05 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.21 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.26 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.45 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.15 बजे से
राहुकाल		वृष	23.56 बजे से
3.00 से 4.30		मिथुन	01.54 बजे से
बजे तक		कर्क	04.07 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 217 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि एकादशी 13.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 11.23 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 07.24 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.13 बजे तदनन्तर बव 01.45 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16°57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872427
जूलियन दिन 2460892.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर **तारीख** 10
विशेष श्रावण पुत्रदा एकादशी, मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

प्राथमिकी आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

साहिबगंज/राजमहल : थाना पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले के प्राथमिकी अभियुक्त को बीती रात्रि गिरफ्तार किया। राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मध्य नारायणपुर पंचायत क्षेत्र के मुर्गी टोला निवासी इमरान शेख को गिरफ्तार किया है। उसके विरुद्ध अमानत में खयानत कर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी। आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में वाद संख्या 293/20 विचाराधीन है। उक्त मामले में इमरान शेख को गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे न्याय किरासत में भेज दिया गया।

मद्देनजर अपर समाहर्ता ने किया रामपुर दियारा क्षेत्र का निरीक्षण

साहिबगंज : गंगा नदी में लगातार हो रही जलस्तर वृद्धि और संभावित बाढ़ संकट को ध्यान में रखते हुए आज अपर समाहर्ता गौतम भगत द्वारा साहिबगंज जिला अंतर्गत रामपुर दियारा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उन्होंने दियारा क्षेत्र में हो रहे भू-क्षरण (कटाव) एवं गंगा नदी के जलस्तर में हो रही तीव्र बढ़ोतरी की स्थिति का जायजा लिया। अपर समाहर्ता ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को सतत निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने स्थानीय निवासियों से संवाद करते हुए उन्हें प्रशासन द्वारा बनाए गए सुरक्षित स्थानों पर शीघ्र स्थानांतरित होने की अपील की। विशेष रूप से आश्रम गृह राहत शिविर में लोगों को स्थानांतरित करने का आग्रह किया गया है, जहाँ पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अपर समाहर्ता ने बताया कि राहत शिविर में पर्याप्त मात्रा में भोजन, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सुविधा, शौचालय तथा बच्चों व वृद्धजनों के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रशासन संभावित संकट से निपटने के लिए पूर्णतः तैयार है और क्षेत्रवासियों से आग्रह करता है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करें। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है एवं किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु त्वरित कार्यवाही के लिए तैयार है।

आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में उपस्थापन करवाया

साहिबगंज/राजमहल : थाना पुलिस ने सोमवार को मलाही टोला से एक वारंटी को गिरफ्तार किया इस संदर्भ में थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने जानकारी देते हुए बताया कि राजमहल थाना क्षेत्र के मलाही टोला निवासी सिकंदर मंडल को गिरफ्तार कर अनुमंडल न्यायालय राजमहल में उपस्थापन कराया गया। उसके विरुद्ध सीजी वाद संख्या 178/20 के तहत मामला दर्ज था। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

समाहरणालय सभागार में जिला प्रशासन ने की शोक सभा

साहिबगंज : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद गुरुजी शिबू सोरेन के निधन पर समाहरणालय सभागार में सोमवार को शोक सभा आयोजित की गई। डीसी हेमंत सती की उपस्थिति में सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा के उपरांत डीसी ने निर्देश दिया कि जिले के सभी सरकारी कार्यालय 4 एवं 5 अगस्त को बंद रहेंगे, ताकि राजकीय शोक का समुचित पालन किया जा सके।

धरती से था गुरुजी को लगाव, आज हमने झारखंड के जननायक-अभिभावक को खोया हैं: विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने गुरु जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुजी उनके आदर्श और मार्गदर्शक रहे हैं यह उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है। गुरुजी का साहिबगंज जिला के प्रति अत्यधिक लगाव था। गुरु जी के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से ही हम जैसे युवाओं को उस समय राजनीतिक में आने का अवसर प्राप्त हुआ था और जनता के प्रति समर्पण भावना से सेवा करने का भी भाव उन्हीं से प्राप्त हुआ। एक सामान्य कार्यकर्ता को विधानसभा के सदन तक पहुंचाने का अवसर देने की कल्पना गुरु जी के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से ही संभव हो पाया। जल, जंगल, जमीन के संरक्षण की लड़ाई लड़ने वाले और झारखंड को अलग पहचान दिलाने वाले जननायक गुरुजी का हम लोगों के बीच से जाना अपूर्णीय क्षति है। झारखंड सहित पूरे देश ने अभिभावक व मार्गदर्शक को खोया है। गुरु जी के झारखंड संवारने के सपने को पार्टी के अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लगातार आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक व पिछड़े समाज के आवाज को लगातार मजबूती से बुलंद कर रहे हैं और बेहतर झारखंड, सुंदर झारखंड की परिकल्पना के साथ लगातार कार्यों में जुटे हैं। गुरु जी के अधूरे सपने को झारखंड और देश के पटल पर पूरा करने का कार्य मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। हम सभी पार्टी के सिपाही मजबूती से हेमंत सोरेन के साथ खड़े हैं। विधायक ने राजमहल से जुड़े कुछ संस्मरण को साझा करते हुए कहे कि दिशोम गुरु परम आदरणीय श्री शिबू सोरेन जी गुरुजी राजमहल के उत्तर वाहिनी गंगा में माघी पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान गंगा पूजन करते साफाहोड़ आदिवासियों के पूजा अखाड़ा में धर्मगुरु एवं अनुयायियों से मिलकर उन्हें सम्मानित भी करते थे। सात्विक भोजन के प्रेमी आदरणीय गुरुजी राजमहल में गंगा स्नान के उपरांत दही चूड़ा का ग्रहण करते थे। राजमहल के माघी पूर्णिमा मेला को राजकीय मेला के रूप में पहचान दिलाने में गुरु जी की अहम भूमिका रही है। विधायक ने कहा कि उनके माध्यम से मांग की गई थी इस पर गुरुजी ने संज्ञान लेकर माघी मेला को राजकीय मेला का घोषणा किए थे।

पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के पहले चरण का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : हर घर तिरंगा 2025 एक राष्ट्रव्यापी अभियान है जो प्रत्येक भारतीय को 2 से 15 अगस्त 2025 तक गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करता है। वही यह एक प्रतीकात्मक पहल से कहीं अधिक, हमारी साझा पहचान, स्वतंत्रता और एकता का उत्सव है। जहां इस अभियान के तहत पूर्व रेलवे के मालदा रेलमंडल के द्वारा पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय साहिबगंज में उत्सव के पहले चरण के उपलक्ष्य में एक चित्रकला और तिरंगा निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया जिन्होंने तिरंगा चित्रकला और तिरंगा निर्माण प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उधर विभिन्न कक्षाओं के छात्रों द्वारा रंग बिरंगे चित्रों और सुंदर ढंग से तैयार किए गए ध्वज मॉडलों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और राष्ट्र प्रेम का प्रदर्शन करते हुए पूरे माहौल को देशभक्ति के उत्साह से भर दिया। वही कक्षावार तिरंगा मॉडल निर्माण कार्यक्रम नवाचार, टीम वर्क और राष्ट्रीय गौरव का जीवंत प्रदर्शन बन गया। जहां शिक्षकों और कर्मचारियों ने युवा प्रतिभागियों का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन करने के लिए हाथ मिलाया, जिससे यह कार्यक्रम न केवल एक प्रतियोगिता बन गया, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के महत्व और गरिमा के बारे में एक यादगार शिक्षण अनुभव बन गया। उधर मालदा रेलमंडल की यह पहल 2025 के अभियान की एक मजबूत शुरुआत है, जो तिरंगे के साथ हर भारतीय के गहरे जुड़ाव को और मजबूत करती है।

सभी प्रखंड कार्यालयों में भी पदाधिकारी-कर्मियों ने शोकसभा में दिवंगत आत्मा को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय सभागार में झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर शोकसभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। शोकसभा में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती समेत जिला के पदाधिकारीगण, सभी विभागों के कर्मियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई। मौके पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

विधायक ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर संवेदनाएं व्यक्ति की

बरहरवा : पाकुड़ विधायक निसात आलम ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से हम सब दुखी हैं। राज्य की पहचान, अधिकार और स्वाभिमान की लड़ाई में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने झारखंड की अस्मिता और आदिवासी समाज के हक की लड़ाई को एक नई दिशा दी। उनका जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। आदरणीय गुरु जी का पूरा जीवन संघर्ष भरा रहा उनके निधन से हम लोगों का अपूरणीय क्षति हुआ है। झारखंड अलग राज्य के गठन से लेकर राजकीय निर्माण में गुरु जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और हम सभी को उनके आदर्शों पर चलने की शक्ति दे।

गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर अपर समाहर्ता ने किया रामपुर दियारा क्षेत्र का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा नदी में लगातार हो रही जलस्तर वृद्धि और संभावित बाढ़ संकट को ध्यान में रखते हुए आज अपर समाहर्ता गौतम भगत द्वारा साहिबगंज जिला अंतर्गत रामपुर दियारा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उन्होंने दियारा क्षेत्र में हो रहे भू-क्षरण एवं गंगा नदी के जलस्तर में हो रही तीव्र बढ़ोतरी की स्थिति का जायजा लिया। अपर समाहर्ता ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को सतत निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने स्थानीय निवासियों से संवाद करते हुए उन्हें प्रशासन द्वारा बनाए गए सुरक्षित स्थानों पर शीघ्र स्थानांतरित होने की अपील की। विशेष रूप से आश्रम गृह राहत शिविर में लोगों को स्थानांतरित करने का आग्रह किया गया है, जहाँ पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अपर समाहर्ता ने बताया कि राहत शिविर में पर्याप्त मात्रा में भोजन, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सुविधा, शौचालय तथा बच्चों व वृद्धजनों के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रशासन संभावित संकट से निपटने के लिए पूर्णतः तैयार है और क्षेत्रवासियों से आग्रह करता है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करें।

हजारों कांवरियों ने लुत्फ उठाया सखा सहयोग सुरक्षा समिति के सेवा शिविर से

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चिड़का धाम जाने वाले कांवरियों के लिए कुरा मोड़ में सखा सहयोग सुरक्षा समिति के संरक्षक सह महामंत्री आदरणीय वि के चौधरी के नेतृत्व में प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी बाबा भोलेनाथ के भक्त जनों के सेवार्थ हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भक्त जनों के लिए उत्तम चाय, बिस्कुट फल, गरम पानी, ठंडा पानी, डी जे, एवं पानी का फव्वारा साथ ही साथ श्रद्धालुओं के लिए विश्राम करने का उचित व्यवस्था किया गया, इस मौके पर हजारों के तादाद में श्रद्धालुओं ने लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में विशेष रूप से समिति के अध्यक्ष यु सी कुम्भकार, कोषाध्यक्ष आर बी चौधरी बरिया तेली, राजेन्द्र प्रसाद, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संतोष रजवार, हसन इमाम अंसारी, बी एन तिवारी, सुभाष चंद्र महतो, रामदेव प्रसाद, माणिक चंद साह, अभिमन्यु माँझी, दिलीप ठाकुर, ग्यानी महतो, जितेन्द्र कुमार साह, धीरेन रजवार, सत्येन्द्र कुमार, सुरेन्द्र शर्मा, सुचान्द प्रजापति, सुनील गोप, राजेन्द्र राम ,बिनोद यादव इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

होमगार्ड जवानों को अपने हक-अधिकार के लिए होना होगा एकजुट : एसोसिएशन

प्रशांत कुमार ब्यूरो साहिबगंज

बोकारो : झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन बोकारो जिला कमेटी की बैठक रविवार को सेक्टर-04 मजदूर मैदान में हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार द्विवेदी व संचालन सचिव राजेश कुमार ने किया। वक्ताओं ने कहा कि विगत 45 वर्षों से बीएसएल के सुरक्षा विभाग में सुरक्षा कार्य कर रहे है, इसके बावजूद बार बार प्राईवेट सुरक्षाकर्मियों का लाने का प्रयास किया जा रहा है, जो गलत है। कहा कि बीएसएल प्रबंधक ने सुरक्षा के लिए टेंडर निकाला है और विगत दिनों अखबार के माध्यम से प्रकाशित किया गया है कि सुरक्षा विभाग के कुछ गृहरक्षों को कम किया जाएगा। इससे गृह रक्षों में डर का माहौल बना हुआ है। कहा कि अगर ऐसा हुआ तो सभी होमगार्ड जवान अंदोलन के लिए बाध्य हो जायेंगे। जिलाध्यक्ष श्री द्विवेदी ने कहा कि होमगार्ड जवानों को अपने हक-अधिकार के लिए एकजुट होना होगा। आज राज्य के सभी होमगार्ड जवानों को पुलिस कर्मियों के समकक्ष समान कार्य का समान वेतन का लाभ मिला। श्री द्विवेदी ने कहा कि होमगार्ड जवानों को जल्द से जल्द एरियर व पेंशन की सुविधा मिले। महिला जिलाध्यक्ष चिंता कुमारी ने कहा कि महिला बल को जिला के सभी पोस्ट में 50 प्रतिशत ड्यूटी मिले। कहा कि महिला को 365 दिन रेगुलर ड्यूटी नहीं मिलने से काफी परेशानी हो रही है। मौके पर कमेटी सलाहकार वर्षकार पांडे, संरक्षक संजय कुमार, उपाध्यक्ष उमेश कुमार पांडे, अजय कुमार, मुकेश कुमार सिंह, मुख्तार अहमद, रवि कुमार, धर्मेंद्र कुमार, ध्रुव कुमार, जयप्रकाश यादव, दीपक कुमार, सूरज कुमार, आशुतोष कुमार, रामानंद प्रसाद सिंह, विजय कुमार सिंह, मनोज सिंह, गौरव कुमार, प्रमोद कुमार पाल, गीता राय, विद्यावती कुमारी, नुनीबाला हांसदा, सरस्वती देवी, कुमारी नुतन, ममता कुमारी सहित काफी संख्या में महिला व पुरुष जवान मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 4 वारंटियों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र की पुलिस ने अलग अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 4 वारंटियों टीपू उर्फ मरांगकूड़ा पिता स्व. जीतराय सोरेन घर मानिकपुर थाना बोआरीजोर, मंगल किस्कू पिता स्व. करला किस्कू घर शहरजोरी थाना बोरियो, दानियल सोरेन पिता बाबूलाल सोरेन उर्फ जॉन सोरेन घर जादूटोला धोगड़ा थाना बोरियो एवं प्रकाश मुर्मू पिता जोगेन मुर्मू घर अभवा थाना महेशपुर जिला पाकुड़ को सोमवार को गिरफ्तार करने के बाद मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने बारी बारी से सभी वारंटियों का मेडिकल जांच किया जिसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वही मामले की जानकारी देते हुए एसआई धर्मेंद्र नाथ साह ने बताया कि सभी वारंटियों के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था जिसके बाद उन्हें अभियान चलाते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सावन के आखिरी सोमवारी पर गंगा स्नान कर किया जलाभिषेक

साहिबगंज : सावन मास की आखिरी सोमवारी पर शहर स्थित सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही पूजा व जलार्पण करने को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। वही स्थानीय विभिन्न गंगा घाटों पर अहले सुबह से गंगा स्नानार्थियों की भीड़ लगी रही। गंगा स्नान करने के बाद लोगों ने पास के शिव मंदिरों में जाकर गंगाजल से शिवलिंग का जलाभिषेक और पूजा अर्चना किया। वही काफी संख्या में लोगों ने गंगा स्नान करने के बाद विभिन्न वाहनों से शिवगादी, मोती झरना, सकरीगली शिव मंदिर में जाकर जलार्पण किया। अंतिम सोमवारी को लेकर संध्या तक शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

स्कूली बच्चों से भरा मैजिक वैन पलटा, कई बच्चें हुए चोटिल

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के गेडा.परिहारपुर गांव में संचालित डिसेंट पब्लिक स्कूल नाम की एक नीजी स्कूल की बच्चों से भरा मैजिक वैन चालक का संतुलन बिगड़ जाने के कारण सड़क दुर्घटना हो गया। दुर्घटना इतनी जबरदस्त हुई कि मैजिक वाहन का संतुलन बिगड़ने के बाद सड़क से तीन बार पलटते हुए खेत में वाहन जा गिरा। दुर्घटना के वक्त एक दर्जन से अधिक स्कूली बच्चें वाहन पर सवार थे। दुर्घटना के समय आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मैजिक वाहन में सवार बच्चों को चोट भी आई है वहीं दुर्घटना में घायल सभी बच्चों को ग्रामीण और परिजनों के सहयोग से उपचार के लिए निजी क्लीनिक और हरि देवी अस्पताल ठाकुरगंगटी पहुंचाया गया। घटना की सूचना पाकर ठाकुरगंगटी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त मैजिक वाहन को कब्जे में लेते हुए मामले की जांच में जुट गई है। इधर कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि मेहरमा, ठाकुरगंगटी सीमावर्ती मंडरो प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर अवैध तरीके से निजी स्कूल का संचालन खुलेआम किया जा रहा है। और परिवहन विभाग को बिना कोई सूचना के ही वाहन से स्कूली बच्चों की ढुलाई की जाती है। जानकार बताते हैं कि स्कूल का वाहन चलाने वाले एक भी चालक ऐसे नहीं है कि प्रशिक्षण लेकर वैध ड्राइविंग लाइसेंस चालक वाहन का परिचालन करते हैं। मालूम हो कि दुर्घटना घटित स्थल ठाकुरगंगटी थाना क्षेत्र में पड़ता है। जिस स्थान पर नीजी स्कूल संचालित है वह मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के गेडा.परिहारपुर गांव में संचालित है। इस संबंध में गेडा.परिहारपुर संकुल के सीआरपी इजहार अंसारी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि उसके क्षेत्र में इस तरह का कोई भी निजी स्कूल संचालित नहीं है और कोई नीजी स्कूल में संचालित वाहन सड़क दुर्घटना की जानकारी भी नही है। अब सीआरपी के इस जवाब से सवाल खड़ा होने लगा है कि आखिर संकुल क्षेत्र में नियमित कार्य करने वाले सीआरपी को कोई पता तक नहीं है कि उनके संकुल क्षेत्र में कितने स्कूल संचालित है। इस से शिक्षा विभाग की लापरवाही मानी जाए या फिर सीआरपी की मनमानी।

साहिबगंज उपडाकघर में महिला एजेंटों का विरोध प्रदर्शन

साहिबगंज : साहिबगंज कॉलेज कैंपस स्थित उपडाकघर में महिला अभिकर्ताओं ने पोस्टमास्टर की कार्यशैली और व्यवहार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को दर्जनों महिला अभिकर्ताओं ने विरोध जताते हुए उपडाकपाल धर्मेंद्र और सहायक उपडाकपाल हिमांशु पर अभद्र व्यवहार और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यदि हालात नहीं सुधरे तो वे उग्र आंदोलन करेंगी। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर महिला अभिकर्ताओं ने अपनी पांच सूत्री मांगों को सामने रखा और कार्यशैली में तत्काल सुधार की मांग की। अभिकर्ता रीता गुप्ता ने कहा कि जब ग्राहकों को बिना चेक के ही निवेश की अनुमति मिल जाती है, तो अभिकर्ताओं से जबरन चेक मंगाने की प्रक्रिया क्यों अपनाई जाती है। वहीं, सहायक उपडाकपाल द्वारा ग्राहकों को एजेंट के चक्कर में न पड़ने की सलाह देना उनकी भूमिका पर सीधा प्रहार है। रवीना तिवारी ने डाकघर के कामकाज के समय को लेकर सवाल उठाए और कहा कि दोपहर 2 बजे के बाद काम बंद कर दिया जाता है, जबकि सरकारी कार्यालयों में कामकाज का समय सामान्यतः सुबह 10 से शाम 4 बजे तक होता है। उन्होंने मांग की कि कार्यालय के बाहर कार्य समय की स्पष्ट सूचना पट लगाया जाए। कल्पना सिंह ने कार्यालय में बुनियादी सुविधाओं की कमी को उजागर करते हुए बताया कि बारिश और धूप से बचने के लिए कोई इंतजाम नहीं है। सरस्वती घोष ने बाहर से पैसे जमा करने की असुरक्षा की बात कही और पुराने दिनों की तरह अंदर बुलाकर लेन-देन करने की मांग की।

एक नजर

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष उपकरण जांच शिविर का होगा आयोजन

मुरी: सिल्ली प्रखण्ड मे निशुल्क सहायक उपकरण जांच एवं वितरण शिविर कार्यक्रम 12 अगस्त 2025 को आयोजित कि गई है, जिसमे 03 से 18 वर्ष आयुवर्ग के दिव्यांग बच्चे भाग लेंगे। शिविर मे जो बच्चे सुन नही पाते, श्रवण बाधित, जो बच्चे चल नही सकते, शारिरिक दिव्यांग, जिन बच्चों की बुद्धि कम है, बौध्दिक अक्षमता जो बच्चे बिल्कुल भी देख नही सकते, दृष्टिहीन हैं इस शिविर में आ सकते है। शिविर मे आने के लिए आधार कार्ड, यूडीआईडी दिव्यांग प्रमाण पत्र, मुखिया द्वारा बना आय प्रमाण पत्र लेकर आना है। दिव्यांग बच्चों के साथ अभिभावक जरूर आए।

आजसू पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह ने सिबु सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया

सिल्ली: आजसू पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह एवं स्थानीय आजसू नेता एवं कार्यकताओं ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर दुख जताते हुए गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। जयपाल सिंह ने कहा है कि स्व शिबू सोरेन हमारे अभिभावक एवं एक प्रख्यात राजनेता थे। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे थे। झारखंड की राजनीति में उनका अहम योगदान रहा है। उन्होंने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश की राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति बताया। जयपाल सिंह ने दिवंगत आत्मा की शान्ति और उनके परिजनों और प्रशंसकों को दुख की इस घड़ी में धैर्य रखने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

कंपिटेंट पब्लिक स्कूल के छात्र सागर कुमार की सड़क दुर्घटना में मौत

कोडरमा : जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। जयनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कंपिटेंट पब्लिक स्कूल तेतरौन के कक्षा 3 के छात्र सागर कुमार की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को सागर अपने गांव मतौनी से साइकिल पर स्कूल जा रहा था। तेतरौन मस्जिद के समीप उसकी साइकिल अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर गिर पड़ा। दुर्घटना में साइकिल का ब्रेक उसके गाल में घुस गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में भी चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन तुरंत घटनास्थल पहुंचे। घायल सागर को सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। चिकित्सकों की कोशिशों के बावजूद इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

विधायक आवास में झामुमो नेताओं ने दी गुरुजी को मौन श्रद्धांजलि

खूंटी: झारखंड आंदोलन के प्रणेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने सोमवार को तोरपा के विधायक सुदीप के आवास पर उन्हें मौन श्रद्धांजलि दी। विधायक गुड़िया, खूंटी के विधायक रामसूर्या मुंडा, झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद नें विधायक आवास में गुरूजी को मौन श्रद्धांजलि दी। दिशुम गुरु शिबू सोरेन के निधन से विधायक सुदीप गुड़िया, विधायक रामसूर्या मुंडा, जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद सहित जिले के झामुमो कार्यकर्ता स्तब्ध और शोकाकुल है। गुरुजी के निधन की खबर सुनकर जिले के झामुमो कार्यकर्त्ता विधायक सुदीप गुड़िया के आवास के पास जुटे और दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

सावन की अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा शहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सावन माह की अंतिम सोमवारी पर सोमवार को सरिया के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में भगवान भोलेनाथ के भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, और दिनभर भक्ति का उत्साह चरम पर रहा। खासकर महिलाओं में भगवान शिव की पूजा-अर्चना को लेकर गजब का उत्साह देखा गया। शहर से लेकर गांव तक हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

शिवालयों में भक्तों का सैलाब, जलाभिषेक और पूजा-अर्चना में लीन रहे श्रद्धालु

सुबह के पहले प्रहर से ही सरिया के प्रमुख शिवालयों जैसे राजदाहधाम, शिवशक्ति धाम, सरिया बाजार के शिव मंदिर, चन्द्रमारनी, चौधरीडीह, कोयरीडीह, बागोडीह, केशवारी, अमनारी और बंदखारो में भक्तों का आना-जाना शुरू हो गया था। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को फल, फूल, नैवेद्य, भांग, धतूरा, बेलपत्र आदि अर्पित कर पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल कामना के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मंदिरों में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे, जिसने पूरे क्षेत्र को शिवमय बना दिया।

मंदिरों की सजावट ने बांधा मन, भक्ति में डूबे भक्त

अंतिम सोमवारी के अवसर पर सरिया के सभी शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिरों को रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से सुसज्जित किया गया, जिससे उनकी खूबसूरती देखते ही बन रही थी। खासकर राजदाहधाम मंदिर में भक्तों की सबसे अधिक भीड़ देखी गई। यहाँ सुबह से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजा-अर्चना कर रहे थे। मंदिर परिसर में भक्ति भजनों और मंत्रोच्चार की गूंज ने माहौल को और भी आध्यात्मिक बना दिया।

सावन की अंतिम सोमवारी का विशेष महत्व

सावन माह में सोमवार को भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सावन माह में भगवान भोलेनाथ अपने पूरे परिवार के साथ शिवालयों में विराजमान रहते हैं। आचार्य लक्ष्मीनारायण पाण्डेय ने बताया कि सावन का अंतिम सोमवार शुक्ल पक्ष में होता है, जो देवताओं का पक्ष माना जाता है। इस कारण इस दिन भगवान शिव की पूजा और जलाभिषेक का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि सावन की अंतिम सोमवारी का व्रत करने वाले भक्तों पर भगवान शिव प्रसन्न होकर उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। साथ ही, इस व्रत से आर्थिक संकट से मुक्ति और जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

राजदाहधाम में सबसे अधिक उमड़ी भीड़

सावन की अंतिम सोमवारी पर राजदाहधाम मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने कतार में खड़े होकर धैर्यपूर्वक भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना में भाग लिया। मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

शिव भक्ति में लीन रहा सरिया

सावन की अंतिम सोमवारी पर सरिया का हर कोना शिव भक्ति में डूबा रहा। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक, हर आयु वर्ग के लोग भगवान शिव की आराधना में लीन दिखे।

शहीद डोरेन सिंह मुंडा को दी गई श्रद्धांजलि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर रखा मौन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम के भुईयासिनान स्थित प्रतिमा पर नक्सली गोलियों के शिकार वीर शहीद डोरेन सिंह मुंडा को झामुमो बोड़ाम प्रखंड कमिटी के नेतृत्व में सादगी के उनको शहादत दिवस के अवसर श्रद्धांजलि देकर नमन किया। वही जानकारी देते हुए बोड़ाम प्रखंड अध्यक्ष दीपांकर महतो ने बताया कि झारखंड राज्य के निमार्ता पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की अचानक सूचना मिलते हुए पूरे राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। इस कारण पूर्व से निर्धारित शहादत दिवस कार्यक्रम वीर शहीद डोरेन सिंह मुंडा को उनकी धर्म कल्पना सिंह की उपस्थिति में सादगी के साथ नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इधर कार्यक्रम स्थल में पहुंचे सभी कार्यकताओं ने राज्य निमार्ता और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर उनके चित्र के सामने दो मिनट का मौन रखते हुए शोक प्रकट किया। वही उनकी आत्मा शांति की कामना की।इस दौरान शहादत दिवस समारोह में वीर शहीद डोरेन सिंह मुंडा की धर्म पत्नी कल्पना सिंह, शहीद कमिटी के पूर्ण सिंह, ग्राम प्रधान हीकिम महतो, शंभू सिंह सहित काफी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा, स्कूल-कार्यालय बंद, झारखंड में शोक की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर सोमवार को सरिया प्रखंड क्षेत्र में गहरे शोक का माहौल रहा। उनके सम्मान में सरिया प्रखंड के सभी सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों में शोकसभा का आयोजन किया गया, जिसके बाद अवकाश घोषित कर दिया गया। साथ ही, सरिया अनुमंडल, प्रखंड और अंचल कार्यालयों में सभी कार्य बंद रखे गए और शोकसभाएं आयोजित की गईं। शिबू सोरेन, जिन्हें दिशोम गुरु के नाम से जाना जाता है, का सोमवार सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे और डेढ़ महीने पहले उन्हें स्ट्रोक भी हुआ था। उनके निधन की खबर से पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई। राज्य सरकार ने 4 से 6 अगस्त तक तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया है। राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकताओं ने शिबू सोरेन के निधन को झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति करार दिया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और आदिवासी समुदाय के प्रबल पैरोकार रहे शिबू सोरेन ने झारखंड आंदोलन को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री, आठ बार लोकसभा सांसद और तीन बार राज्यसभा सांसद रहे। उनके निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की और उनकी सामाजिक न्याय, आदिवासी कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए की गई सेवाओं को याद किया। शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर सोमवार शाम रांची पहुंचेगा, जहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम दर्शन की व्यवस्था की जा रही है। उनके अंतिम संस्कार की तारीख और स्थान अभी तय नहीं हुआ है।

संत माईकल प्लस टू स्कूल,मूरी में चलाया गया स्वच्छता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : मुरी सोमवार के दिन संत माईकल +2 स्कूल, मूरी में स्वच्छ विद्यालय स्वच्छ भारत के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में पूरे विद्यालय की सफाई की गयी जिसमें विद्यालय के बच्चें, शिक्षकगण, प्रधानाचार्य एवं निदेशक ने भी बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय में छात्र - छात्राओं ने टोलियों में बंटकर स्वेच्छा से कक्षाओं व विद्यालय मैदान में सफाई अभियान चलाया। कक्षाओं, खिडकियों, मैदान की घास व कूड़ा साफ किया। बच्चों ने पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, प्रयोगशाला की भी सफाई की। इस मौके पर गंदगी को कूड़ेदान में डालने की शपथ ली। इस अभियान के तहत विद्यालय के सभी विद्याथीयों एंव शिक्षकगण ने यह शपथ लिया कि वे बस आज के दिन ही नही बल्कि हमेशा अपने विद्यालय एंव घरो के आस- पास भी साफ सफाई पर विशेष ध्यान देंगें। इस अभियान के तहत विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने स्वच्छता के ऊपर कई तरह के आकर्षक चित्र प्रस्तुत किए एवम् पोस्टर स्लोगन के साथ भाषण भी प्रस्तुत किए। विद्यालय के निदेशक राकेश कुमार ने शिक्षको एवम् बच्चों का स्वच्छता के प्रति सकारात्मक प्रयास की सराहना किए तथा कहा कि स्वच्छता का यह अभियान यही तक न रुके बल्कि दिनों दिन हर मोहल्ला,हर समाज एवम हर क्षेत्र में चलते रहे। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सी. एल. प्रजापति ने विस्तार से बच्चों को साफ-सफाई के फायदों के बारे में बताये तथा ये भी बताये कि जब हमसब अपने विद्यालय एंव अपने क्षेत्र को स्वच्छ रखेगें तभी हमारा देश रोग मुक्त देश होगा। हर नागरिक का हो यही सपना, स्वच्छ भारत हो अपना। इस मौके पर शिक्षक एवं शिक्षकाएं वी वेंकट राव, किशोर कुमार,मनीषा सिंह, मंजू कुमारी, संजुक्ता सिंह देव,आस्था साहू, डोली महतो आदि उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर विधायक पूर्णिमा साहू ने जताया गहरा शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड के प्रमुख आंदोलनकारी, पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड की राजनीति के साथ समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। अपने शोक संदेश में विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन से हृदय व्यथित है। वे एक नेता के साथ झारखंड की जनभावनाओं के प्रतीक और हर झारखंडी के लिए अभिभावक तुल्य रहे। उनके जाने से जो सामाजिक और राजनीतिक शून्यता उत्पन्न हुई है, उसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने अपने जीवन को झारखंड की अस्मिता, अधिकार और स्वाभिमान के लिए समर्पित किया। वे हमेशा वंचितों, आदिवासियों और शोषितों की आवाज बने रहे। उनका जीवन संघर्ष, सेवा और संकल्प का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु की स्मृति और उनके योगदान हमेशा झारखंडवासियों के मन में जीवित रहेंगे।

सावन महोत्सव में पारंपरिक परिधानों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : सावन की हरियाली और भक्ति से सराबोर माहुरी महिला समिति व बालिका समिति के संयुक्त तत्वावधान में गौरी शंकर मोहल्ला स्थित श्री माहुरी भवन मे आयोजित सावन महोत्सव में पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं और बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम न सिर्फ मनोरंजन से भरपूर रहा, बल्कि सामाजिक एकता और आपसी स्नेह का भी प्रतीक बना। कार्यक्रम की शुरूआत मां मथुराशिनी की वंदना से हुई, जिसमें सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को सावन की शुभकामनाएं देकर उत्सव का शुभारंभ किया। पारंपरिक हरी-भरी सजावट, लोक गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उल्लास और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम में सावन का महीना आया है भोलेनाथ पर निधि कपसीमे और बरसो रे मेघा पर नव्या कपसीमे ने शानदार प्रस्तुति दी। जसिका सेठ ने बद्री की दुल्हनिया, कनक कुमारी ने मारो ढोलना और आराध्या तरवे ने नाचू आज छम-छम पर नृत्य कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिलाओं में अंकित लोहानी ने चूड़ी भी जिद पर आई और नेहा भदानी ने मेरे भारत की बेटी पर भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। सावन क्वीन प्रतियोगिता बनी मुख्य आकर्षण खास आकर्षण रही सावन क्वीन प्रतियोगिता, जिसमें प्रतिभागियों ने पारंपरिक लिबास, आत्मविश्वास और सौंदर्य के साथ अपनी संस्कृति का अद्भुत परिचय दिया। प्रतियोगिता में राखी सेठ को सावन क्वीन घोषित किया गया जबकि निधि कपसीमे रनर अप रहीं।खेल प्रतियोगिताओं में नूतन आर्य, सृष्टि देवी और शिवांगी सेठ विजेता बनीं। मंच पर हर कोई उल्लास और उमंग से झूमता नजर आया। स्वादिष्ट व्यंजनों से सजा स्टॉल कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए गए, जिनका सभी ने भरपूर आनंद लिया। स्वाद, संस्कृति और सौहार्द का यह संगम हर किसी के मन को भा गया। कार्यक्रम में महिला समिति की केंद्रीय उपाध्यक्ष सुनीता सेठ ने कहा, यह आयोजन हमारी संस्कृति, नारी शक्ति और एकजुटता का प्रतीक है। महिलाओं का यह उत्साह प्रेरणादायी है। अध्यक्ष रेनू बड़गवे ने कहा कि सावन केवल भक्ति का ही नहीं, बल्कि सृजन, स्नेह और सांस्कृतिक पहचान का भी महीना है। यह आयोजन भावनात्मक जुड़ाव का श्रेष्ठ उदाहरण है।

संक्षिप्त खबरें

पतंजलि परिवार ने आचार्य बालकृष्ण के 53वें अवतरण दिवस को जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया

सरिया : पतंजलि परिवार द्वारा के.एस.एस. हाई स्कूल, कोरिडीह सरिया में आचार्य श्री बालकृष्ण जी महाराज के 53वें अवतरण दिवस को जड़ी-बूटी दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पतंजलि किसान सेवा समिति के जिला प्रभारी रामदेव महतो ने योग-प्राणायाम और जड़ी-बूटियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये हमारे जीवन को स्वस्थ और सुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन योग अपनाने और प्राकृतिक जीवनशैली जीने का आह्वान किया। कार्यक्रम में समाजसेवी रामदेव शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण की अपील की। आयोजन के दौरान आंवला, एलोवेरा, भूमि आंवला, गिलोय, बेल, अर्जुन, भृंगराज, आम, कटहल, सीताफल, और लेमनग्रास जैसे पौधों का वितरण और रोपण किया गया। कार्यक्रम में राहुल कुमार वर्मा, बालेश्वर मिस्त्री, दीपक कुमार राणा, जितेंद्र कुमार वर्मा, विजय प्रसाद, अंकिता कुमारी, संगीता कुमारी सहित पतंजलि कार्यकर्ता, ग्रामीण, शिक्षक, और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

बाबा क्षीरेश्वर नाथ महादेव मंदिर में ग्रामीणों ने किया जलाभिषेक

पटमदा : एन एच 33 के भिलाई पहाड़ी के डांगा गौड़ बस्ती में श्रावण के चतुर्थ सोमवार के अवसर पर ग्रामीणों के द्वारा जल अभिषेक किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने देवाधिदेव महादेव के नारा लगाते हुए बाबा के मंदिर में पहुंच कर जल अभिषेक किया। जानकारी देते हुए आयोजक कमिटी के सानंद प्रधान ने बताया कि डांगा गौड़ बस्ती के तमाम ग्रामीणों के द्वारा जल अभिषेक यात्रा का आयोजन कर बस्ती में स्थित बाबा क्षीरेश्वर नाथ महादेव मंदिर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बाबा का जयकारा लगाते हुए शिव लिंग में जल अभिषेक किया।

दिशोम गुरु के निधन पर शोकसभा, एक दिवसीय धरना कार्यक्रम स्थगित

जमशेदपुर : सोमवार को आर टी आई कार्यकर्ता संघ के साकची स्थित कैंप कार्यालय बाल मजदूर मुक्ति सेवा संस्थान में एक आपातकालीन बैठक अध्यक्ष दिल बहादुर के अध्यक्षता में हुई। जिसमें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का आकस्मिक निधन होने पर 1 मिनट का मौन धारण कर गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। गुरुजी शिबू सोरेन के निधन के कारण संघ द्वारा पूर्व निर्धारित आधारित कार्यक्रम 5/8/2025 को विधानसभा के समक्ष होनेवाली एक दिवसीय धरना कार्यक्रम को सर्वसम्मति से स्थगित करने का निर्णय लिया गया , आगामी कार्यक्रम अगली बैठक में तय किए जाएंगे । बैठक में महासचिव कृतिवास मंडल, उपाध्यक्ष सदन ठाकुर, दिनेश कीनू , सचिव दिनेश कर्मकार कोषाध्यक्ष हर्षेंदु रंजन केशरी, सुलोचना देवी , चंद्रशेखर रजक एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

देलबेड़ा शिव मंदिर में भंडारा का हुआ आयोजन

सिल्ली/मुरी: प्रखंड के देलबेड़ा शिव मंदिर में सोमवार को सावन भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारे में पुरुष,महिलाएं,बच्चों और बुजुर्गों ने भी भंडारा सेवा में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस आयोजन ने समाज में भाईचारे और सद्भावना का संदेश दिया। भंडारे में सभी धर्म,जाति और वर्ग के लोग एक साथ जुटे और भगवान शिव की आराधना में लीन रहे। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक था बल्कि यह गांव के हर व्यक्ति के लिए एक सामूहिक त्यौहार बन गया जिसमें सभी लोग मिलकर अपनी श्रद्धा व्यक्त किए। मौके पर कुमार ट्रेडर्स के संचालक उदित कुमार,सुमित महतो,अजय महतो,राहुल महतो एवं सूरज प्रसाद समेत सैकड़ो श्रद्धालु शामिल रहे।

डोमचांच मे सड़क दुर्घटना मे एक युवक की मौत, सड़क जाम

कोडरमा: जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र के मेहता भवन के समीप रविवार देर रात सड़क दुर्घटना मे बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राज सिंह उम्र 25 वर्ष पिता स्व. रंजीत सिंह ग्राम कालीमंडा, थाना डोमचांच निवासी के रूप मे हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक डोमचांच बाजार से शहीद चौक की ओर जा रहा था इसी दौरान पीछे से आ रही एक टेलर ने बाइक सवार को मेहता भवन के समीप अपने चपेट मे ले लिया और टेलर फरार हो गया। इधर बाइक सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डोमचांच पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। बता दें की सोमवार अहले सुबह गुस्साए लोगो ने कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

सावन की आखिरी सोमवारी पर मंदिरों में शिवभक्तों की भीड़

पटना के खाजपुरा, बिटेश्वरनाथ में श्रद्धालुओं ने की पूजा, बाढ़ के उमानाथ मंदिर में 1 किमी. लंबी लाइन

पटना। आज सावन की आखिरी सोमवारी है। पटना के खाजपुरा मंदिर में सुबह से भक्तों की भीड़ है। सभी भक्त लाइन में लगकर बारी-बारी से शिव जी की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। आज पूरे दिन शिवालयों में जलाभिषेक होगा। राजधानी में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। फिर भी भक्त मंदिरों में बाबा का जलाभिषेक करने पहुंचे हैं। बाढ़ के उमानाथ घाट स्थित प्राचीन शिव मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा है। सुबह से ही मंदिर परिसर और गंगा घाट पर भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। आज सुबह से ही श्रद्धालु गंगा में पवित्र डुबकी लगाने के बाद जल लेकर बाबा भोलेनाथ को अर्पित करने के लिए मंदिर पहुंचने लगे थे। हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयकारों से पूरा अलखनाथ घाट गुंजायमान हो उठा था। महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सभी भक्तिभाव में लीन होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। वहीं, बिहटा के बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर में पूजा और जलाभिषेक को लेकर श्रद्धालु की भीड़ है। लगभग एक किमी लंबी लाइन लगी है। हल्की बारिश में श्रद्धालु कतार में खड़े दिख रहे हैं। धीरे-धीरे भक्तों की भीड़ बढ़ रही है। पटना से करीब 35 किलोमीटर दूर खुसरूपुर के बैकुंठपुर स्थित श्री गौरी शंकर बैकुंठनाथ मंदिर में सावन की अंतिम सोमवारी पर सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें दिखनी शुरू हो गई। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग करीब एक किलोमीटर लंबी कतारें लगी हुई हैं, जो बाबा भोलेनाथ के दर्शन और पूजा के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। मंदिर का पट दोपहर 2 बजे ही खोल दिए गए थे, जिसके बाद से ही भक्तों की भारी भीड़ जुटना शुरू हो गई। खाजपुरा मंदिर में आई श्रद्धालु खुशी ने कहा कि हर साल सावन की सोमवारी का व्रत रखती हूं। पूजा करने यहीं आती हूं। मन को शांति मिलती है। वहीं, श्रद्धालु शुभम ने कहा कि मंदिर में हमेशा भीड़ रहती है। हर साल व्रत रखते हैं। बहुत सुकून मिलता है। मैं चाहता हूं, घर में सब खुश रहें और अच्छी सी नौकरी मिल जाए, भगवान से यही प्रार्थना करते हैं। आज अनुराधा और ज्येष्ठा नक्षत्र के युग्म संयोग के साथ ब्रह्म योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग का सुयोग बन रहा है। पूरे दिन मंदिरों में भक्तों द्वारा हर हर महादेव, ॐ नमः शिवाय, बोलबम कहते हुए जलाभिषेक होगा फिर संध्या काल में शिव-पार्वती का आलौकिक श्रृंगार पूजा होगा। आचार्य राकेश झा ने बताया कि सावन के सोमवारी को सदाशिव और माता पार्वती की पूजा के बाद शिव के अत्यंत प्रिय नंदी की पूजा करने के बाद अपनी कामनाओं को इनके कान में कहने से उसकी पूर्ति जल्दी होती है मान्यता है कि शिव की पूजा के बाद नंदी की पूजा नहीं करने से पूजा अधूरी मानी जाती है। भोलेनाथ के साथ उनके परिवार व प्रमुख गणों की भी पूजा करनी चाहिए। इसमें गणेश-अम्बिका, कार्तिकेय, नाग, चन्द्रमा, गंगा, कीर्तिमुख, कुबेर, वीरभद्र, नंदी प्रमुख हैं। ज्योतिषी झा ने बताया कि आज सावन मास की चौथी और शुक्ल पक्ष की दूसरी सोमवारी को श्रद्धालु शंकर भगवान को गंगाजल, दूध, दही, घी, मधु, पंचामृत, भस्म चंदन, फूलमाला, बेलपत्र, धतूरा, समी पत्र, अकावन, इत्र, अभ्रक, ऋतुफल, भांग, पान-सुपारी अर्पण कर रुद्राष्टक, लिंगाष्टक, शिव पंचाक्षर, शिव तांडव, बिल्वाष्टक, द्वादश ज्योतिर्लिंग स्त्रोत के पाठ, महामृत्युंजय, लघु मृत्युंजय, शिव गायत्री मंत्र का जाप करेंगे।

कमर तक पानी से होकर देवघर पहुंच रहे कांवड़िए

भागलपुर। सावन की आज अंतिम सोमवारी है। इसको लेकर बिहार और झारखंड के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। श्रद्धालु महादेव का जलाभिषेक कर रहे हैं। भागलपुर में लगातार बारिश से पूरे शहर में पानी भर गया है। कमर तक पानी से होते हुए कांवड़िए देवघर जा रहे हैं। इधर, बेगूसराय का एक परिवार जापान में कांवड़ यात्रा निकाल रहा है। देवघर के बाबा धाम में तड़के सुबह 3.00 बजे मंदिर के पट खुले। पट खुलते ही बोल बम के जयकारों से पूरा मंदिर गूंज उठा। पट खुलने के बाद कांचा जल और प्रातः कालीन पूजा की गई। इसके बाद कांवड़ियों ने जल चढ़ाना शुरू किया। बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर से करीब 5 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। मंदिर परिसर में करीब 1 लाख से अधिक श्रद्धालु मौजूद हैं। वहीं, मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ी है। गरीबनाथ मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालु पहलेजा घाट से जल लेकर पहुंच रहे हैं। मंदिर के बाहर करीब 2 किलोमीटर तक लाइन लगी है। बेगूसराय के बाबा हरिगिरिधाम गढ़पुरा श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। इसके अलावा जहानाबाद के वाणावर में स्थित सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है, जो बोल बम के नारे लगा रहे हैं। बक्सर जिले के महारुद्र नाथ पर चौसा नगर पंचायत के 1000 लोगों ने गाजे बाजे के साथ सामूहिक जलाभिषेक किया।महादेवा घाट से जल भर कर 5 किलोमीटर नंगे पांव चलकर लोग महारुद्र नाथ परिसर पहुंचे। सावन के आखिरी सोमवार पर मुंगेर के मंदिरों में भी भीड़ है। सुबह से भक्तों भगवान शंकर के जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। भागलपुर के सुल्तानगंज में सावन की चौथी और आखिरी सोमवारी को लेकर भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है। सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा तट पर शिवभक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा है।

चुनाव आयोग का नया आदेशः करना होगा ये काम वरना वोटर लिस्ट से हट जाएगा नाम

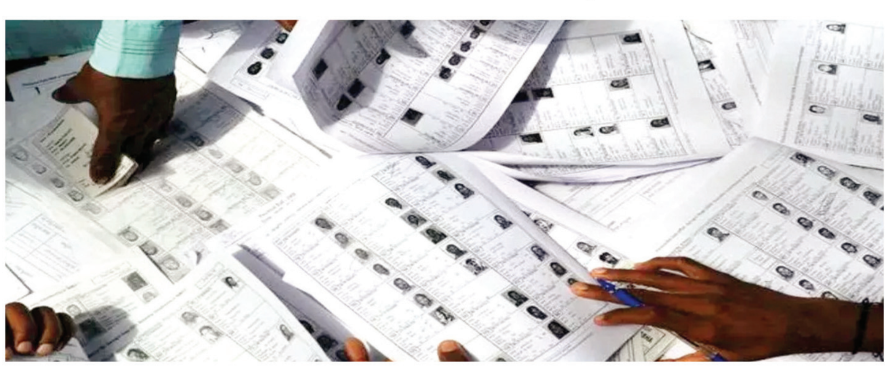

पटना। सघन पुनरीक्षण के तहत प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद विलोपित नामों को जोड़ने व संशोधन करने के अलावा गणना प्रपत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार ऐसे सभी लोगों को दस्तावेज जमा करना अनिवार्य है।जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार जिन लोगों ने आवेदन के साथ आवश्यक प्रमाण पत्र जमा नहीं किए थे, वे अब अपने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) या विशेष कैंप में जमा कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारियों ने अपील की है कि मतदाता दावा-आपत्ति की प्रक्रिया के दौरान अपने प्रमाण पत्र जमा कर दें, ताकि उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। जिले में एक लाख 37 हजार नौ लोगों ने स्वयं ऑनलाइन या ऑफलाइन गणना प्रपत्र जमा किए थे। वहीं 45 लाख 14 हजार 974 मतदाताओं ने बीएलओ के माध्यम से गणना प्रपत्र जमा किए थे। शुरूआत में अधिकांश लोगों ने आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ आवेदन जमा किए थे। बाद में इसमें तेजी लाने के लिए चुनाव आयोग ने प्रमाण पत्र जमा करने के बाद गणना प्रपत्र जमा करने की अनुमति दी। इसके बाद अधिकांश लोगों ने सिर्फ गणना प्रपत्र ही जमा किए थे। अब इन लोगों से जरूरी प्रमाण पत्र जमा करने को कहा जा रहा है अन्यथा उनका नाम अंतिम सूची से हटा दिया जाएगा। शहरी क्षेत्र के ऐसे मतदाता अधिक हैं, जिन्होंने बिना दस्तावेज के मतगणना प्रपत्र जमा किया है। दीघा, बांकीपुर, कुम्हरार, दानापुर और पटना सिटी विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे मामले सबसे अधिक हैं। जबकि, ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश मतदाताओं ने आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ आवेदन किया था। आपको बता दें कि जिन मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची में थे, उन्हें किसी भी तरह के दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं है। अगर उन्होंने पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान सत्यापन प्रपत्र भर दिया है, तो उनका नाम बिना कोई अतिरिक्त प्रमाण पत्र जमा किए अंतिम सूची में शामिल कर लिया जाएगा।

कोई एक प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य

सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र।

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी पासपोर्ट, मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र।

केंद्र-राज्य सरकार के नियमित कर्मचारी-पेंशनभोगी को जारी पहचान पत्र या पेंशन आदेश।

1 जुलाई 1987 से पहले किसी बैंक, डाकघर, एलआईसी या अन्य सरकारी संस्थान द्वारा जारी पहचान पत्र।

स्थायी निवास प्रमाण पत्र।

जाति प्रमाण पत्र।

राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का विवरण।

परिवार रजिस्टर।

भूमि-मकान आवंटन प्रमाण पत्र।

आपदा से बचाव के लिए सूर्यपुरा में जागरूकता अभियान

रोहतास। जिले के सूर्यपुरा में आपदा प्रबंधन को लेकर आम जनता को सजग करने के लिए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। बिहार सरकार के आपदा विभाग के तत्वावधान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सूर्यपूरा प्रखंड मुख्यालय स्थित छोटका पोखरा और बड़ा तालाब स्थित सूर्य मंदिर के पास कार्यक्रम आयोजित किया गया। पटना से आए स्पाइन इंटरनेशनल अनिशाबाद के कलाकारों ने मनोरंजन के माध्यम से लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से बचने के उपाय बताए। कलाकारों ने विशेष रूप से वज्रपात और आग से बचने के उपाय नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि बरसात के समय घर से न निकलें। लोहे के बजाय लकड़ी के डंडे वाले छाते का इस्तेमाल करें। बारिश के समय मोबाइल और टेलीविजन बंद कर दें। कलाकारों ने महिलाओं को सलाह दी कि बारिश के समय गैस सिलेंडर बंद कर दें। तेज हवा के कारण चिंगारी निकलने का खतरा रहता है। भोजपुरी भाषा में मनोरंजक अंदाज में विभिन्न आपदाओं से बचाव के उपाय बताए गए। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया प्रमोद कुमार और कई वार्ड सदस्य उपस्थित थे। कलाकार टीम की रागिनी कुमारी ने बताया कि यह जागरूकता अभियान हर पंचायत के प्रत्येक गांव में चलाया जा रहा है। सूर्यपुरा में दो स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। टेलीविजन और कला के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव की जानकारी दी जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

तेज रफ्तार थार ने सड़क किनारे खड़े 4 लोगों को रौंदा, महिला की मौत, 3 घायल

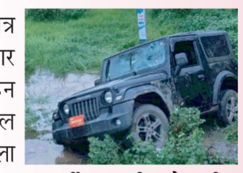

रोहतास। जिले के काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुआं पेट्रोल पंप के पास रविवार को एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहन ने सड़क किनारे खड़े चार लोगों को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक 3 वर्षीय बच्ची समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृत महिला की पहचान इंदू देवी पत्नी ह्दयानंद पंडित के रूप में की गई है। घायलों में मोहम्मद सलीमुद्दीन, मोहम्मद सलीम और पवन शामिल हैं। यह भीषण हादसा पास के पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि एक महिला सड़क के काफी किनारे चल रही थी, जबकि तीन अन्य लोग पेट्रोल पंप के पास स्कूटी खड़ी कर आराम कर रहे थे। तभी तेज गति से आई थार ने सभी को कुचल दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने बिक्रमगंज-डेहरी मुख्य मार्ग को घंटों जाम कर दिया। इससे पहले उन्होंने थार के चालक और उसके साथ सवार दो अन्य लोगों को पकड़कर जमकर पिटाई की और फिर उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि तीनों नशे की हालत में थे। सूचना मिलते ही काराकाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि जाम हटाने और प्रदर्शन कर रहे लोगों को शांत कराने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रशासन ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोग शांत हुए।

रेलवे जमीन पर कब्जा कर बना रहे दुकानें, माफिया और अधिकारियों की मिलीभगत से जारी अवैध धंधा

मोतिहारी। इंडो-नेपाल बॉर्डर पर स्थित मोतिहारी के घोड़ासहन इलाके में रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा का खेल खुलेआम जारी है। यहां छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े-बड़े भू-माफिया तक रेलवे की कीमती जमीन पर गिद्ध दृष्टि जमाए बैठे हैं। शुरूआती तौर पर माफिया झुग्गियां बनाकर कब्जा शुरू करते हैं और धीरे-धीरे पक्की दुकानें, लोहे के मकान और किरायेदारों से पगड़ी लेकर बड़ा कारोबार खड़ा कर लेते हैं।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, करीब एक एकड़ से अधिक रेलवे जमीन पर कब्जा हो चुका है। माफिया पहले अस्थायी छतरी लगाकर दुकानें कम किराये पर देते हैं, फिर झुग्गी बनाकर उससे भी अधिक किराया वसूलते हैं। अब तो लोहे के स्ट्रक्चर डालकर दो-दो लाख रुपये की पगड़ी लेकर दुकानदारों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है। इतना ही नहीं, इन माफियाओं द्वारा बाकायदा बॉन्ड पेपर पर किरायनामा तैयार किया जा रहा है और कई मामलों में तो रेलवे की जमीन को बिक्री करने तक की कोशिशें भी सामने आई हैं। इस पूरे अवैध खेल में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और रेल प्रशासन की मिलीभगत की भी बात सामने आ रही है रेलवे के कुछ अधिकारियों को पहले से ही कथित ह्यसहयोग राशिह्व पहुंचा दी जाती है, जिससे वे इन अवैध गतिविधियों पर आंख मूंद लेते हैं। जब कभी रेलवे के वरीय अधिकारी निरीक्षण करने आते हैं, तो थोड़ी देर के लिए गतिविधियां थम जाती हैं, लेकिन उनके जाते ही फिर से कब्जा शुरू हो जाता है। घोड़ासहन बाजार में कई दुकानदार अब इन जमीनों को अपनी संपत्ति बताकर दावा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कई बार जमीन की पैमाइश भी हुई, लेकिन मामला दबा दिया गया। इस संबंध में पूछे जाने पर आरपीएफ इंस्पेक्टर एके चौधरी ने जवाब देने से बचते हुए कहा कि यह मामला रेलवे इंजीनियरिंग विभाग से जुड़ा है, उनसे बात करें। वहीं, रेलवे इंजीनियरिंग विभाग के एईएन ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है।

काराकाट से चुनाव लड़ सकती हैं पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह

पटना। भोजपुरी फिल्मों के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत कर सकती हैं। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, वे औरंगाबाद जिले के नबीनगर या रोहतास जिले के डेहरी व काराकाट सीटों में से किसी एक से चुनाव लड़ने की घोषणा शीघ्र ही कर सकती हैं। राजनीतिक गलियारों में पहले से ही ज्योति सिंह की सक्रियता को देखते हुए इन तीनों सीटों पर उनके चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब उनके करीबियों का कहना है कि सीट तय करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और जल्द ही वह खुद इस पर सार्वजनिक घोषणा करेंगी।ज्योति सिंह ने पिछले कुछ महीनों में नबीनगर, डेहरी और काराकाट विधानसभा क्षेत्रों में लगातार दौरे किए हैं। गांव-गांव और पंचायत स्तर पर जनसंपर्क करते हुए उन्होंने महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों से सीधा संवाद किया है। खासकर काराकाट में उन्होंने खुद को क्षेत्र की बेटी बताया और लोगों के दुख-दर्द में शामिल होकर भरोसे की नींव रखी है।

मुंगेर में राजद छोड़ 50 युवाओं ने थामा भाजपा का दामन

मुंगेर। जिले में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में राजनीतिक हलचल देखने को मिली। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुंगेर विधायक प्रणव कुमार उपस्थित रहे, जहां राष्ट्रीय जनता दल (राजद) छोड़कर 50 से अधिक युवा कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस सामूहिक सदस्यता ग्रहण का नेतृत्व रोनित यादव ने किया।कार्यक्रम में भाजपा में शामिल हुए युवाओं का स्वागत पार्टी पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से किया। इस अवसर पर रोनित यादव ने कहा, ह्लहम पहले छात्र राजद से जुड़े थे और छात्र हितों के लिए काम कर रहे थे, लेकिन समय के साथ महसूस हुआ कि राजद पार्टी केवल मुस्लिम और यादव वोट बैंक तक सीमित रह गई है। समाज के अन्य वर्गों के लिए वहां कोई स्थान नहीं है।ह्वउन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "सबका साथ, सबका विकास" के मूल मंत्र ने उन्हें और उनके साथ आए युवाओं को भाजपा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब वे आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को जिताने के लिए जिले से लेकर गांव तक मेहनत करेंगे। कार्यक्रम का संचालन दीपक यादव ने किया, जिन्होंने भाजपा के मूल विचार और संगठनात्मक संरचना पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विधायक प्रणव कुमार ने कहा, ह्लभाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। इसका उद्देश्य केवल सत्ता नहीं बल्कि हर वर्ग को साथ लेकर राष्ट्र के विकास की दिशा में काम करना है। हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा में शामिल हुए सभी युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी में हर कार्यकर्ता का सम्मान होता है और कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत हैं।

बिहार में बरसात दिखा रही तांडव

बक्सर की गलियों में नाव, समस्तीपुर में डायवर्जन बहाः 3 जिलों में बारिश, 6 में हेवी रेन का अलर्ट

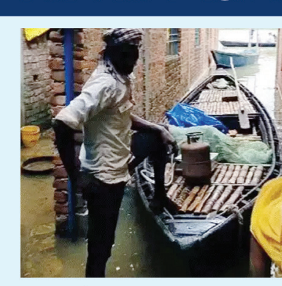

पटना। सीवान, मोतिहारी, दरभंगा में तेज बारिश शुरू हो गई है। छपरा में भी सुबह हल्की बारिश हुई। नालंदा, पटना. जमुई, बक्सर, लखीसराय, पूर्णिया में सुबह से बादल छाए हैं। आज भी इन जिलों में बारिश के आसार हैं। समस्तीपुर में तेज बारिश में वारिसनगर प्रखंड में समस्तीपुर-हथौड़ी पथ भादोघाट पुल के पास डायवर्जन बह जाने से लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। लखीसराय में बारिश के बाद सदर अस्पताल में पानी भर गया। बक्सर में गंगा की सहायक नदियां उफान पर हैं। जिले के बनारपुर गांव में नदियों का पानी गली-मोहल्लों तक पहुंच गया है। जिले के हालात ऐसे हैं कि गलियों में नाव चल रही है। घरों में 3 फीट तक पानी भरा है। लोग छत पर खाना बनाने को मजबूर हैं। बांका में बांध टूटने से खेतों में पानी भर गया, जिससे फसलों को काफी नुकसान हुआ है। बीते दिन पटना, पूर्णिया में समेत 13 जिलों में जोरदार बारिश हुई। पूर्णिया में बारिश ने पिछले 5 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहां बीते दिन 115mm बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार यानी आज सीवान समेत 6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। जबकि पटना समेत 32 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। बारिश के साथ ही 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है। आकाशीय बिजली गिरने को लेकर विशेष रूप से चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे में प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बारिश और बिजली गिरने का खतरा बना रहेगा। 6 अगस्त के बाद से मौसम साफ होने की उम्मीद है। पिछले 24 घंटे में बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। समस्तीपुर में 2 बच्ची, औरंगाबाद में 2 छात्रा, बांका में एक चरवाहे की जान चली गई। जमुई में भी 1 सफाई कर्मी की मौत हुई है। वहीं भागलपुर में एक शख्स की जान गई है। पूर्णिया में रविवार शाम से भारी बारिश हो रही है। इस दौरान 2 घंटे की मूसलाधार बारिश ने पिछले 5 साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तेज हवा और गर्जन के साथ हो रही बारिश से जगह-जगह जलजमाव की स्थिति बन गई है। नगर निगम क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति है। मौसम विभाग के मुताबिक 3 अगस्त की शाम 4 से 6 बजे के बीच 2 घंटे में 115 टट बारिश दर्ज की गई। शहर के टैक्सी स्टैंड रोड स्थित पतंजलि मेगा स्टोर, शास्त्रीनगर और भट्टा बाजार इलाके के कई घरों में पानी घुस गया है। इससे पहले साल 2020 में 2 घंटे में 117 टट के आसपास बारिश दर्ज की गई थी। पिछले 24 घंटे के दौरान को पटना समेत 13 जिलों में भारी बारिश हुई। बारिश के कारण राजधानी के कई इलाकों में हालात बिगड़ गए। पटना जंक्शन, पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन, गांधी मैदान में सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी जमा हो गया है। बक्सर में हाईवे पर नदी का पानी बहने लगा। मुंगेर, बांका और भागलपुर में बाढ़ जैसे हालात बन गए। सीवान में दो दिन से हो रही लगातार बारिश के बाद सीवान-पटना मुख्य मार्ग पर सहलौर गांव के पास विशाल पेड़ टूट कर सड़क पर गिर गया है। जिससे लंबा जाम लग गया है। बक्सर के ब्रह्मपुर चौरसता के पास बारिश से सड़क पर जल जमाव होने से लोग परेशान हैं। राजद कार्यकताओं ने सड़क पर धान की रोपनी कर विरोध जताया।

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज़्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की ज़रूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताज़ा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज़ से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आज़माएँ और अपने घर को एक नया और ताज़ा एहसास दें।

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

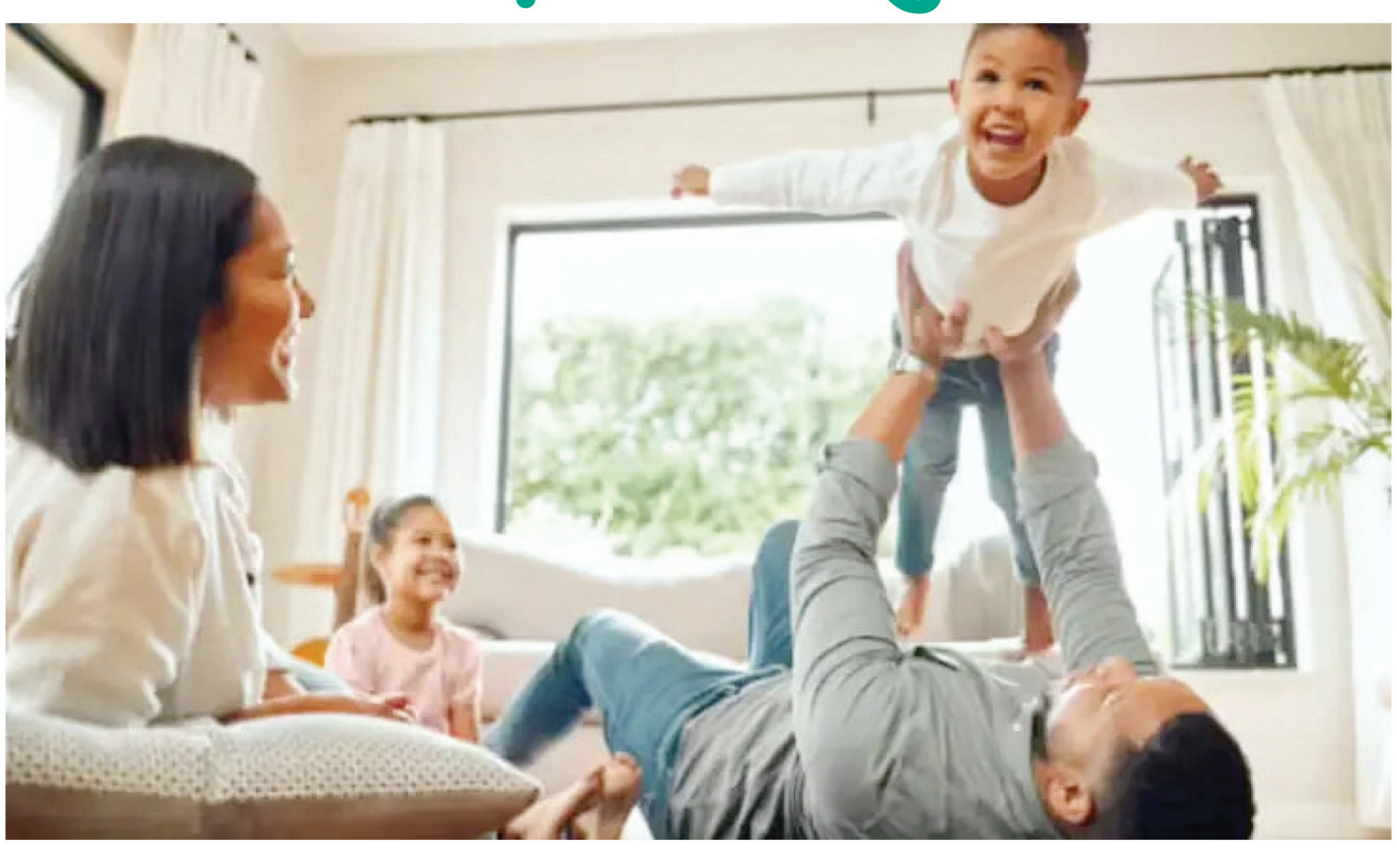

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट — गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1. हर चीज़ की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2. वन इन, वन आउटफ रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज़ को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4. स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइज़र डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5. साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े - जो भी ज़रूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6. रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7. नो डंप जोनफ बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

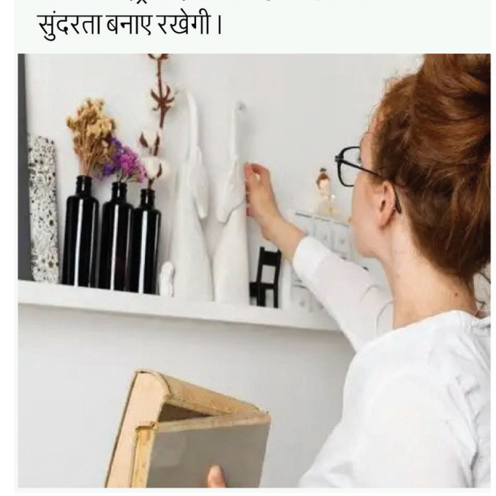

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोज़मर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीज़ें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीज़ें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमज़ोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीज़ें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीज़ें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है - क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को हराया, सीरीज बराबर

लंदन (एजेंसी)। भारत ने उतार-चढ़ाव से भरे बेहद रोमांचक पांचवें और अंतिम टेस्ट के पांचवें दिन सोमवार को यहां मोहम्मद सिराज के करिश्माई प्रदर्शन से इंग्लैंड को 6 रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी जिसे क्रिकेट की दो दिग्गज टीमों के बीच बेहद कड़े मुकाबले के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।

सिराज ने तूफानी गेंदबाजी का नजारा पेश करते हुए 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और टीम की जीत के नायक साबित हुए। उन्होंने श्रृंखला में कुल 23 विकेट चटकाए और दोनों टीमों में सबसे सफल गेंदबाज रहे। भारत के 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चौथे दिन जब छह विकेट पर 339 रन बनाए थे जब खराब रोशनी और बारिश के कारण खेलना रोकना पड़ा था। इंग्लैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 35 रन जबकि भारत को चार विकेट की दरकार थी।

सिराज की अगुआई में भारत ने हालांकि इंग्लैंड को 85.1 ओवर में 367 रन पर समेट दिया और रोमांचक जीत दर्ज की। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी 126 रन देकर 4 विकेट चटकाए। कंधे में चोट बावजूद क्रिस वोक्स एक हाथ में बल्ले थामे अंतिम बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे और काफी दर्द के बावजूद मैदान पर डटे रहे लेकिन अंततः सिराज ने गस एटकिंसन (17) को बोल्ड करके भारत को जीत दिला दी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला मैच पांच विकेट से जीत दर्ज की थी जबकि भारत ने बर्मिंघम में जोरदार वापसी करते हुए दूसरा टेस्ट 336 रन से जीता था। लार्ड्स में तीसरे टेस्ट में मेजबान टीम ने 22 रन की रोमांचक जीत दर्ज की जबकि मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। इसके बाद भारत ने जो रूट और हैरी ब्रूक की शतकीय पारियों के बावजूद चौथी शाम चार विकेट चटकाकर जोरदार वापसी की और फिर श्रृंखला के अंतिम दिन जीत दर्ज की।

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत की सरल योजना का खुलासा किया

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लंदन के ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला बराबर की। पारी में 5 और मैच में कुल 9 विकेट लेकर जीत के सूत्रधार रहे मोहम्मद सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच मिला। जीत के बाद सिराज ने योजना का खुलासा किया जो इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए बनाई थी।

सिराज ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बहुत अच्छा लग रहा है। हम पहले दिन से ही कड़ी टक्कर देना चाहते थे और यह नतीजा देखकर बहुत अच्छा लगा। हमारी योजना थी कि इसे सरल रखा जाए और एक ही जगह पर गेंद डाली जाए। आज जब मैं उठा तो मुझे विश्वास था कि मैं आज यह कर सकता हूं। अगर मैंने वह कैच ठीक से पकड़ा होता, तो शायद हमें आज यहां आने की जरूरत ही न पड़ती। लेकिन ब्रूक ने वाकई बहुत अच्छा खेला। यह दिल तोड़ने वाला पल था। वह बस मुझे गेंद को बीच में रखने के लिए कह रहे थे। अपने पिता को और यहां तक पहुंचने के लिए की गई आपकी कड़ी मेहनत को याद करो।'

गौर हो कि भारत ने टॉस हारने के बाद पहली पारी में करुण नायर के अर्धशतक (57) की बदौलत 224 रन बनाए। नायर के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज पहली पारी में चल नहीं सका। लेकिन मोहम्मद सिराज (4) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 247 पर रोक दिया जिसमें जैक क्रॉली और हैरी ब्रुक ने अर्धशतक लगाए।

इंग्लैंड द्वारा मामूली बढ़त (23) के बाद भारत ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के शतक (118) और आकाशदीप (66), रविंद्र जडेजा (53) तथा वाशिंगटन सुंदर (53) के अर्धशतकों की बदलौत 396 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम की शुरूआत खराब रही लेकिन हैरी ब्रुक ने 19 रन पर मिले जीवनदार का फायदा उठाते हुए जो रूट (105) के बाद शतकीय पारी (ब्रुक 111) खेली। लेकिन करीबी मुकाबले में भारत ने मोहम्मद सिराज (5) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत 6 विकेट से जीत दर्ज की।

सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद फिट होने के लिए एनसीए पहुंचे, एशिया कप की तैयारी शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) में है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में पुनर्वास और फिटनेस आकलन के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर में रिपोर्ट की थी। पूरी तहर फिट न होने के कारण उन्हें पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने दलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार ने उन्हें सूचित कर दिया था कि उन्होंने सीओई जांच करा ली है।

म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद वह पुनर्वास की प्रक्रिया में है। सूर्यकुमार का अगला बड़ा टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक UAE में होने वाला एशिया कप है। इस तेजतररर टी-20 बल्लेबाज से इस टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करने की उम्मीद है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों के अनुसार उन्हें इस आयोजन से पहले पूरी तरह फिट होने का भरोसा है। उन्हें आखिरी बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए देखा गया था।

इस बीच पता चला है कि श्रेयस अय्यर पिछले हफ्ते फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं। एशिया कप के लिए चुने जाने तक, उन्हें दलीप ट्रॉफी में खेलना चाहिए।

अय्यर आखिरी बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखे गए थे। आईपीएल के बेहद सफल सीजन के बाद एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में उनके शामिल होने की काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अपेक्षित चयन नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी मैच 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगे, लेकिन पश्चिम क्षेत्र की टीम जिसे सीधे सेमीफाइनल में जगह दी गई है। अपना पहला मैच चार सितंबर से खेलेगी।

फरहान और अयूब का शानदार प्रदर्शन, पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज जीती

फ्लोरिडा (अमेरिका) (एजेंसी)। साहिबजादा फरहान और सैम अयूब के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने सोमवार को फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा और अंतिम टी20 मैच 13 रनों से जीतकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम अयूब और साहिबजादा फरहान की सलामी जोड़ी ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 47 रन जोड़कर पाकिस्तान को शानदार शुरुआत दिलाई।

उन्होंने लय बरकरार रखी और पारी के मध्य तक टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 82 रन तक पहुंचाकर पाकिस्तान का दबदबा और बढ़ा दिया। फरहान ने अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया। अयूब ने भी अपने साथी के साथ मिलकर अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और पाकिस्तान के लिए 100 रनों की शुरुआती साझेदारी पूरी की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 रन जोड़े, इससे पहले कि शमर जोसेफ ने 17वें ओवर में फरहान को 74 रन पर आउट कर दिया। हसन नवाज ने रोस्टन चेज की गेंद पर अपना विकेट गंवाने से पहले कुछ बड़े शॉट खेले, इसके बाद हारिस रन आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की। खुशदिल शाह और फहीम अशरफ ने अंतिम ओवर में 19 रन ठोक डाले और पाकिस्तान ने अपनी पारी 189/4 पर समाप्त की।

जवाब में 190 रनों का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज एलिक अथानाजे और जेरलानी एंड्रयू ने भी अपनी टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े, इससे पहले कि हारिस राउफ ने 5वें ओवर में एंड्रयू को 24 रन पर आउट कर दिया। कप्तान शाई होप का बल्ले से रनों का सूखा जारी रहा और 9वें ओवर में मोहम्मद नवाज ने उन्हें सात रन पर आउट कर दिया।

अथानाजे ने 11वें ओवर में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया, उन्होंने अपने कुल स्कोर में 10 रन और जोड़े, इससे पहले कि अगले ओवर में अयूब ने उन्हें 60 रन पर आउट कर दिया। रोस्टन चेज ने 15 रन बनाए लेकिन वे रन नहीं बना पाए और 18 गेंदों में जीत के लिए 41 रन शेष रहते रिटायर हो गए। शेरफेन रदरफोर्ड ने 35 रनों पर महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया और अपनी टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन घरेलू टीम अंततः लक्ष्य से 13 रन पीछे रह गई। फरहान को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि नवाज को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

यश ढुल ने डीपीएल 2025 का पहला शतक जड़ सेंट्रल दिल्ली किंग्स को दिलाई जीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल 2025) के दूसरे दिन का पहला मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 8 विकेट से मात दी। यह मैच 3 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले के हीरो रहे युवा बल्लेबाज यश धुल, जिन्होंने सीजन का पहला शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। 175 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। सलामी बल्लेबाज यश धुल ने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए महज 55 गेंदों पर शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में कुल 15 चौके-छक्के (8 चौके और 7 छक्के) जड़े। यश धुल ने 56 गेंदों में 101 रन बनाए और 180.36 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 17.3 ओवर में ही 177 रन बना लिए और 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यश के अलावा युगल सैनी ने भी उपयोगी योगदान दिया और 24 गेंदों में 36 रन बनाए। वहीं कप्तान जोंटी सिद्धू 19 गेंदों पर 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से दोनों विकेट कुलदीप यादव ने चटकाए, लेकिन बाकी गेंदबाज बिखरे नजर आए।

दलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास करेंगे श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इसी माह शुरु होने जा रही दलीप ट्रॉफी में अब श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और सरफराज खान जैसे क्रिकेटर भी खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम से बाहर चल रहे श्रेयस का प्रयास घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का टीम इंडिया में वापसी करना है। इसी को देखते हुए श्रेयस ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए अपने को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी। श्रेयस के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी इसके लिए अपने को उपलब्धत बताया है। इन क्रिकेटरों ने मुंबई क्रिकेट संघ को अपने खेलने की जानकारी दे दी है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। वहीं सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5अर्धशतक और एक शतक लगाया है। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल गेंद वाला क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिली थी। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले सात टीम से बाहर कर दिया गया था हालांकि इस बार उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी मिल गय है। जिससे अब वह घरेलू क्रिकेट में और बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना चाहते हैं।

रूट घरेलू धरती पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बने

ओवल। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। रुट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों में 12 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक है। इसी के साथ ही रूट घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 24वां टेस्ट शतक लगाकर शीर्ष पर पहुंच गये। रूट ने इस शतक के साथ ही श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस का रिकार्ड तोड़ा। इन तीनों ने ही अपने धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 23-23 शतक लगाये हैं। रूट ने इसके अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ा है। संगकारा इससे पहले टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर थे लेकर अब वह पांचवें स्थान पर फिसल गये हैं। संगकारा ने कुल 38 टेस्ट शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम 51 शतक का है। उसके बाद जैक कैलिस के नाम 45 और पोंटिंग के नाम 41 शतक हैं। रूट ने इसके अलावा भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की बराबरी की है। रूट और स्मिथ ने भारत के सामने 16-16 शतक लगाये हैं। रूट ने भारत के खिलाफ 13 टेस्ट शतक लगाये हैं। वह एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब तक केवल भारतय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम ही ये रिकार्ड था। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 13 टेस्ट शतक जड़े थे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय पुरूष हॉकी टीम का ऐलान, युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर 15 अगस्त से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में 24 सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम का ऐलान किया है जिसमें कर्नाटक के पूवन्ना सीबी नया चेहरा होंगे। अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है जो 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा। इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत के ही पास है जबकि गोलकीपिंग का जिम्मा कृशन पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और नए खिलाड़ी कर्नाटक के पूवन्ना होंगे। मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है जिनकी अक्सर तुलना पूर्व कप्तान सरदार सिंह से होती है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

एशिया कप से पहले इस दौरे की अहमियत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हमारा फोकस शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा।' टीम में युवा खिलाड़ियों को चुने जाने के बारे में उन्होंने कहा, 'हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने और जरूरी एक्सपोजर देने के लिए चुना है।' भारतीय टीम 8 अगस्त को बेंगलुरू से ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी जहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर शिविर चल रहा है।

टीम - गोलकीपर : कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित , जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह , पूवन्ना सीबी

मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे

राजगीर में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप नजर आयेंगी शीर्ष खिलाड़ी

पटना। बिहार के राजगीर स्टेडियम में आने वाले दिनों में एशिया के शीर्ष रग्बी खिलाड़ी खेलते हुए नजर आयेंगे। इन देशों की टीम लेगी। यहां इसी माह 9 और 10 अगस्त को होने वाली एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें भारत के अलावा हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल के रग्बी खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर रग्बी इंडिया के प्रेसिडेंट राहुल बोस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रौत्सान के कारण ही बिहार में रग्बी जैसे खेल को भी विकसित होने का अवसर मिला है। 9 और 10 अगस्त को होने वाले इस अंतरराष?ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए 7 अगस्त से ही टीम राजगीर पहुंचने लगेंगी। साथ ही कहा कि राजगीर में आने वाले खिलाड़ियों का भव्य स्वागत होगा। वहीं 8 अगस्त को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग उद्घाटन समारोह रखा गया है। इस टूर्नामेंट में एशिया के 32 रग्बी खेलने वाले देशों में से केवल शीर्ष 12 रैंकिंग वाली टीमें ही शामिल हो रही हैं। ऐसे में यहां बेहद रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। यह आयोजन बिहार के लिए इसलिए भी विशेष है, क्योंकि रग्बी यहां 14 प्राथमिकता वाले खेलों में शामिल है। हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम ने रजत पदक जीता था। रग्बी चैम्पियनशिप से राज्य के उभरते हुए खिलाड़ियों को भी प्रौत्साहन मिलेगा।

ओली को कप्तानी के योग्य नहीं मानते वॉन , बोले हैरी को दें जिम्मेदारी

ओवल। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ जारी पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसी मांग कर दी जिससे सभी हैरान हो गये। वॉन ने कहा कि ओली पोप टीम की कप्तानी करने के योग्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें हटा दिया जाना चाहिये। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स के चोटिल होने के कारण इस मैच में ओली इंग्लैंड टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ओली वैसे तो पहले भी टेस्ट मैच में कप्तानी कर चुके हैं पर वॉन उन्हें इस भूमिका के काबिल नहीं मानते। इस पूर्व कप्तान वॉन के अनुसार ऑली की जगह प हैरी ब्रूक को कपतान बनाया जाना चाहिये। वॉन ने इंग्लैंड के लिए 51 टेस्ट में कप्तानी की है, जिसमें से वह 26 में जीते थे। वॉन के अनुसार हैरी अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने केवल 30 टेस्ट में 9 शतक लगाये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के चौथे दिन शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर हालत में पहुंचाया। उनकी पारी की बदौलत ही इंग्लैंड टीम 6 विकेट पर 339 रन बना पायी। से महज 35 रन दूर है. वॉन ने कहा, 'हैरी ब्रूक, मुझे एक लीडर की तरह दिखते हैं।' इस क्रिकेटर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड का सीमित ओवरों के लिए कप्तान बनाया गया था। वहीं वॉन से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं ओली को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता हूं जो शानदार उप-कप्तान हैं। वे कप्तान को सलाह देने के लिए एक शानदार व्यक्ति हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि उप-कप्तान शानदार कप्तान नहीं होते। जैसे मार्कस ट्रेस्कोथिक मेरे लिए बेहतरीन उप-कप्तान थे पर वह कप्तानी नहीं कर पाये।'

अमन कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में डेब्यू के लिए तैयार, सुजीत ने भी बनाई भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत (57 किग्रा) को विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में कोई खास चुनौती नहीं मिली तो वहीं सुजीत कलकल ने शानदार कौशल दिखाते हुए सोमवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। क्रोएशिया के जगरेब में अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतने के बाद सहरावत का विश्व स्तर का दूसरा टूर्नामेंट होगा। इस 22 साल के पहलवान ने जून में प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करते हुए मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता था। वह हालांकि यहां ट्रायल में मंगोलिया की तुलना में कहीं बेहतर नजर आये। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में सुमित के खिलाफ मात्र एक अंक गंवाने के बाद शुरुआती पीरियड में ही तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में राहुल को एकतरफा अंदाज में बिना कोई अंक गवायें तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी। अमन ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आया हूं। मेरी फिटनेस अच्छी है और मेरी लय भी वापस आ गई है। मैं विश्व चैंपियनशिप के लिए तैयार हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कुछ गलतियां की थी लेकिन वह एक साल बाद मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मुझे लगता है कि मैंने इतना बुरा प्रदर्शन नहीं किया था, मैं एक समय 11-6 से आगे भी चल रहा था, लेकिन मैं उस हार (मंगोलिया में) को स्वीकार करता हूं।''

इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती, राहुल ने इंग्लैंड पर जीत के बाद दिया पहला बयान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे पांचवें टेस्ट मैच में भारत की यादगार जीत के बाद टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल लोकेश राहुल ने सोमवार को इसे अपने अब तक के करियर की सबसे यादगार श्रृंखला करार दिया। इस मैच से पहले श्रृंखला में 2-1 से आगे इंग्लैंड को आखिरी दिन मैच और श्रृंखला जीतने के लिए 35 रन की जरूरत थी। भारत के सामने चार विकेट लेने की मुश्किल चुनौती थी। मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 367 रन पर आउट कर छह रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के दौर पर 532 रन बनाने वाले राहुल ने कहा, 'यह जीत मेरे लिए सब कुछ है। मैं पिछले कई साल से क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहा हूं। मैंने टीम को विश्व कप ट्रॉफी उठाते हुए देखा है लेकिन इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है।' श्रृंखला के सभी मैच पांचवें दिन तक चले और क्रिकेट जगत ने इसे पांच मैचों की सबसे रोमांचक श्रृंखला में एक करार दिया। राहुल ने कहा, 'पिछले काफी समय से इस बात पर चर्चा हो रही है कि टेस्ट क्रिकेट का भविष्य क्या होगा लेकिन हमने जिस तरह से खेला है, उससे हमने उन सभी सवालों का जवाब दे दिया है।'

उन्होंने टीम के युवा खिलाड़ियों के जज्बे की तारीफ की। इस श्रृंखला से पहले हमें जीत का दावेदार नहीं माना जा रहा था लेकिन हमने हर मैच में संघर्ष किया और श्रृंखला को 2-2 से बराबर करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, 'यह श्रृंखला भले ही ड्रॉ रही हो लेकिन हमने हर मैच में जज्बा दिखा। यह भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए, यह सबसे ऊपर रहेगा और यहीं से बदलाव की शुरुआत होती है।'

राहुल ने कहा कि यह सिर्फ आगाज और यह टीम भविष्य में कई श्रृंखलाएं जीतेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम श्रृंखला में जीत की दावेदार नहीं थी लेकिन उसने हर मैच में इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम भविष्य में कई मैच और श्रृंखला जीतेगी। टीम में रोहित (शर्मा), विराट (कोहली) और रविचंद्रन (अश्विन) की गैरमौजूदगी के बारे में सोच कर मैं दो सप्ताह तक चिंतित था। मैं अचानक से अलग तरह की भूमिका में आ गया था। हर कोई मुझे से इंग्लैंड की परिस्थितियों के बारे में पूछ रहा था।'

उन्होंने गिल की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा, 'गिल ने शानदार तरीके से कप्तानी की। वह खिलाड़ियों से शानदार तरीके से घुलमिल गए। वह रणनीतिक तौर पर शानदार थे, उन्होंने गेंदबाजी में कुछ शानदार बदलाव किए जिससे हम विकेट लेने में सफल रहे। वह शानदार टेस्ट कप्तान बनेंगें।'

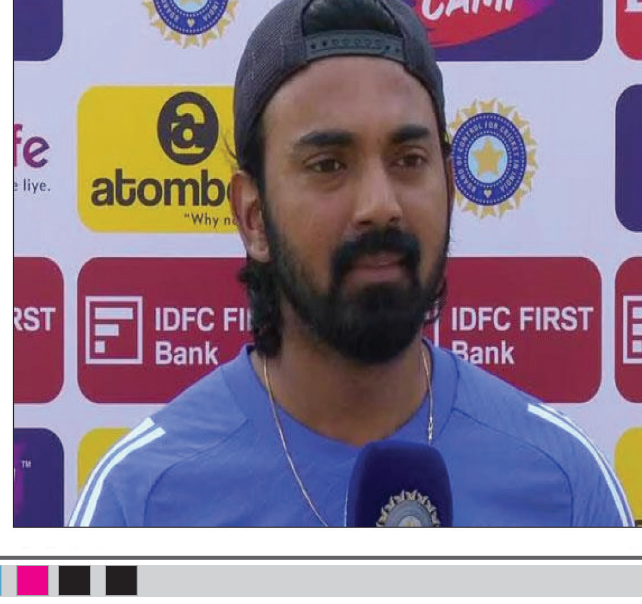

कांग्रेस सांसद सुधा सुबह सैर पर निकलीं....बाइक सवार ने गले से सोने की चेन छीन ली

-घटना के बाद सांसद ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस सांसद सुधा रामकृष्णन के साथ चेन छीनने की घटना सामने आई है। यह वारदात चाणक्यपुरी इलाके में सोमवार सुबह करीब 6-15 बजे हुई। सांसद रामकृष्णन, जो तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से हैं, अपने साथी सांसद डीएमके की रजती के साथ पोलिश दूतावास के पास टहल रही थीं, तभी स्कूटर सवार एक बदमाश ने उनकी चेन छीन ली। बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था, इसकारण उसका चेहरा छिपा हुआ था। घटना में कांग्रेस सांसद रामकृष्णन की गर्दन पर चोट आई है और उनके कपड़े भी फटे है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा है। दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में कई टीमें तैनात की हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चश्मदीदों से भी पूछताछ कर रही है। तमिलनाडु भवन और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सांसद सुधा ने पत्र में बताया कि वे पिछले एक साल से नई दिल्ली में तमिलनाडु हाउस (कमरा नंबर 301) में रह रही हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक आधिकारिक आवास नहीं मिला है। वे नियमित रूप से संसदीय कार्यवाही और समिति बैठकों में भाग लेती हैं। सुधा ने बताया कि समय मिलने पर वह सुबह की सैर के लिए निकलती हैं। 4 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे सुधा और राज्यसभा की एक अन्य सांसद सैर के लिए निकलीं। पोलैंड दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास एक अज्ञात व्यक्ति, जो हेलमेट पहने हुए स्कूटी चला रहा था, ने उनकी सोने की चेन झपट ली। सांसद ने बताया कि स्कूटी सवार धीरे-धीरे विपरीत दिशा से आया, जिसके कारण उन्हें कोई शक नहीं हुआ। झपटमारी से उनकी गर्दन पर कुछ निशान भी पड़ गए। उन्होंने खत में लिखा है कि इस अचानक हुई वारदात से वे चोटिल हुईं। वह किसी तरह गिरने से बच गईं। इसके बाद दोनों सांसदों ने मदद की गुहार लगाई।

नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस बढ़ाएगी जांच का दायरा, नेपाल सीमा तक

-अयोध्या में आरोपी अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुके

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में पकड़ी गई नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस नेपाल तक जांच का दायरा बढ़ा रही है। 31 जुलाई को रामजन्मभूमि पुलिस ने पूर्वी चंपारण जिले के राजाबाबू को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 5,000 रुपये के नकली नोट बरामद हुए थे। उसके भाई राज बाबू और पिता संजय बाबू की तलाश जारी है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि राजाबाबू के पिता संजय नेपाल से नकली नोट लाकर उन्हें उपलब्ध कराते थे, जिन्हें राजाबाबू और राज धार्मिक स्थानों पर खपाते थे। यह गिरोह 2023 से सक्रिय है और अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुका है। राजाबाबू की गिरफ्तारी हनुमानगढ़ी क्षेत्र में आदर्श सोनी की दुकान पर हुई, जहाँ राजा ने नकली 500 रुपये का नोट चलाया था। दुकानदार को संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राजाबाबू को तोताद्रि मठ के रास्ते से पकड़ा गया, जबकि उसका भाई राज फरार हो गया। मामले में पुलिस टीम का गठन किया है, जो नेपाल और उससे सटे बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पड़ताल करेगी ताकि नकली नोट तस्करी के तार और वांछितों का पता लगाया जा सके। पुलिस बिहार से आरोपितों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाएगी।

निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीद हो रही कम, पीड़ित के भाई ने फांसी की मांग की

-अटॉर्नी जनरल और जज को पत्र लिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। निमिषा को 16 जुलाई 2025 को ही फांसी मिलनी थी लेकिन भारत के एक मुस्लिम धर्मगुरु के हस्तक्षेप के बाद सजा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया। निमिषा को जिस यमनी नागरिक की हत्या के मामले में फांसी होनी है, अब उसके भाई ने पत्र लिखकर मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द सजा दी जाए। मृतक के भाई ने पत्र में साफ लिखा है कि परिवार सुलह या मध्यस्थता के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। दरअसल केरल निवासी निमिषा प्रिया 2017 के मामले में फांसी की सजा का सामना कर रही हैं जिसमें उन्होंने गलती से एक यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या कर दी थी। महदी के भाई अब्दुल फत्तेह अब्दो महदी ने यमन के अटॉर्नी जनरल और जज अब्दुल सलाम अल-हूती के नाम एक पत्र लिखकर सोशल मीडिया पर साझा किया है। पत्र में मृतक के भाई ने लिखा कि उनका परिवार चाहता है, निमिषा प्रिया को फांसी दी जाए। मूल रूप से अरबी भाषा में लिखे पत्र में महदी के भाई ने लिखा है, 16 जुलाई को फांसी की सजा स्थगित करने के बाद आधे महीने से ज्यादा समय हो चुका है और फांसी की सजा की नई तारीख तय नहीं हुई है। हम पीड़िता के वारिस, बदले की सजा को लागू करने के अपने वैध अधिकार का पूरी तरह से पालन करते हैं और सुलह या मध्यस्थता के सभी कोशिशों से इंकार करते हैं। पत्र में महदी के भाई ने मांग की कि फांसी की सजा को लागू करे और फांसी की नई तारीख तय की जाए।

विदेश में नौकरी दिलाने और वीजा के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी

गांधीनगर (एजेंसी)। गांधीनगर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहाँ 10 लोगों से ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और कनाडा में परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) वीजा और नौकरी दिलाने के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी की गई है। इस धोखाधड़ी का खुलासा फर्जी दस्तावेजों के द्वारा हुआ है। मामले में मुख्य आरोपी उर्जित कवि, अहमदाबाद का निवासी।

दिल्ली पुलिस ने बंगाली भाषा को 'बांग्लादेशी' बताया, भड़की सीएम ममता

-कहा - यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और बंगाली भाषी लोगों का अपमान

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाली और बंग्लादेशी भाषा को लेकर राजनीति गरमा गई है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे गए पत्र पर आपित्त जताई। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा 3 अगस्त को लिखे गए पत्र को 'निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्रविरोधी और असंवैधानिक' बताया है। दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे पत्र में बंगाली या बांग्ला भाषा को ÷बांग्लादेशी भाषा÷ कहा था। बंगाली कलाकारों, ममता बनर्जी के साथ-साथ उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी सीपीएम (सीपीएम) समेत अन्य दलों ने भी इसका विरोध किया, साथ ही उन्होंने एक्स पर पोस्ट में देशभर के लोगों से इसका विरोध करने की अपील भी की है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि अब देखिए कैसे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में दिल्ली पुलिस बंगाली को 'बांग्लादेशी' भाषा बता रही है। बंगाली हमारी मातृभाषा है, रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद की भाषा है, वह भाषा जिसमें हमारा राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत लिखे गए हैं, वह भाषा जिसे करोड़ों भारतीय बोलते और लिखते हैं और वह भाषा जो भारत के संविधान द्वारा पवित्र और मान्यता प्राप्त है, उसे अब बांग्लादेशी भाषा बताया जा रहा है। यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और असंवैधानिक है।

ममता बनर्जी ने आगे लिखा कि यह भारत के सभी बंगाली भाषी लोगों का अपमान है। वे ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर सकते जो हम सभी को नीचा और अपमानित करे। हम भारत की बंगाली-विरोधी सरकार के खिलाफ कड़े विरोध का आग्रह करते हैं, जो भारत के बंगाली-भाषी लोगों का अपमान करने के लिए ऐसी संविधान-विरोधी भाषा का प्रयोग कर रही है।

बता दें दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली स्थित पश्चिम बंगाल के राजकीय अतिथिगृह को पत्र लिखकर बांग्लादेश से अवैध रूप से आए आठ संदिग्ध व्यक्तियों के 'बांग्लादेशी भाषा' में लिखे दस्तावेज़ों के अनुवाद में सहायता मांगी थी। पुलिस ने इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, इस वजह से इसकी प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकती है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने गृह मंत्री अमित शाह से माफी मांगने की मांग की, जिनके मंत्रालय के अंतर्गत दिल्ली पुलिस आती है।

बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर 'वोट बैंक की राजनीति' के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते कहा कि उनकी एक्स पोस्ट को 'एक बुरी तरह से रची राजनीतिक चाल' बताया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने टीएमसी पर भारतीय बंगालियों के लिए 'भय फैलाने की रणनीति' अपनाने और अवैध प्रवासियों को ÷बचाने÷ का आरोप लगाया है।

फिल्म डायरेक्टर श्रीजीत मुखर्जी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-'यह बांग्लादेशी भाषा नहीं

है÷यह बांग्ला या बंगाली है, वही भाषा जिसमें आपका राष्ट्रगान मूल रूप से लिखा गया था और यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है।' गायक सुरोजित चटर्जी ने लिखा, 'बांग्ला को बांग्लादेशी भाषा कहा गया है. ठीक इसी तरह की अज्ञानता की मैं जिम्मेदार लोगों से अपेक्षा करता हूं. बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ।

फिर दिखी आतंकियों की हलचल-कुलगाम के बाद अब हीरानगर में मुठभेड़ की आशंका, सेना अलर्ट

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में एक बार फिर आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों के संकेत मिले हैं। शनिवार को कठुआ जिले के हीरानगर क्षेत्र में दो अज्ञात लोगों की संदिग्ध मौजूदगी ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर ला दिया है। घटना हीरानगर वार्ड नंबर 13 की है, जहां खेतों में घास काटने गईं दो-तीन महिलाओं ने ढोकला क्षेत्र की झाड़ियों के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों की हलचल देखी। इन महिलाओं ने तत्परता और साहस का परिचय देते हुए तुरंत स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस, बीएसएफ और एसओजी की टीमों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सूचना मिलते ही डीएसपी अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में एसओजी टीम, थाना प्रभारी आशीष शर्मा तथा बीएसएफ के अधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे। पूरे ढोकला नर्सरी क्षेत्र की घेराबंदी कर घने खेतों, झाड़ियों और पगडंडियों में देर रात तक सघन तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, इस तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध गिरफ्त में नहीं आया और कोई ठोस सुराग भी नहीं मिले, लेकिन गश्त और सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है।

नागरिक सतर्कता बनी सुरक्षा की मजबूत कड़ी-

इस घटनाक्रम में महिलाओं की सजगता ने साबित कर दिया कि अब सीमावर्ती इलाकों के नागरिक भी देश की सुरक्षा में सजग भागीदार बन रहे हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना दें। गौरतलब है कि हीरानगर, सांबा और कठुआ जैसे इलाके पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के बार-बार घुसपैठ प्रयासों का शिकार रहे हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में ड्रोन के जरिए भेजी गई हेरोइन की खेप को जब्त किया था। 15 अगस्त के मद्देनज़र सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही अलर्ट मोड में हैं और ड्रोन या सीमा पार घुसपैठ की संभावनाओं पर नजर रखी जा रही है।

जब एयर इंडिया की फ्लाइट में टहलने लगे कॉक्रोच, यात्रियों ने की शिकायत

-कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारकर की गई सफाई, मुंबई आ रही थी फ्लाइट

जम्म (एजेंसी)। मुंबई,(ईएमएस)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट में कॉक्रोच होने की यात्रियों ने शिकायत की कि उनकी सीटों के नीचे कॉक्रोच टहल रहे हैं। इसके बाद दोनों यात्रियों को दूसरी सीटों पर शिफ्ट किया गया। कोलकाता में जब फ्लाइट उतरा तो सीटों के नीचे सफाई की गई। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि कोलकाता होकर सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जाने वाली फ्लाइट संख्या एआई180 में कॉक्रोच पाए गए थे जिसकी वजह से कुछ यात्रियों को असुविधा हुई। केबिन क्रू ने तुरंत यात्रियों के लिए दूसरी सीट की व्यवस्था की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एअर इंडिया ने कहा कि फ्लाइट ने फ्यूल भरने के लिए कोलकाता में लैंडिंग की। इसी दौरान ग्राउंड क्रू ने विमान की सफाई की। इसके बाद फ्लाइट मुंबई के लिए रवाना हुई। एयरलाइन ने कहा कि नियमित तौर पर साफ-सफाई के बावजूद ग्राउंड ऑपरेशन के दौरान कभी-कभी कॉक्रोच फ्लाइट में आ जाते हैं।

वहीं एक अन्य घटना में कोलकाता जा रहा एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान तकनीकी खराबी के कारण रविवार शाम बेंगलुरु वापस लौट आया था। जानकारी के मुताबिक एअरबस ए320 विमान द्वारा संचालित उड़ान आईएक्स2718 करीब दो घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रही और इसके बाद वापस लौट गई। 'एअर इंडिया एक्सप्रेस' के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि बेंगलुरु से उड़ा विमान तकनीकी खराबी के कारण हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। विमान ने सुरक्षित लैंडिंग से पहले ईंधन और वजन कम करने के लिए हवा में चक्कर लगा रहा। यात्रियों को कोलकाता ले जाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई।

तेजस्वी यादव को नोटिस... बिफरे पप्पू यादव ने इलेक्शन कमीशन को संदिग्ध आयोग बता दिया

भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव को दो मतदाता पहचान पत्र मामले में चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा नोटिस जारी करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम कर रहा है और यह खुद संदिग्ध आयोग बन गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अलादीन का चिराग नहीं है। उनका यह बयान तब आया जब आयोग ने तेजस्वी यादव को उनके ईपीआईसी (ईपीआईसी) कार्ड का विवरण मांगने के लिए नोटिस भेजा। सांसद यादव ने कहा कि भाजपा और मोदी जी भ्रम फैला रहे हैं। चुनाव आयोग अपने आप में एक संदिग्ध आयोग है। उन्होंने कहा है कि वे हर हाल में भाजपा के प्रवक्ता हैं।

दरअसल पटना में मौजूद निर्वाचन निबंधन अधिकारी ने तेजस्वी से उस ईपीआईसी कार्ड का विवरण देने को कहा था, जिसका जिक्र उन्होंने अपनी प्रेसवार्ता में किया था, ताकि मामले की गहन जांच हो सके। नोटिस में लिखा है कि तेजस्वी द्वारा प्रेसवार्ता में उल्लेखित ईपीआईसी नंबर आरएबी 2916120 आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया प्रतीत होता है। आयोग ने तेजस्वी से उल्लेखित ईपीआईसी कार्ड का विवरण (मूल प्रति सहित) उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी के मतदाता पहचान पत्र का वास्तविक ईपीआईसी नंबर आरएबी 0456228 है। आयोग ने बताया कि तेजस्वी का नाम मतदान केंद्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन) के क्रमांक 416 पर दर्ज है। इसके बाद बिहार में सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया। जहां पप्पू यादव ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग की आलोचना कर आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग बिहार के लोगों के अधिकारों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह से भाजपा और चुनाव आयोग ने पिछले दरवाजों से एसआईआर पर हमला किया है, उससे बिहार और बिहारियों के अधिकारों पर हमला हुआ है। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त से राहुल गांधी और गठबंधन के नेता बिहार का दौरा करने वाले है।

बात दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका नाम मतदाता सूची से गायब है और उनका मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर बदल दिया गया है। इस दावे का खंडन करते हुए, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी का नाम मतदाता सूची के मसौदे में क्रमांक 416 पर शामिल है।

तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठी बीआरएस नेता के.कविता

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के.कविता ने तेलंगाना में सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की तत्काल मंजूरी की मांग को लेकर सोमवार को 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल हैदराबाद के धरना चौक पर चल रही है। बीआरएस नेता कविता ने अपनी हड़ताल से पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के ओबीसी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक, जिसमें 42 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए लंबित है। इसके अतिरिक्त, राज्यपाल के स्तर पर एक अध्यादेश भी लंबित है। कविता ने मांग की है कि या विधेयक को तुरंत मंजूरी दी जाए या अध्यादेश को पारित किया जाए। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव के दौरान ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने भाजपा की इस शर्त की आलोचना की कि वह तभी आरक्षण देगी जब इसमें मुसलमान शामिल न हों। कविता ने ज़ोर दिया कि कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि राष्ट्रपति के पास भेजे गए 42 प्रतिशत आरक्षण विधेयक में मुसलमान शामिल हैं या नहीं। कविता के अनुसार, भूख हड़ताल का उद्देश्य इन राष्ट्रीय दलों के झूठ को उजागर करना और यह सुनिश्चित करना है कि हमें इन दोनों राष्ट्रीय दलों से किसी तरह की स्पष्टता मिले। यह भूख हड़ताल सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू होकर 7 अगस्त को सुबह 10 बजे समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद उन्हें उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा।

खदान में काम कर रहे थे श्रमिक, चट्टान गिरने से 6 प्रवासी मजदूरों की मौत

-10 घायल, ओडिशा सीएम ने मृतकों के परिजन को सहायता राशि देने की घोषणा

बापटला (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में बल्लीकुरवा के पास सत्यकृष्ण ग्रेनाइट खदान में चट्टानों का एक बड़ा हिस्सा ढह जाने से कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब एक चट्टान का हिस्सा ढह गया।

पुलिस के मुताबिक हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे उस समय हुआ जब 10 से 15 मजदूर खदान में काम कर रहे थे। ओडिशा के सीएमए मोहन चरण माझी ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सभी पीड़ित ओडिशा के रहने वाले हैं। संदेह है कि पानी रिसाव के कारण चट्टान खिसकी और हादसा हुआ है। घटनास्थल पर कोई विस्फोट या भूकंपीय गतिविधि नहीं थी। फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। हादसे के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया जिसमें खनन विभाग के अधिकारी भी पुलिस के साथ थे।

ओडिशा सीएमओ ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि सीएम मोहन चरण माझी ने आंध्र प्रदेश में हुए हादसे में गंजाम जिले के दंड बड़त्या, बनमाल चेहरा, भास्कर बिसोई, संतोष गौड़ और गजपति जिले के ताकुमा दलाई, मूसा जान की मौत पर शोक व्यक्त किया है। सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शवों को ओडिशा लाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इस बीच आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर शोक जताया। नायडू ने कहा कि मैंने अधिकारियों से बात की है और उन्हें घायलों को सर्वोत्तम उपचार देने और हादसे के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक घटना है। ये मजदूर अपने परिवारों के लिए मेहनत करते हुए जान गंवा बैठे।÷ रेड्डी ने सरकार से घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा देने और मृतकों के परिजनों को त्वरित सहायता प्रदान करने की अपील की।

ओडिशा सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में कम से कम आठ ओडिया मजदूर घायल हुए हैं और उन्हें आंध्र प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि जब हादसा हुआ उस वक्त खदान में कम से कम 16 मजदूर काम कर रहे थे। ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने भी हादसे में मजदूरों की मौत पर शोक जताया है।

भारत से इजराइल खरीद रहा गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट

-रेंज 10 किमी और 100 किमी/घंटा की रफ्तायर से लक्ष्यों को भेदने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनी एनआईबीई लि ने हाल ही में इजराइल की रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एल्बिट सिस्टम से 70 मिमी क्लास की हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट का सौदा किया है। शनिवार को इस सौदे की घोषणा की गई। 6.12 करोड़ रुपए की लागत से इसे सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। यह सौदा भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का हिस्?सा है, जिसके तहत स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया जा रहा है। अब मन में सवाल उठता है कि गाटर मिलाइल क्या है, जो इजराइल भारत से खरीदा रहा है?

गाटर एक कॉस्ट-इफेक्टिव हाई प्रीसीजन (सटीकता) वाला रॉकेट है, जिसे मध्यम दूरी के टैक्टिकल हवाई अभियानों के लिए डिज़ाइन किया है। इसकी रेंज 10 किमी तक है और यह 100 किमी/घंटा तक की गति से चल रहे लक्ष्यों को भेद सकता है। गाटर में अत्याधुनिक सेमी-एक्टिव लेजर गाइडेंस सिस्टम है, जो इसे बेजोड़ सटीकता प्रदान करता है। यह 16 किलोग्राम का वारहेड ले जा सकता है, जो 200 मिमी तक प्रबलित कंक्रीट को भेदने में सक्षम है। यह रॉकेट एएच-64 अपाचे और एचएएल रुद्र जैसे कई हमलावर हेलीकॉप्टरों के साथ इंटीग्रेट यानी लोड हो सकता है। इजराइल को भारत से गाटर रॉकेट चाहिए, क्योंकि यह लागत प्रभावी और सटीक है। इसकी 10 किमी रेंज और लेजर गाइडेंस इसे शहरी युद्ध के लिए आदर्श बनाता है। एनआईबीई पुणे में स्थित रक्षा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में इनोवेशन, स्वदेशीकरण और वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है। यह कंपनी उन्नत रक्षा प्रणालियों के डिज़ाइन, निर्माण और इंटीग्रेशन में माहिर है। एल्बिट सिस्टम के साथ यह साझेदारी भारत में उच्च तकनीक वाले रक्षा उपकरणों के निर्माण की दिशा में एक कदम है।

एनआईबीई इस ऑर्डर के तहत गाटर के पुर्जों का निर्माण और आपूर्ति करेगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों और वैश्विक सहयोगियों के लिए मिशन की सफलता और परिचालन सुरक्षा में वृद्धि होगी। यह सौदा भारत की रक्षा निर्यात क्षमता को दर्शाता है। एनआईबीई की यह उपलब्धि भारत को वैश्विक रक्षा बाजार में एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है। यह साझेदारी तकनीकी उन्नति और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी, खासकर पुणे के विनिर्माण क्षेत्र में। यह भारत-इजराइल रक्षा सहयोग को भी मजबूत करता है, जो हाल के ऑपरेशन सिंदूर के बाद और प्रासंगिक है।

भारी बारिश का कहर-यूपी के 17 जिलों में बाढ़, बिहार में बिजली गिरने से 6 की मौत, अब तक 275 की गई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में जारी भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में हालात गंभीर बने हुए हैं, जबकि देशभर में मानसून इस बार सामान्य से 4प्रतिशत अधिक सक्रिय रहा है।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लखनऊ, अयोध्या और अंबेडकरनगर में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में बारिश संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की जान चली गई है।

वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। वाराणसी के 84 घाट जलमग्न हो गए हैं और एक लाख से अधिक घरों में पानी भर गया। प्रयागराज की सड़कों पर नावों का संचालन शुरू कर दिया गया है, और हजारों लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले चुके हैं। बताया जा रहा है कि 1978 के हालात न बनने पाएं इसलिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

मध्य प्रदेश में भी बारिश का कहर जारी है। बताया जा रहा है कि 16 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से अब तक 275 लोगों की मौत बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। कई नदियां और नाले उफान पर हैं।

बिहार में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। बीते 24 घंटे में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई है। पटना समेत सभी 38 जिलों में सोमवार को बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका जताई है।

जानकारी अनुसार वर्ष 2025 में अब तक देशभर में सामान्य से 4.1 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। जून में 9प्रतिशत अधिक और जुलाई में 5प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। यह स्थिति 2013 के बाद पहली बार देखने को मिली है, जब मानसून के शुरुआती दो महीनों में लगातार सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस बल की मदद से राहत व बचाव अभियान जारी है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**